नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जन-जन की आवाज

द न्यूज फिफ्टीन

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :01 | अंक : 177 | नई दिल्ली, शनिवार 24 अगस्त 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 |

पहले मैं बहुत घमंडी हुआ करती थी : अनुष्का.... पेज-12

एक नजर

केंद्र ने बाढ़ प्रभावित त्रिपुरा के लिए 40 करोड़ रुपये की राशि जारी करने की मंजूरी दी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बाढ़ प्रभावित त्रिपुरा के लिए राज्य आपदा मोचन कोष से केंद्र के हिस्से से 40 करोड़ रुपये की राशि जारी करने की मंजूरी दी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। गृह मंत्री ने कहा, त्रिपुरा में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए, मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करने के लिए एसडीआरएफ से केंद्रीय हिस्से के रूप में 40 करोड़ रुपये अग्रिम रूप से जारी करने की मंजूरी दे दी है। केंद्र द्वारा तैनात एनडीआरएफ की 11 टीमें, सेना की तीन टुकड़ियां और वायु सेना के चार हेलिकॉप्टर पहले से ही राज्य सरकार की सहायता कर रहे हैं। चाहे कुछ भी हो, त्रिपुरा में हमारी बहनें और भाई इस कठिन समय से लड़ने के लिए मोदी सरकार को राहत एवं बचाव कार्य में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े पाएंगे।

योगी ने उप राष्ट्रपति से की शिष्टाचार भेंट

लखनऊ/नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को दिल्ली में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से शिष्टाचार भेंट की।

योगी ने सुबह उप राष्ट्रपति के आवास पर पहुंचकर उनका हालचाल जाना। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के विकास मॉडल की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा माननीय उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ जी से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने के लिए आपका हार्दिक आभार।

रूस-यूक्रेन का युद्ध रूकवाएंगे मोदी !

कीव, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को यूक्रेन पहुंचे। राजधानी कीव में उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, 'हमने जो दूसरा रास्ता चुना है, वह युद्ध से दूर रहना है। हम बहुत दृढ़ता से युद्ध से दूर रहे हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम तटस्थ नहीं थे। हम पहले दिन से ही पक्षकार रहे हैं और हमारा पक्ष है शांति, हम बुद्ध की भूमि से आते हैं जहां युद्ध के लिए कोई जगह नहीं है।' उन्होंने कहा कि हम महात्मा गांधी की भूमि से आते हैं जिन्होंने पूरी दुनिया को शांति का संदेश दिया।

पीएम मोदी ने कहा, 'जब युद्ध के शुरूआती दिन थे, तब आपने भारतीय नागरिकों और छात्रों को निकालने में मदद की थी। मैं संकट के इस समय में आपकी मदद के लिए आपका आभार व्यक्त करता हूं। दुनिया अच्छी तरह जानती है कि युद्ध के दौरान हमने 2 भूमिकाएं निभाई थीं। पहली भूमिका मानवीय दृष्टिकोण की थी।' उन्होंने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मानवीय दृष्टिकोण से जो भी जरूरत होगी, उसके लिए भारत हमेशा आपके साथ खड़ा रहेगा और दो कदम आगे रहेगा।

नरेंद्र मोदी ने कहा, 'आप और यूक्रेन के लोग भी जानते हैं कि भारत का शांति प्रयासों में सक्रिय योगदान रहा है। आप जानते हैं कि हमारा दृष्टिकोण लोगों पर केंद्रित रहा है। मैं आपको और पूरे विश्व समुदाय को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि यह भारत की प्रतिबद्धता है। हम मानते हैं कि संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान हमारे लिए सर्वोपरि है। हम इसका समर्थन करते हैं। कुछ समय पहले, जब मैं इसके समर्थन में राष्ट्रपति पुतिन से मिला था, तो मैंने उनसे कहा था कि यह युद्ध का समय नहीं है। पिछले दिनों, जब मैं एक बैठक के लिए रूस गया था, तो मैंने वहां भी स्पष्ट शब्दों में कहा था कि किसी भी समस्या का समाधान कभी भी रणभूमि में नहीं होता है। समाधान केवल बातचीत, संवाद और कूटनीति के माध्यम से होता है। हमें बिना समय बर्बाद किए उस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। दोनों पक्षों को एक साथ बैठना चाहिए और इस संकट से बाहर आने के रास्ते तलाशने होंगे।'

पीएम मोदी ने कहा कि आज मैं यूक्रेन की धरती पर आपके साथ शांति और आगे बढ़ने के मार्ग पर विशेष रूप से चर्चा करना चाहता हूं। मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि भारत शांति के हर प्रयास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार है। अगर मैं व्यक्तिगत रूप से इसमें योगदान दे सकता हूं, तो मैं ऐसा जरूर करना चाहूंगा। एक मित्र के रूप में, मैं आपको इसका विश्वास दिलाता हूं। उन्होंने कहा, 'आज मैं यूक्रेन में 140 करोड़ भारतीयों की भावनाएं लेकर आया हूं। 140 करोड़ भारतीयों की भावनाएं मानवता से प्रेरित हैं।

मोदी ने की हिंदी भाषा के यूक्रेनी छात्रों के साथ बातचीत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कीव में स्कूल ऑफ ओरिएंटल स्टडीज में हिंदी भाषा सीख रहे यूक्रेनी छात्रों से बातचीत की।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार प्रधानमंत्री ने छात्रों की विद्वता और दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देने में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने भारतीय संस्कृति और इतिहास को यूक्रेनी लोगों के करीब लाने के उनके प्रयासों की भी सराहना की।

'युद्ध से समस्या का समाधान नहीं होता है'

यूक्रेन के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास मैरिंस्की पैलेस में पीएम मोदी और राष्ट्रपति जेलेंस्की की मुलाकात हुई. जेलेंस्की से मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने कहा, 'युद्ध की विभीषिका से दुख होता है. युद्ध बच्चों के लिए विनाशकारी है.' प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और यूक्रेन के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है.

उन्होंने कहा, 'युद्ध से समस्या का समाधान नहीं होता है. बातचीत और कूटनीति से समस्या हल होती है. दोनों पक्ष आपस में बातचीत शुरू करें. बिना समय गंवाए रूस-यूक्रेन बात करें. शांति के प्रयास में भारत सक्रिय भूमिका निभाएगा.' पीएम मोदी ने कहा कि युद्ध में भारत का रुख कभी भी न्यूट्रल नहीं था बल्कि वह हमेशा से शांति का पक्षधर रहा है.

भारत-यूक्रेन ने चार समझौतों पर किया साइन

बता दें कि भारत और यूक्रेन ने चार अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं. दोनों देश मानवीय मदद, कृषि, चिकित्सा और सांस्कृतिक क्षेत्र में आपसी सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूक्रेन के दौरे पर हैं. वह पोलैंड से सीधे ट्रेन के जरिए शुक्रवार सुबह कीव पहुंचे थे. कीव पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया. उन्होंने कीव में राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की है.

पीएम मोदी के दौरे से यूएन को भी उम्मीदें

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने उम्मीद जताई है कि प्रधानमंत्री मोदी की यूक्रेन यात्रा रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने में मदद कर सकती है. यूएन महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन डुजारिक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख को उम्मीद है कि पीएम मोदी की यूक्रेन यात्रा से युद्ध को समाप्त करने में मदद मिलेगी.

'भारत-यूक्रेन के संबंधों के लिए ऐतिहासिक दिन'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'इस दर्दनाक परिस्थिति में भी आपने (राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की) जिस गर्मजोशी से मेरा और मेरे प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया, उसके लिए मैं हृदय से आपका आभार व्यक्त करता हूं। आज भारत और यूक्रेन के संबंधों के लिए बहुत ऐतिहासिक दिन है।' उन्होंने कहा कि भारत का कोई प्रधानमंत्री पहली बार यूक्रेन आया है जो अपने आप में एक ऐतिहासिक घटना है। कल आपका राष्ट्रीय दिवस है और हम आपको इसके लिए बधाई देते हैं। हम (यूक्रेन में) शांति, सुख और समृद्धि के लिए प्रार्थना करते हैं।

भारत-अमेरिका मिलकर वैश्विक शांति और समृद्धि सुनिश्चित कर सकते हैं: सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत और अमेरिका संयुक्त रूप से दुर्जेय शक्ति हैं और ये दोनों मिलकर वैश्विक शांति और समृद्धि सुनिश्चित कर सकते हैं।

अमेरिका की यात्रा पर गये श्री सिंह ने भारतीय समुदाय के लोगों के साथ बातचीत के दौरान कहा कि मोदी सरकार मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध भारत बनाना चाहती है।

रक्षा मंत्री ने भारत और अमेरिका को स्वाभाविक सहयोगी बताते हुए कहा कि इनके बीच मजबूत भागीदारी नियति है और इस दिशा में सहयोग लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय में वैश्विक मंच पर भारत का कद बढ़ा है। उन्होंने कहा, 'इससे पहले अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की बातों पर ध्यान नहीं दिया जाता था। लेकिन आज पूरी दुनिया ध्यान से सुन रही है।

श्री सिंह ने कहा कि 2014 से पहले, भारत 'कमजोर पांच' देशों में से एक था, जैसा कि निवेश फर्म मॉर्गन स्टेनली ने कहा है लेकिन आज यह दुनिया की 'शानदार पांच' अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। उन्होंने कंपनी की हालिया रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि भारत 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोविड-19 महामारी के प्रति सरकार की नीतियों ने यह सुनिश्चित किया कि भारतीय अर्थव्यवस्था अन्य देशों की तुलना में ज्यादा प्रभावित नहीं हुई।

रक्षा मंत्री ने रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' हासिल करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की चर्चा की, जिसमें 5,000 से अधिक वस्तुओं वाली सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियों की अधिसूचना शामिल है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं कि घरेलू कंपनियों द्वारा देश में अत्याधुनिक रक्षा वस्तुओं का निर्माण किया जाए।

श्री सिंह ने कहा कि रक्षा निर्यात, जो वर्तमान सरकार के सत्ता में आने से पहले 600 करोड़ रुपये था, अब काफी बढ़कर 21,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

सीबीआई मामले में केजरीवाल को राहत नहीं

सुप्रीम कोर्ट पांच सितंबर को करेगा अगली सुनवाई

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति कथित घोटाला मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की गिरफ्तारी की वैधता को चुनौती देने वाली और इसी मुकदमे में जमानत की मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की दो अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई पांच सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी है।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने उनकी याचिकाओं पर संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद शुक्रवार को कहा कि वह इस मामले में अगली सुनवाई पांच सितंबर को करेगी, ताकि जवाबी हलफनामा दाखिल किया जा सके।

सुनवाई के दौरान पीठ के समक्ष सीबीआई ने श्री केजरीवाल की याचिकाओं का यह कहते हुए जोरदार विरोध किया कि अगर उन्हें अंतरिम जमानत पर रिहा किया जाता है, तो वह सबूतों से छेड़छाड़ कर जांच को बाधित कर सकते हैं।

शीर्ष अदालत ने 14 अगस्त को सीबीआई को (दोनों याचिकाओं पर) अपना पक्ष रखने का निर्देश देते हुए कहा था कि वह इस मामले में अगली सुनवाई 23 अगस्त को करेगी।

श्री केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से पांच अगस्त को अपनी याचिका ठुकरा दिए जाने के बाद शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने पीठ के समक्ष तब श्री केजरीवाल का पक्ष रखते हुए दलील दी थी कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दर्ज मुकदमे में शीर्ष अदालत ने तीन मौकों पर अंतरिम जमानत दी है। उन्होंने दावा किया था कि सीबीआई की ओर से श्री केजरीवाल की गिरफ्तारी एक प्रकार से पहले से तय थी, क्योंकि यह अनुमान था कि ईडी मामले में उन्हें जमानत मिलेगी और वह जेल से रिहा किए जाएंगे।

पीठ पर तब श्री सिंघवी की इन दलीलों का कोई असर नहीं पड़ा। पीठ के इस रुख बाद श्री सिंघवी ने मुख्यमंत्री केजरीवाल के स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का जिक्र करते हुए अगली सुनवाई के लिए नजदीक की तारीख मुकर्रर करने का आग्रह किया। इसके बाद पीठ ने कहा कि वह इस मामले में 23 अगस्त को अगली सुनवाई करेगी।

वक्फ संशोधन विधेयक पर बढ़ेगी बीजेपी की टेंशन

चिराग, चंद्रबाबू के बाद नीतीश की पार्टी ने त्योरी भौंह

दीपक कुमार तिवारी

पटना/नई दिल्ली। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर बीजेपी को एक और सहयोगी से झटका लगता दिख रहा है। केंद्र में नरेंद्र मोदी की तीसरी बार सरकार बनाने में अहम सहयोगी जनता दल युनाइटेड (जेडीयू) ने वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर चिंता जताई है। गौर करने वाली बात यह है कि एनडीए खेमे में जेडीयू तीसरी पार्टी है जिसने इस बिल को लेकर अपनी अलग राय रखी है। इससे पहले चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) इस विधेयक पर सवाल उठा चुकी है। वहीं आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (ळ्ऊढ) ने भी इससे नाखुश है। माना जा रहा है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की 18 फीसदी मुस्लिम आबादी को नाखुश नहीं करना चाहती है। इसलिए वह प्रस्तावित कानून में बदलाव चाहती है।

वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर जेडीयू का रेड सिग्नल इसलिए मायने रखता है क्योंकि लोकसभा की कार्यवाही के दौरान केंद्रीय मंत्री और जेडीयू के संसदीय दल के नेता राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने खुलकर इस बिल का समर्थन किया था। जेडीयू सांसद राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने इस महीने की शुरूआत में लोकसभा में एक बहस के दौरान कानून के पक्ष में बात की थी।

ललन सिंह ने संशोधनों को पारदर्शिता के लिए एक बहुत जरूरी उपाय बताया। हालांकि, तब से जेडीयू के गुटों में असंतोष है, राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद जमा खान ने कुछ प्रावधानों पर आपत्ति जताने के लिए मुख्यमंत्री से मुलाकात की है।

बताया जा रहा है कि जमा खान असहमति जताने वाले एकमात्र व्यक्ति नहीं हैं। बिहार में जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने मुस्लिम समुदाय की आशंकाओं के बारे में बात की है। विजय चौधरी को व्यापक रूप से मुख्यमंत्री के करीबी सहयोगी के रूप में देखा जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, विधायक गुलाम गौस जैसे अन्य जेडीयू नेताओं ने भी संदेह व्यक्त किया है।

नए कानून की धाराओं पर बढ़ती आपत्ति के परिणामस्वरूप जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और जमा खान ने केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू से मुलाकात की। केंद्र ने प्रस्तावित बदलावों का बचाव किया है - जिसमें मुस्लिम महिलाओं और गैर-मुस्लिमों का प्रतिनिधित्व अनिवार्य करना और दानदाताओं को पांच साल या उससे अधिक समय तक प्रैक्टिस करने वाले मुसलमानों तक सीमित करना शामिल है। केंद्रीय और राज्य वक्फ बोर्डों के कामकाज में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के प्रयास के रूप में बताया गया है।

सूत्रों का कहना है कि कुछ मुस्लिम मौलवियों की ओर से एक खतरनाक कहानी गढ़ी जा रही है। सूत्रों ने यह भी कहा कि विचार उन मुस्लिम महिलाओं को सशक्त बनाने का है, जो पुराने कानून के तहत इसके पीड़ित थीं। हालांकि, कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष ने प्रस्तावों की तीखी आलोचना की है और इसे कठोर उपाय, संघीय व्यवस्था पर हमला और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बताया है।

विपक्ष के बोलने के बाद, किरेन रिजिजू ने पलटवार करते हुए कांग्रेस पर मुद्दों को हल करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'क्योंकि आप नहीं कर सके, हमें करना पड़ा। कुछ लोगों ने वक्फ बोर्ड पर कब्जा कर लिया है और यह विधेयक आम मुसलमानों को न्याय दिलाने के लिए लाया गया है।

आखिरकार वक्फ संशोधन विधेयक पर भयंकर विवाद के कारण इसे आगे की जांच के लिए एक संयुक्त समिति के पास भेज दिया गया। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल के नेतृत्व में 31 सदस्यीय समिति ने गुरुवार को अपना पहला सत्र आयोजित किया। अगली बैठक 30 अगस्त को तय की गई है।

अंतरिक्ष मिशनों को कचरा-मुक्त बनाने की दिशा में बढ़ रहा है भारत : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अंतरिक्ष में कचरे को अंतरिक्ष मिशनों के लिए समस्या करार देते हुए शुक्रवार को कहा कि भारत वर्ष 2030 तक अपने सभी अंतरिक्ष मिशनों को कचरा-मुक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को यहां भारत मंडपम में पहले राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह में हिस्सा लिया। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पिछले वर्ष 23 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर 'विक्रम' लैंडर के सफलतापूर्वक उतरने की याद में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने 'रोबोटिक्स चैलेंज' और 'भारतीय अंतरिक्ष हैकाथॉन' के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमें भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहना होगा। अंतरिक्ष में कचरा अंतरिक्ष मिशनों के लिए समस्याएँ पैदा कर सकता है। उन्होंने 'सुरक्षित और सतत संचालन प्रबंधन के लिए इसरो प्रणाली' की सराहना की, जिसका संचालन अंतरिक्ष अनुसंधान गतिविधियों की निरंतर प्रगति सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत वर्ष 2030 तक अपने सभी अंतरिक्ष मिशनों को कचरा-मुक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि इसरो ने अंतरिक्ष क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने के साथ ही देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में भी अपना अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने उन समर्पित वैज्ञानिकों की सराहना की जिन्होंने न्यूनतम संसाधनों का उपयोग करके भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ अंतरिक्ष कार्यक्रमों में शामिल किया । राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि हमारा देश अंतरिक्ष विज्ञान में निरंतर प्रगति करेगा और हम उत्कृष्टता के नए कीर्तिमान स्थापित करते रहेंगे।

शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट के नाम पर 23 लाख की ठगी

शाहदरा साइबर पुलिस ने 4 आरोपी को छत्तीसगढ़ से पकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट करके मोटा मुनाफा कमाने के नाम पर ठगी करने वाले एक रैकेट का भंडाफोड़ किया है। दिल्ली पुलिस के शाहदरा जिले के शाहदरा साइबर थाना पुलिस की टीम ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है जो ठगी के पैसे को बैंक अकाउंट में जमा करने और उसे निकलवाने का गोरखधंधा करते थे। इन सभी आरोपियों को साइबर पुलिस टीम ने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों ने एक शख्स से इन्वेस्टमेंट कराने के नाम पर 23.26 लाख रुपए की ठगी की थी। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी के मुताबिक, शाहदरा साइबर पुलिस स्टेशन को शिकायत मिली थी, जिसमें शिकायतकर्ता ने शेयर बाजार में निवेश के संबंध में टेलीग्राम पर एक मैसेज प्राप्त करने और इस पर मोटा रिटर्न पाने की बात कही गई थी। इसके बाद उसने शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट करना शुरू कर दिया। शुरूआत में उसको पहले की गई इन्वेस्टमेंट की राशि पर बढ़ा रिटर्न प्राप्त हुआ। बाद में उसको (शिकायतकर्ता) को इन्वेस्टमेंट की गई राशि की वापसी के लिए जालसाजों ने इसमें और रुपए इन्वेस्टमेंट करने के लिए कहा गया। शिकायतकर्ता से जालसाजों ने 23 लाख 26 हजार रुपए की ठगी अलग-अलग खातों में राशि जमा करवा कर की।

डीसीपी के मुताबिक, इस पूरे मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए सब-इंस्पेक्टर लवली शौकीन के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल हितेंद्र, अक्षय और रजनी की एक टीम गठित की गई। इसने अपराधियों की पहचान करने और पता लगाने के लिए मैन्युअल और टेक्निकल सर्विलांस की। इस दौरान एक संदिग्ध की मोबाइल की पूरी मॉनीटरिंग की गई। टेक्निकल सर्विवलांस के आधार पर पुलिस टीम को खास जानकारी हासिल हुई, जिसके आधार पर 13 अगस्त को बिलासपुर (छत्तीसगढ़) में दबिश दी गई।

छापेमारी के दौरान एक आरोपी मयंक देवांगन की पहचान की गई, जो अकाउंट होल्डर था। इसमें धोखाधड़ी की राशि जमा की गई थी। आरोपी ने पूछताछ में किया खुलासाः आरोपी को पकड़ने के बाद पूछताछ में खुलासा हुआ कि उसने अपने बचपन के दोस्त शिवा श्रीवास को अपने अकाउंट की डिटेल्स दी थी। शिवा श्रीवास और अमन श्रीवास्तव को यह राशि सौंप दी गई। मयंक ने बताया कि वह दोनों उसके पड़ोस में रहते थे। आरोपी मयंक देवांगन की निशानदेही पर ही दोनों आरोपियों के रेजिडेंस पर साइबर टीम ने एक और छापेमारी की, लेकिन वह दोनों पहले ही मौके से फरार हो गए। पुलिस टीम ने फिर इन दोनों आरोपियों की पकड़ने के लिए मोबाइल डिटेल्स खंगाली। इसके बाद 18 अगस्त को बिलासपुर (छत्तीसगढ़) में एक और छापेमारी की जहां पर दोनों आरोपियों को धरदबोचने में कामयाबी मिली। कमीशन बेसिज पर करते थे कामः पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने खुलासा किया कि वह कमीशन बेसिज पर यह सब काम किया करते थे। अमन श्रीवास्तव ने आदर्श तिवारी नाम के एक शख्स के नाम का भी खुलासा किया, जिसको वह यह पूरी नगदी सौंपी थी। अमन श्रीवास्तव के कहने पर एक और छापेमारी की गई। इसके बाद सह-आरोपी आदर्श तिवारी को पकड़ने में कामयाबी मिली। उसने पूछताछ में खुलासा किया कि इसका एक अन्य सह-आरोपी भी है, जिसके नाम का खुलासा नहीं किया गया। उसके लिए ही वह ठगी की रकम को निपटाने का काम किया करता था। इस शख्स को ही आदर्श तिवारी ने मयंक देवांगन समेत करीब 8 बैंक अकाउंट्स की डिटेल मुहैया करवाई थी, जिसमें शिकायतकर्ता की धोखाधड़ी की राशि प्राप्त की गई थी। अकाउंट की इस पूरी रकम को चेक के जरिए बैंक से निकाला गया था और बाद में इसको आदर्श तिवारी (23) को दी गई। आदर्श तिवारी ने अपने उसे दोस्त के खाते में रकम ठिकाने लगाई थी, जिसके नाम का अभी खुलासा नहीं किया गया। इस सब गोरखधंधे के लिए आदर्श तिवारी को कमीशन मिलता था। वह छत्तीसगढ़ से ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर रहा है। मामले में आरोपी आदर्श तिवारी को गिरफ्तार कर लिया गया और टीम मामले में टेक्निकल एंगल पर आगे की जांच में जुटी है। आरोपियों के कब्जे से अपराध में इस्तेमाल किए गए 5 मोबाइल फोन और 5 सिम कार्ड भी बरामद कर लिए गए हैं।

दिल्ली के कई हिस्सों में बारिश, येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को दोपहर में बादल छाए रहे और कई हिस्सों में बारिश हुई। मौसम विभाग ने शाम तक और बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि शहर के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी मौसम की चेतावनियों के लिए रंग-कोड का उपयोग करता है, जिससे संभावित मौसम की घटनाओं की गंभीरता को दशार्या जा सके। इसका मुख्य उद्देश्य संबंधित अधिकारियों और आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को मौसम के संभावित प्रभाव के बारे में पहले से ही सचेत करना है, जिससे वह आपदा जोखिम न्यूनीकरण से संबंधित आवश्यक कार्रवाई के लिए तैयार रहें। ग्रीन अलर्ट का अर्थ है कि किसी सलाह की आवश्यकता नहीं है। यलो अलर्ट खराब मौसम और स्थिति के बिगड़ने की संभावना को दशार्ता है, जिससे जन-जीवन प्रभावित हो सकता है। ऑरेंज अलर्ट का अर्थ है संभावित बिजली कटौती और परिवहन, रेल, सड़क तथा हवाई यात्रा में संभावित व्यवधान के लिए तैयार रहें। रेड अलर्ट का अर्थ है कार्रवाई करें, अत्यंत खराब मौसम के कारण परिवहन और बिजली आपूर्ति बाधित होने की आशंका है और जन-जीवन को खतरा हो सकता है।आईएमडी ने बताया कि दिल्ली में न्यूनतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिल्ली में सापेक्षिक आर्द्रता का स्तर 85 प्रतिशत दर्ज किया गया और अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किए जाने की संभावना है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 75 दर्ज किया गया, जो संतोषजनक श्रेणी में आता है। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

दिल्ली में बुजुर्गों और विधवा महिलाओं को पेंशन नहीं मिलने पर भाजपा ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बुजुर्गों को पेंशन नहीं मिलने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने लाजपत नगर पार्ट 2 इलाके में प्रदर्शन किया। इसका नेतृत्व भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने किया। इसमें दक्षिणी दिल्ली के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी, बीजेपी सांसद योगेंद्र चंदोलिया, प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह, दिल्ली प्रदेश महामंत्री विक्रम मित्तल समेत कई कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान भाजपा नेताओं ने अरविंद केजरीवाल पर कई गंभीर आरोप भी लगाए। वहीं, इसमें बड़ी संख्या में बुजुर्ग, विधवा महिलाएं और समर्थक इस प्रदर्शन में शामिल हुए और केजरीवाल सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल सरकार पिछले कई महीनों से गरीब बुजुर्गों और विधवा महिलाओं की हकमारी कर रहे हैं। उनको पेंशन नहीं दी जा रही है। सचदेवा ने चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे के भीतर पेंशन जारी नहीं की गई तो बीजेपी दिल्ली सरकार का घेराव करेगी। सचदेवा ने कहा कि जिन बुजुर्गों की सेवा होनी चाहिए थी, उन्हें लूट लिया गया है। आप सरकार कर रही पेंशन रोकने का कामः बुजुर्गों की पेंशन नहीं मिलने पर भाजपा के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी ने भी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कई महीनों से बुजुर्गों को उनकी पेंशन नहीं मिल रही है।

केजरीवाल की मानसिकता लूट और भ्रष्टाचार से जुड़ी है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि केजरीवाल बुजुर्गों के हक का पैसा हड़प चुके हैं और अब जनता को उनके भ्रष्टाचार के बारे में पता चल चुका है। आतिशी का भाजपा पर तंजः वहीं, दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी ने कहा कि मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि काफी संघर्ष के बाद केजरीवाल सरकार ने बुजुर्गों की रुकी हुई पेंशन शुरू कर दी है। पिछले पांच महीने की पेंशन बुजुर्गों के बैंक खातों में जमा हो रही है। पिछले 5 महीनों से भाजपा की केंद्र सरकार ने दिल्ली के 1 लाख बुजुर्गों की वृद्धावस्था पेंशन रोकी हुई थी। बुजुर्ग बहुत परेशान थे। केजरीवाल सरकार ने लड़-लड़ कर बुजुर्गों की रुकी हुई पेंशन को शुरू करवा दिया है।

जेएनयू छात्रों का शिक्षा मंत्रालय तक पैदल कूच, पुलिस ने रोका तो जमकर हुई धक्का-मुक्की

नई दिल्ली, एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्र बीते 12 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं। भूख हड़ताल के साथ-साथ जेएनयूएसयू ने 2 दिन की स्ट्राइक का भी आह्वान किया था। इसके बाद जेएनयू के छात्रों ने क्लास का बहिष्कार किया। शुक्रवार को जेएनयू के कई छात्र संगठन भारी संख्या में एकत्रित होकर जेएनयू कैंपस से शिक्षा मंत्रालय के लिए पैदल कूच करने लगे। इस दौरान दिल्ली पुलिस ने रोक दिया। इस दौरान पुलिसकर्मियों और छात्रों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। जेएनयूएसयू के शिक्षा मंत्रालय तक पैदल कूच से पहले ही दिल्ली पुलिस ने छात्रों को आगे बढ़ने से रोकने की पहले ही तैयारी कर रखी थी। बाबा गंगनाथ मार्ग पर भारी संख्या में दिल्ली पुलिस के जवान और अर्ध सैनिक बलों के जवानों की तैनाती कर दी गई। शुक्रवार को शिक्षा मंत्रालय तक पैदल कूच का नेतृत्व जेएनयू के प्रेसिडेंट धनंजय ने किया। जेएनयू के छात्रों ने जमकर की नारेबाजीः पैदल कूच के दौरान जेएनयू के छात्रों ने जमकर नारेबाजी की। जैसे ही छात्रों ने पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की तो दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवानों ने उन्हें रोका।

इससे जेएनयू के छात्र और जवानों के बीच धक्का मुक्की शुरू हो गई। दिल्ली पुलिस ने कुछ छात्रों को डिटेन कर लिया। छात्राओं की सुरक्षा, एमसीएम में बढ़ोतरी जैसे तमाम मुद्दों को लेकर प्रदर्शनः जेएनयू कैंपस में बराक हॉस्टल, छात्राओं की सुरक्षा, एमसीएम में बढ़ोतरी जैसे तमाम मुद्दों को लेकर जेएनयू के कई छात्र बीते कई दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे हैं। छात्रों का आरोप है कि जेएनयू प्रशासन ने कई छात्रों पर फाइन लगा दिया। इन्हीं सब मांगों को लेकर शुक्रवार को छात्रों ने जेएनयू कैंपस से शिक्षा मंत्रालय के लिए पैदल कूच किया था।

धनशोधन मामला : तंवर की अंतरिम जमानत के खिलाफ ईडी की अर्जी पर नोटिस जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें धनशोधन मामले में गिरफ्तार आरोपी वेद पाल सिंह तंवर को दी गई अंतरिम जमानत को चुनौती दी है। साकेत जिला न्यायालय ने 16 अगस्त को मेडिकल आधार पर तंवर को 56 दिन की अंतरिम जमानत दी थी। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने ईडी की याचिका पर नोटिस जारी किया है। इस मामले की सुनवाई सितंबर में तय की गई है। हरियाणा के खनन व्यवसायी वेद पाल तंवर को मई में ईडी ने धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया था। आरोपी ने गर्भनाल हर्निया की सर्जरी के लिए मेडिकल आधार पर अंतरिम जमानत के लिए याचिका दायर की थी।

दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा, बुजुर्गों की रुकी हुई पेंशन फिर से शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी ने कहा है कि केंद्र सरकार ने अपने हिस्से का फंड जारी न कर 5 महीनों से दिल्ली के 1 लाख बुजुर्गों की पेंशन रोक रखी थी। दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार से लड़कर एक लाख बुजुर्गों को उनकी पेंशन दिलवाई है। वित्त मंत्री आतिशी ने बताया कि दिल्ली सरकार ने गुरुवार को 90,000 बुजुर्गों के खाते में उनके 5 महीने की पेंशन भेजी, बचे 10,000 बुजुर्गों को पेंशन शुक्रवार को जारी होगी। उन्होंने कहा कि चाहे अरविंद केजरीवाल जेल में हों, लेकिन वो बुजुर्गों के हक में लड़ना बंद नहीं करेंगे। केजरीवाल सरकार दिल्ली वालों के काम नहीं रुकने देगी, जिस तरह केंद्र सरकार से लड़कर बुजुर्गों को ये पेंशन दिलवाई है, उसी तरह लड़कर दिल्ली वालों के रुके हुए काम करवायेंगे। आतिशी ने कहा कि दिल्ली के 4 लाख बुजुर्गों को वृद्धावस्था पेंशन मिलती है। इनमें से 1 लाख ऐसी पेंशन है जिसका कुछ हिस्सा दिल्ली सरकार से और कुछ हिस्सा केंद्र सरकार से आता है।

पिछले 5 महीनों से इन एक लाख बुजुर्गों को पेंशन नहीं मिल रही थी। पेंशन इसलिए नहीं मिल रही थी क्योंकि जिन पेंशन का हिस्सा केंद्र से आता है उसे सरकार ने रोक रखा था। दिल्ली के बुजुर्ग बहुत परेशान थे। ये ऐसे बुजुर्ग हैं जो गरीब परिवारों से आते हैं, जिनके पास इस पेंशन के अलावा कोई आर्थिक साधन नहीं है।

पुरानी पेंशन को लेकर हो सकता है बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। पुरानी पेंशन को लेकर सरकार की तरफ से कोई बड़ा फैसला लिया जा सकता है। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्टाफ साइड की राष्ट्रीय परिषद के पदाधिकारियों से मिलेंगे। इस संबंध में भारत सरकार के उप सचिव प्रवीण जारगर ने परिषद के सचिव शिव गोपाल मिश्रा को पत्र लिखा है कि बैठक में परिषद के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहें, जिससे कि उनसे जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जा सके। भाजपा के सत्ता में आने बाद प्रधानमंत्री की कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ इस तरह यह पहली बैठक होगी। माना जा रहा है कि कुछ राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सरकार पुरानी पेंशन जैसे अन्य मुद्दों पर कोई अहम फैसला ले सकती है, जिससे पहले यह बैठक बुलाई गई है। लंबे समय से कर्मचारियों की मांग रही है कि पुरानी पेंशन को बहाल किया जाए। सार्वजनिक उपकरणों के निजीकरण को लेकर भी कर्मचारी यूनियन विरोध जताती आ रही है। रेलवे समेत तमाम सरकारी विभागों में पद खाली पड़े हैं, जिन्हें भरने को लेकर भी कर्मचारी यूनियनों की लंबे समय से मांग रही है।

ऐसे में सीधे प्रधानमंत्री के साथ होने जा रही बैठक को काफी अहम माना जा रही है। सात लोक कल्याण मार्ग पर होने वाली बैठक में कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होनी की उम्मीद है। इसमें पुराने पेंशन को लेकर भी कोई अहम फैसला हो सकती है।

दिल्ली पुलिस का सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा, कहा मालीवाल पर हमले के पीछे बड़ी साजिश

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय के समक्ष दिल्ली पुलिस ने 13 मई को राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल पर किए गए क्रूर हमले के पीछे बड़ी साजिश का दावा करते हुए आरोपी बिभव कुमार की जमानत याचिका का कड़ा विरोध किया है। दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से 12 जुलाई को जमानत याचिका खारिज करने के आदेश को चुनौती देने वाली बिभव की याचिका पर अपना जवाब दाखिल करते हुए पुलिस ने शीर्ष अदालत के समक्ष यह विरोध दर्ज कराया। पुलिस ने हालांकि कहा, इसके (हमले के) बाद के दिनों में जिम्मेदार लोक सेवकों द्वारा लिए गए विरोधाभासी सार्वजनिक रुख की भी सही परिप्रेक्ष्य में जांच की जानी चाहिए ताकि यह पता लगाया जा सके कि याचिकाकर्ता के हाथों शिकायतकर्ता/पीड़ित पर किए गए क्रूर हमले के पीछे कोई बड़ी साजिश थी या नहीं। पुलिस ने कहा कि अपराध के तुरंत बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और याचिकाकर्ता काफी समय तक साथ थे। याचिकाकर्ता बिभव श्री केजरीवाल का करीबी और उनके सरकारी आवास पर हुए इस कथित हमले का आरोपी है। हलफनामे में पुलिस ने यह भी कहा कि अपराध के बाद के दिनों में घटना के संबंध में पार्टी के दो जिम्मेदार व्यक्तियों ने भी पूरी तरह से अपना रुख बदल लिया था। पुलिस ने कहा कि यह बहुत गंभीर मामला है, क्योंकि पीड़िता दिल्ली की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी की मौजूदा सांसद है। उन्हें बहुत संवेदनशील स्थान (मुख्यमंत्री आवास) पर बेरहमी से पीटा गया।

एक नजर

ई-रिक्शा चालक हत्या में साले समेत दो लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली स्पेशल स्टाफ ने गुरुवार को शकरपुर में ई-रिक्शा चालक की चाकू से गोदकर हत्या की गुत्थी को सुलझा लिया है। पुलिस ने मामले में मृतक के साले समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से खून से सने कपड़े, चाकू, मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन बरामद हुआ।

पुलिस उपायुक्त अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि आरोपी हत्या के बाद शव यमुना खादर इलाके में छोड़कर फरार हो गए थे। पुलिस को शव लावारिस हालत में मिला था। बाद में फिंगरप्रिंट की मदद से उसकी पहचान की गई थी। जांच में पता चला कि पकड़ा गया आरोपी किशन सिंह उर्फ राजू मृतक राहुल उर्फ काले की पत्नी लक्ष्मी का ममेरा भाई है। वहीं, दूसरा आरोपी राहुल उर्फ केशव किशन का दोस्त है। रक्षाबंधन वाले दिन किशन अपने दोस्त केशव के साथ बहन के घर आया था। इस दौरान राहुल की उनके साथ कहासुनी हो गई। उस समय तो मामला शांत हो गया, लेकिन रात में ये लोग शराब और सिगरेट पीने के लिए यमुना खादर इलाके की ओर गए। यहां गाली-गलौज वाली बात को लेकर इनके बीच फिर से बहस शुरू हो गई। इस दौरान राहुल उर्फ काले ने चाकू निकाल लिया। वह घर से ही चाकू लेकर गया था। वह हमला करने ही वाला था कि किशन और केशव ने उसे पकड़ लिया। इसके बाद किशन ने चाकू छीनकर राहुल पर हमला कर दिया। हमले के दौरान उसकी मौत हो गई तो आरोपी उसके शव को वहीं छोड़कर मौके से फरार हो गए।

जो धारण करने योग्य है, वही धर्म है : गजेंद्र सिंह शेखावत

नई दिल्ली, एजेंसी। धार्यति इति धर्मः अर्थात जो धारण करने योग्य है, वही धर्म है। उक्त बातें केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने डीयू के हिंदू अध्ययन केंद्र एवं संस्कृति संज्ञान के द्वारा मानवता के लिए श्री रामचरितमानस विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर कही। उन्होंने बताया कि धर्म की प्रासंगिकता हमारे प्राचीन ग्रंथों से ही है। उनमें से जो ग्रंथ सरल भाषा में सामान्य जन मानस तक पहुंचा वह तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस ही है। इसी कारणवश धर्म और रामचरितमानस दोनों आज भी एक दूसरे के सापेक्ष हैं। उन्होंने बताया की आज की हमारी सारी समस्याओं का समाधान, श्री रामचरितमानस में ही समाहित है। कार्यक्रम के प्रथम चरण में डॉ. प्रदीप कुमार सिंघल, (राष्ट्रीय अध्यक्ष, संस्कृति संज्ञान) के नेतृत्व में संस्कृति संज्ञान के द्वारा संरचित पुस्तक मानस के मोती पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

दीक्षांत समारोह के लिए भारतीय पोशाक तैयार होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने केंद्र के अधीन आने वाले सभी चिकित्सा शिक्षण संस्थानों को दीक्षांत समारोह के लिए अपनी अलग पोशाक तैयार करने को कहा है। मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी आदेश में कहा है कि मौजूदा समय में भी अंग्रेजों के जमाने में शुरू की गई पोशाक दीक्षांत समारोह में पहनी जा रही है, जो गुलामी की मानसिकता का प्रतीक है। संस्थानों से कहा गया है कि वे इसके लिए भारतीय पोशाक तैयार करें। यह पोशाक उस राज्य की परंपरा के अनुरूप भी होनी चाहिए जहां संस्थान स्थित है। संस्थानों को इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव से मंजूरी लेने को कहा गया है। आदेश में प्रधानमंत्री के पंच प्रण का भी जिक्र किया गया है, जिसमें आत्मनिर्भरता पर जोर दिया गया है। बता दें कि पूर्व में यूजीसी ने भी इसी प्रकार का आदेश विश्वविद्यालयों को जारी किया था।

आवारा पशुओं की समस्या पर पूर्व महापौर ने चिंता की जाहिर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम की पूर्व महापौर और वर्तमान पार्षद सत्या शर्मा ने आवारा पशुओं की समस्या और उनसे होने वाली मौतों को लेकर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले बुराड़ी रिंग रोड पर आवारा पशु की वजह से एक और व्यक्ति की मौत हो गई। इस घटना से पहले कड़कड़डूमा सैनी एन्क्लेव चौक लालबत्ती पर मोटर साइकिल सवार की और दक्षिण दिल्ली में एक व्यक्ति की आवारा पशु की वजह से मौत हुई। गीता कॉलोनी में भी एक महिला को आवारा पशु ने अधमरा कर दिया था। बीते कुछ दिनों में राजधानी में आवारा पशुओं के हमलों की घटनाओं ने लोगों को भयभीत कर दिया है।

दूसरे दिन भी टैक्सी-ऑटो की हड़ताल जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ऑटो-टैक्सी हड़ताल शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी है जिसके कारण लोगों को ऐप आधारित एग्रीगेटर सेवाओं के माध्यम से कैब और ऑटोरिक्शा बुक करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

दिल्ली ऑटो टैक्सी ट्रांसपोर्ट कांग्रेस यूनियन ने एग्रीगेटर्स से उचित भुगतान की मांग को लेकर दो दिवसीय हड़ताल का आह्वान किया था। यूनियन ने आरोप लगाया है कि मोटरसाइकिल टैक्सियों की शुरूआत के साथ ही कैब और ऑटोरिक्शा चालकों की आजीविका पर बुरा प्रभाव पड़ा है। दिल्ली और एनसीआर में 15 यूनियन हड़ताल कर रही हैं। यात्रियों ने दावा किया कि कुछ ऑटो चालक सामान्य किराए से अधिक किराया वसूल रहे हैं, जबकि कुछ निश्चित गंतव्यों पर जाने से इनकार कर रहे हैं। विनय कुमार ने कहा, मैंने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से जंगपुरा स्थित अपने घर तक पहुंचने के लिए एक ऐप पर ऑटो बुक करने की कोशिश की, लेकिन बुकिंग नहीं हो सकी।

मुंबई में बच्चे की कुकर्म के बाद हत्या में फरार आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। कमला मार्केट पुलिस ने मुंबई में बच्चे की कुकर्म कर हत्या कर फरार आरोपी को बुधवार को स्वामी श्रद्धानंद मार्ग (जीबी रोड) इलाके से गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान विपुल सिकंदरी के तौर पर हुई है। मुंबई पुलिस को इस गिरफ्तारी की सूचना दे दी गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने वर्ष 2012 में पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में अपनी पत्नी की हत्या की थी। वर्ष 2020 में कोविड के दौरान पैरोल मिलने पर वह छह माह तक स्वामी श्रद्धानंद मार्ग (जीबी रोड) इलाके में रहा। वह पैरोल जम्प कर मुंबई चला गया। इसी साल 28 जनवरी को उसने मुंबई के खरगंगा इलाके में 12 साल के बच्चे का अपहरण कर उसके साथ कुकर्म किया। फिर हत्या कर रेलवे ट्रैक पर शव फेंक दिया। आरोपी बचने के लिए देशभर के अलग-अलग हिस्सों में छिपता रहा। बुधवार को स्वामी श्रद्धानंद मार्ग (जीबी रोड) इलाके में हेडकांस्टेबल अंकुश एवं हेडकांस्टेबल शेखर ने उसे संदिग्ध हालत में देखा तो हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसके बाद मामले का खुलासा हुआ।

जन्माष्टमी पर 11 फीट ऊंचा बर्फ का शिवलिंग बनाया जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के गगन विहार स्थित श्री महाशक्ति दुर्गा मंदिर समिति एवं श्री साईं धाम मंदिर में 11 फीट ऊंचा बर्फ का शिवलिंग बनाया जाएगा। संस्था के विशिष्ट सहयोगी राजेश जैसवाल एवं मंदिर के मुख्य पुजारी अनिल कुमार झा ने बताया कि जन्माष्टमी का मुख्य आकर्षण बर्फ से बना 11 फुट ऊंचा शिवलिंग होगा। इसके अलावा बाल गोपालजी का भव्य दरबार व अलौकिक श्रृंगार के अलावा 56 भोग का प्रसाद होगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय राज्य मंत्री एवं पूर्वी दिल्ली के सांसद हर्ष मल्होत्रा शामिल होंगे।

बिजनौर के भीम सिंह को मिला विज्ञान श्री पुरस्कार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया सम्मानित

नई दिल्ली/बिजनौर/नजीबाबाद। नजीबाबाद कस्बे के पास पड़ने वाले ग्राम रहमापुर के मूल निवासी क्क्ळ दिल्ली के डॉ.भीम सिंह राजपूत को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विज्ञान श्री पुरस्कार से सम्मानित किया है। डॉ. भीम सिंह राजपूत को रवा राजपूत समाज के लोग बधाइयाँ दे रहे हैं। पूर्व कुलपति डॉ. बलवंत सिंह ने भी ने फेसबुक पर पोस्ट कर भीम सिंह को बधाई दी है। दरअसल शिक्षा के क्षेत्र में रवा राजपूत समाज में गांव लच्छीरामपुर बलवंत सिंह राजपूत और भीम

सिंह दोनों लोग अग्रणीय भूमिका निभाते रहे हैं। बलवंत सिंह जहां गढ़वाल और कुमाऊ यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर बने वहीं भीम सिंह दिल्ली आईआईटी में प्रोफेसर बन गए। रवा राजपूत समाज के लोग दोनों की अपनी अपनी खूबियां बताते रहते हैं। दोनों ही व्यक्ति जमीन से जुड़े रहे हैं। बलवंत सिंह ने जहां स्कूली जीवन में खेती का काम भी किया वहीं भीम सिंह के बारे में बताया जाता है जब उनके रिश्ते वाले आये थे वह बुग्गी में गन्ना भर रहे थे। इन दोनों ही महान लोगों पर समाज को गर्व है। रवा राजपूत समाज शिक्षा में अग्रणी माना जाता है।

फरीदाबाद में जमकर हो रहा चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन, नहीं हटे चुनावी पोस्टर

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद व बल्लभगढ़ में कई जगह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन सरेआम किया जा रहा है। चुनाव आयोग की गाइडलाइन के अनुसार 24 से 72 घंटे में सभी सरकारी बिल्डिंग और निजी इमारत से विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के होल्डिंग्स उतारने के आदेश दिए गए थे। इसके बावजूद अभी भी कई जगह शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हो रहा है।

फरीदाबाद के साथ-साथ बल्लभगढ़ में रेड लाइट चौक, पुराना पेट्रोल पंप, सेक्टर 3 बल्लभगढ़, दिल्ली मुंबई बड़ोदरा एक्सप्रेस वे फ्लाईओवर बल्लभगढ़, राजा नाहर सिंह गेट, बल्लभगढ़, घरों की दीवार, भगत सिंह कॉलोनी बल्लभगढ़, आरडब्ल्यूए गेट, सेक्टर 15 फरीदाबाद, ऑफीसर कॉलोनी, सेक्टर 15ए फरीदाबाद, अजरोंडा गांव मुख्य सडक, अग्रवाल धर्मशाला, बल्लभगढ़ तथा दिल्ली-मथुरा रोड फ्लाईओवर, बल्लभगढ़ आदि स्थानों पर नेताओं के पोस्टर और बैनर लगे है, जो सरेआम आचार संहिता की अवहेलना कर रहे है। डीडीपीओ प्रदीप कुमार का कहना है कि कई जगह टीम लगाकर होल्डिंग्स को उतरवाया जा रहा है, लेकिन अभी भी कई जगह आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत आ रही हैं। वहां दोबारा टीम भेज कर होर्डिंग्स को हटवाया जा रहा है। यदि इसके बावजूद भी उल्लंघन होता हुआ पाया गया, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ एक्ट के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि 16 अगस्त को चुनाव आयोग द्वारा चुनाव के तारीखों के ऐलान के बाद 24 घंटे के दौरान सरकारी कार्यालय से सरकारी पोस्टर और 24 घंटे से 72 घंटे के अंतराल में सभी अन्य स्थानों से भी नेताओं के पोस्टर-बैनर और होर्डिंग को हटवाना होता है। लेकिन इसके बावजूद भी शहर में जहां पर लोगों का आवागमन ज्यादा है।

एक नजर

घर में घुसकर जीजा साले के साथ मारपीट

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ईकोटेक वन कोतवाली क्षेत्र के घरबरा गांव में बहन के घर आए एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। तीन सगे भाइयों ने घर में घुसकर युवक पर हमला किया। पीड़ित के जीजा बीच बचाव के लिए आए तो उनके साथ भी मारपीट की। मामले में पीड़ित के जीजा ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मूलरूप से मेरठ के रहने वाले रंजीत सिंह ईकोटेक वन कोतवाली क्षेत्र के घरबरा गांव में परिवार के साथ किराये पर रहते हैं। रंजीत ने बताया कि उनके घर उनका साला आया हुआ था।

इस बीच मेरठ के ही रहने वाले तीन सगे भाई उनके घर में घुस आए और उनके साले सतवीर पर हमला कर दिया। रंजीत बीच बचाव करने पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट की गई। आरोपी मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। इसकी शिकायत रंजीत ने पुलिस से की है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि रंजीत की शिकायत पर आरोपी सगे भाई वंश, सनी और पंकज के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दसवीं की छात्रा को अगवा करने के दोषी को पांच वर्ष की कैद, 30 हजार जुमार्ने की सजा

नोएडा, एजेंसी। थाना दादरी क्षेत्र से दसवीं कक्षा में पढ़ने वाली एक छात्रा को अगवा करने के मामले में अदालत ने दोषी को बृहस्पतिवार को पांच साल की सजा सुनाई है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि अपर सत्र न्यायालय पास्को द्वितीय, सौरव द्विवेदी की अदालत में यह मामला चला। उन्होंने बताया कि 2017 में राजेंद्र नामक युवक ने थाना दादरी क्षेत्र में रहने वाली एक किशोरी को अगवा कर लिया था। वह दसवीं कक्षा में पढ़ती थी। पुलिस ने किशोरी को बरामद कर राजेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। प्रवक्ता के अनुसार, पुलिस ने अदालत में आरोपपत्र दायर किया। अदालत ने आरोपपत्र, लड़की की चिकित्सा जांच रिपोर्ट तथा अन्य दस्तावेज के आधार पर मामले की सुनवाई शुरू की तथा नौ लोगों से जिरह की गई। उन्होंने बताया कि राजेंद्र पर अपहरण का दोष साबित हुआ। उसे पांच वर्ष की कैद तथा 30 हजार रुपए जुमार्ने की सजा सुनाई गई है।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

नोएडा, एजेंसी। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर कंपोजिट विद्यालय पर्थला खंजरपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए कार्यशील मॉडल अंतरिक्ष यान और स्पेसशिप का निर्माण किया। कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साहपूर्वक क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया और कई प्रकार की गतिविधियों में हिस्सा लिया। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिका अर्चना पांडेय ने बच्चों को चंद्रयान और अंतरिक्ष विज्ञान से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। इस अवसर पर कार्यक्रम में प्राचार्य मंजू लता सिंह, सुगम शर्मा, रश्मि सिंह, और अशोक यादव ने भी बच्चों को अंतरिक्ष से जुड़ी नई-नई जानकारियां दीं।

बवंडर वॉरियर्स ने वंदे मातरम इलेवन को आठ विकेट से हराया

गाजियाबाद, एजेंसी। दीवान क्रिकेट ग्राउंड पर बवंडर वॉरियर्स ने गुरुवार को खेले गए मैच में वंदे मातरम इलेवन को आठ विकेट से हरा दिया।58 रन की तेज पारी खेलने वाले अचिंतय सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया। द्वितीय दीवान टी 20 क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन दीवान क्रिकेट ग्राउंड पर किया जा रहा है। गुरुवार को बवंडर वॉरियर्स और वंदे मातरम इलेवन के बीच मुकाबला खेला गया। मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय वंदे मातरम इलेवन के लिए सही साबित नहीं हुआ और पूरी टीम 18 ओवर में ही 116 रन पर ढेर हो गई।

अमित जोशी ने 30 एवं जगदीश ने 26 रन का योगदान दिया। विपक्षी टीम की तरफ से सतीश ने तीन एवं कपिल नगर ने दो विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बवंडर वॉरियर्स ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 9 ओवर में ही दो विकेट पर 118 रन बनाकर मैच जीत लिया।अचिंतय सिंह ने 58 रन की आक्रामक पारी खेली। वहीं राजकुमार बिश्नोई ने 33 रन बनाए। मैच में शानदार बल्लेबाजी करने के लिए अचिंतय सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

इस्कॉन मंदिर में श्रीकृष्ण जन्मकथा का आरंभ

नोएडा, एजेंसी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर शुक्रवार को सेक्टर -33 स्थित इस्कॉन मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण जन्मकथा का आरंभ किया गया। इसमें अमरावती महाराष्ट्र के अनंतशेष ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन किया इस्कॉन मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी अरुन सैनी ने बताया कि कथा का आयोजन 23 से 25 अगस्त तक किया जाएगा। कथा सबह 8 बजे से 9.30 बजे तक होगी। प्रत्येक दिन भक्तों ने भंडारे का आयोजन भी होगा।

फरीदाबाद : अवैध हथियारों सहित तीन युवक पुलिस ने दबोचे

फरीदाबाद, एजेंसी। अपराध शाखा सेक्टर-85 पुलिस की टीम ने तीन आरोपियों को अलग-अलग मुकदमों में अवैध हथियार सहित किया गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तीन देसी कट्टे बरामद किए है। पुलिस प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में टिंकू उर्फ लाला, अमित तथा अजीत का नाम शामिल है। तीनों आरोपी फरीदाबाद के डीग गांव के रहने वाले हैं।

अपराध शाखा की टीम ने गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी टिंकू को डीग आगरा कैनाल नहर पुल, अमित को सोतई मोड तथा आरोपी अजीत को मास्टर चौक चंदावली से अवैध हथियार सहित काबू किया। तीनों आरोपियों के कब्जे से एक-एक देसी कट्टा बरामद किया गया, जिस संबंध में थाना सदर बल्लभगढ़ में तीन अलग-अलग मुकदमे दर्ज करके पूछताछ की गई जिसमें सामने आया कि आरोपी टिंकू ने अन्य दोनों साथियों को देसी कट्टा सप्लाई किया था। मामले में गहनता से पूछताछ करने के लिए आरोपी टिंकू को अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा और अन्य दोनों आरोपियों को जेल भेजा जाएगा।

म्युचुअल फंड का पैसा दिलाने के नाम पर महिला से ठगी

एजेंसी। साइबर अपराधियों ने म्यूचुअल फंड का पैसा दिलाने के नाम पर महिला से एक लाख रुपये ठग लिए। महिला के पति का देहांत हो चुका है, जिसने म्यूचुअल फंड कराया था। पति ने महिला को नॉमिनी बनाया था। ठगी का पता लगने पर पीड़िता ने पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई। नंदग्राम पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर जालसाजों को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है। राजनगर एक्सटेंशन की अजनारा इंटीग्रिटी सोसाइटी में रहने वाली रचना राजपूत का कहना है कि उनके पति हेमंत कुमार का देहांत हो चुका है। उनके पति ने एक्सिस म्यूच्युअल फंड कराया था और उसमें उन्हें नोमिनी बनाया था। 24 अप्रैल को उनके पास अनजान नंबर से फोन आया। उसने पति के म्यूचुअल फंड के बारे में जानकारी दी और उसका पैसा उन्हें दिलाने की बात कही। रचना राजपूत के मुताबिक आरोपी ने उन्हें बातों में उलझाया और खाते संबंधी जानकारी जानकारी हासिल कर ली। इसके बाद आरोपी ने उनके खाते से एक लाख रुपये साफ कर दिए। ठगी का पता लगने पर पीड़िता ने साइबर अपराध हेल्पलाइन तथा नंदग्राम थाने में शिकायत दी। एसीपी नंदग्राम रवि कुमार सिंह का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस के ऐप से एफआईआर निकालकर ठगी करने वाले गिरोह का सरगना दबोचा

नोएडा, एजेंसी। सेक्टर-63 पुलिस ने उत्तर प्रदेश पुलिस के यूपी कॉप ऐप से एफआईआर निकालकर करीब 200 पीड़ितों से ठगी करने वाले गिरोह के सरगना को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। वह खुद को पुलिस अधीक्षक और जिला कलेक्टर बताकर मोबाइल से पीड़ितों को कॉल करता था। पुलिस ने उसका मोबाइल बरामद कर लिया है। उसको सिम उपलब्ध कराने वाले की तलाश की जा रही है। डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि सेक्टर-63 थाना क्षेत्र निवासी प्रदीप कुमार बीते दिनों अपनी पत्नी के साथ सब्जी खरीदकर कमरे पर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में बाले यादव ने प्रदीप और उसकी पत्नी से गाली गलौज करनी शुरू कर दी। विरोध करने पर बाले यादव ने प्रदीप के साथ मारपीट की। प्रदीप ने इसकी शिकायत सेक्टर-63 थाने की पुलिस से की। प्रदीप के पास कुछ दिन पहले अनजान नंबर से एक कॉल आई। कॉलर ने खुद को जिला कलेक्टर बताते हुए प्रदीप को एफआईआर संबंधी जानकारी दी। उसने कहा कि मामले में आरोपी की गिरफ्तारी कर उसे कम से कम छह महीने के लिए जेल भेजा जाएगा। अगर प्रदीप तुरंत तीन हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर दें तो पुलिस की गाड़ी आरोपी को दबोचने अभी निकल पड़ेगी। प्रदीप ने ऑनलाइन भुगतान करने से इनकार किया तो उसने गाली-गलौज की और केस में कोई

बाइक सवार बदमाशों ने महिला समेत चार का मोबाइल छीना

नोएडा, एजेंसी। शहर में अलग-अलग स्थानों से बदमाशों ने महिला समेत चार लोगों का मोबाइल लूट लिया। पीड़ितों ने संबंधित थाने में मामले की शिकायत की है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी की मदद से बदमाशों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। सेक्टर-113 पुलिस को दी शिकायत में आम्रपाली सिलिकॉन सिटी निवासी सौरभ सिंह ने बताया कि 16 अगस्त की रात अपनी बहन से मोबाइल पर बात कर रहे थे। इसी दौरान पीछे से बाइक सवार दो युवक आए और उनका आईफोन छीनकर फरार हो गए। बाइक सवार दोनों बदमाशों ने हेलमेट नहीं पहना हुआ था। वहीं, सेक्टर-12 निवासी अलिशा गहलौत ने सेक्टर-24 पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 21 अगस्त को जब वह जिम से अपने घर वापस लौट रही थी तभी रास्ते में मेट्रो चौराहे के पास बाइक सवार बदमाश ने उसका मोबाइल छीन लिया। मोबाइल में लगा सिम अभी भी चल रहा है। पीड़िता के मुताबिक, बाइक सवार जिस बदमाश ने उसका मोबाइल छीना है उसने लाल रंग की टोपी पहनी हुई थी।

माय क्लीन सिटी अभियान शुरू

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने माय क्लीन सिटी के नाम से विशेष अभियान शुरू किया है। एनजीओ के सहयोग से चलाए जा रहे इस अभियान के तहत टीम के सदस्य आवासीय सेक्टरों और बाजारों में जाकर कूड़ेदान के उपयोग, सिंगल यूज प्लास्टिक को कम करने आदि बिंदुओं पर युवाओं तथा बच्चों को जागरूक करने का काम कर रहे हैं। प्राधिकरण गंदगी फैलाने वालों पर कार्रवाई की भी तैयारी कर रहा है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की सख्ती के बाद स्वच्छता पर विशेष जोर दिया जा रहा है। शहर को साफ सुथरा बनाने के लिए प्राधिकरण की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जगह-जगह पर कूड़े के ढेर की समस्या से निजात पाने के लिए जागरूकता अभियान पर भी जोर दिया जा रहा है। माय क्लीन सिटी अभियान के तहत अब तक सेक्टर अल्फा-1, गामा-1, पी-3 आदि सेक्टरों के अलावा बाजारों में जागरूकता गतिविधियों को संचालित किया जा चुका है। लोगों को समझाया जा रहा है कि ठोस कचरा और सिंगल यूज प्लास्टिक को इधर-उधर न फेंके। यह ड्रेनेज सिस्टम को गंदा और अवरुद्ध कर सकता है। इससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। शहर को साफ सुथरा बनाने के लिए माय क्लीन सिटी अभियान चलाया जा रहा है। आवासीय सेक्टरों और बाजारों में जाकर लोगों को कूड़ेदान का उपयोग करने के प्रति जागरूक किया जा रहा है। लोगों से अपील की जा रही है कि इधर-उधर कूड़ा ने फेंके। इसके बाद भी इधर उधर कूड़ा फेंकने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

जिले में 13 स्थान डेंगू के लिए संवेदनशील

नोएडा, एजेंसी। जिले के 13 स्थान डेंगू के लिए संवेदनशील श्रेणी में रखे गए हैं। ग्रेटर नोएडा वेस्ट का पूरा इलाका संवेदनशील घोषित किया गया है। वहीं, नोएडा के भी पांच स्थान इस श्रेणी में हैं। इन स्थानों पर तीन या इससे ज्यादा डेंगू के मरीज मिले थे। मलेरिया विभाग ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट का पूरा इलाका, नोएडा का बरौला, सेक्टर-22, हरौला, सदरपुर, मोरना डेंगू के लिए संवेदनशील क्षेत्र माना गया है। इनके अलावा कासना, सूरजपुर, सबौता, मायचा, दुजाना, बंबावड़ और जेवर का एक और गांव संवेनशील माना गया है। वहीं, नोएडा के निठारी, सेक्टर-8, 9, सेक्टर-62, और 51 को डेंगू के संवेदनशील इलाकों से अलग कर दिया गया है। पिछले साल ये इलाके संवेदनशील क्षेत्र की श्रेणी में थे।

जिले में अब तक डेंगू के 11 मरीजों की पुष्टि की गई है। वहीं, मलेरिया के 34 मरीज मिले हैं। सभी इलाज के बाद स्वस्थ हो चुके हैं। जिला मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ति वर्मा ने बताया कि डेंगू के संवेदनशील क्षेत्र पर विशेष नजर रखी जाती है। इन स्थानों पर एक भी मरीज मिलने की स्थिति में तत्काल दवाओं का छिड़काव, मरीज की स्थिति, इलाज समेत अन्य पहलुओं की जानकारी भी शासन को देनी पड़ती है, ताकि डेंगू के मामलों को बढ़ने से रोका जा सके।

पिछले साल जिला डेंगू से सबसे ज्यादा प्रभावित रहा पिछले साल डेंगू का सबसे ज्यादा प्रभाव था। रिकॉर्ड 993 मरीजों की पुष्टि की गई थी। वहीं, 2000

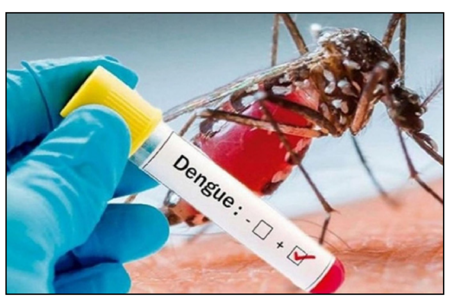

से ज्यादा संदिग्ध मरीज मिले थे, जिनकी जांच रैपिड किट से पुष्टि या डेंगू के लक्षण थे। ऐसे मरीजों की तबीयत जांच से पहले ठीक हो गई थी। 300 से ज्यादा मरीज तो सिर्फ ग्रेटर नोएडा वेस्ट के शहरी क्षेत्र में ही मिले थे। मच्छरों के लार्वा मिलने, जलभराव को लेकर सबसे ज्यादा जुमार्ना भी यहीं किया गया था। निगरानी समिति बनाई गई पिछले साल सितंबर, अक्तूबर और नवंबर में डेंगू के करीब 800 मरीजों की पुष्टि की गई थी। इस लिहाज से तीनों महीनों में विशेष निगरानी की जरूरत है। लिहाजा आने वाले दिनों में डेंगू के मरीजों में एकाएक वृद्धि देखी जा सकती है। लिहाजा जिले के सभी तहसील, ब्लॉक, नगर और गांवों में निगरानी समिति बनाई गई है, ताकि लार्वा को पनपने से रोका जा सके। 20 प्रतिशत बाहर के मरीज मलेरिया के अब तक 34 में से सात मरीज दूसरों जिले, राज्य या देश के हैं। दो मामले अफ्रीकी देशों के भी मिले हैं।

रेलवे में ठेकेदार की अपहरण के बाद हत्या, आरोपी गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर की थाना बीटा-दो पुलिस ने रेलवे में एक ठेकेदार को अगवा कर उसकी हत्या करने के आरोप में शुक्रवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) साद मियां खान ने बताया कि थाना बीटा-दो क्षेत्र की एक सोसाइटी में रहने वाले अंकुश (40) नौ अगस्त की रात से लापता थे। खान ने बताया कि उनके परिजन ने इस मामले में थाना बीटा-दो में मुकदमा दर्ज कराया था और घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही पुलिस ने सर्विलांस के माध्यम से तथा गोपनीय जानकारी के आधार पर प्रवीन नामक व्यक्ति को हिरासत में लिया। उन्होंने बताया

कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उसने अंकुश की हत्या कर शव थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में स्थित एक जंगल में फेंक दिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर शव बरामद कर लिया है और हत्या में प्रयुक्त हथौड़ा और कार आदि भी बरामद कर ली है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपी और अंकुश के बीच एक फ्लैट की खरीद को लेकर विवाद था। यह फ्लैट अंकुश का था और आरोपी उसे खरीदना चाहता था। उन्होंने बताया कि आरोपी को अदालत में पेश किया जा रहा है।

बस ने कार को दूर तक घसीटा, रिटायर्ड कमिश्नर और पत्नी घायल

गाजियाबाद, एजेंसी। कविनगर थानाक्षेत्र में बेकाबू बस ने कार में टक्कर मार दी। बस कार को काफी दूर तक घसीटते हुए ले गई, जिससे उसमें बैठे रिटायर्ड कमिश्नर और उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आरोपी चालक बस छोड़कर मौके से फरार हो गया। रिटायर्ड कमिश्नर के बेटे की शिकायत पर कविनगर पुलिस ने बस चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। नीतिखंड-दो इंदिरापुरम निवासी देवव्रत का कहना है कि उनके पिता ललित कुमार सिंह चौहान रिटायर्ड कमिश्नर हैं।

17 अगस्त की दोपहर करीब 12 बजे कार से दादरी की तरफ जा रहे थे। एनएच-नौ से लालकुआं से नीचे उतरते समय पीछे से तेज रफ्तार में आई बस ने कार में टक्कर मार दी। देवव्रत का कहना है कि बस कार को करीब 60 मीटर तक घसीटते हुए ले गई।

छात्रों को अंतरिक्ष के रहस्यों तथा भारत की उपलब्धियों से कराया रूबरू

गाजियाबाद, एजेंसी। जिल के स्कूलों में शुक्रवार को पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया। इस दौरान बच्चों को विज्ञान के रहस्यों से रूबरू कराया गया। चंद्रयान मिशन, मंगल मिशन, सूर्य मिशन आदित्य एल-1 आदि मिशनों के बारे में जानकारी दी गई। चंद्रयान मिशन के शुरू होने से लेकर सफलता हासिल करने तक को डॉक्यूमेंट्री से दिखाया गया। छात्रों में विज्ञान में दिलचस्पी पैदा करने और उनमें वैज्ञानिक सोच बढ़ाने के मकसद से जिले के स्कूलों में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया। इसके लिए पहले ही शासन ने सभी स्कूलों को निर्देश दिए थे।

इस दौरान स्कूलों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कविनगर स्थित प्राथमिक विद्यालय में छात्रों को चंद्रयान मिशन की सफलता को डॉक्यूमेंट्री से दिखाया गया। विज्ञान आधारित क्विज प्रतियोगिता भी हुई। इसमें छात्रों में भी उत्सुकता के साथ बढ़-चढ़कर भाग लिया। छात्रों का उत्साह कायम रखने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए छोटे-छोटे इनाम भी दिए गए। इसके अलावा गांधी नगर कंपोजिट स्कूल, प्राथमिक स्कूल सिहानी आदि स्कूलों में अंतरिक्ष दिवस पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। अंतरिक्ष में भारत की उपलब्धियों से कराया रूबरूः विजयनगर स्थित रोजबेल पब्लिक स्कूल में स्कूल में छात्रों को अंतरिक्ष में भारत की उपलब्धियों के बारे में बताया गया। चंद्रयान-3 की डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई। कार्यक्रम का उद्घाटन स्कूल की प्रधानाचार्य धर्मजीत कौर, डायरेक्टर बलप्रीत सिंह व यशमीत सिंह ने किया। प्रधानाचार्य धर्मजीत कौर ने बताया कि इस वर्ष की थीम चंद्रमा को छूते हुए जीवन को छूनाः भारत की अंतरिक्ष गाथा रखी गई। डायरेक्टर बलप्रीत सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाने का मकसद बच्चों, युवाओं तथा सभी लोगों को अंतरिक्ष में भारत की उपलब्धियों से अवगत कराना है। भारत ने चंद्रयान-3 के जरिए चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर पहुंचकर इतिहास रच दिया है। भारत की यह उपलब्धि देश को विश्व का सबसे विकसित देश बनाने में अहम योगदान देगी। 23 अगस्त को ही भारत ने फतह किया था चंद्रयान-3 मिशनः पिछले साल अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत को मिली अभूतपूर्व सफलता के उपलक्ष्य में ही राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया।

बीते साल 23 अगस्त 2023 में ही भारत ने चंद्रयान-3 के जरिए चांद के दक्षिणी ध्रुव को फतह किया था। ऐसा करने वाला भारत पहला देश था।

फाइनेंस कंपनी के लाखों रुपये लेकर फील्ड आफिसर फरार

मोदीनगर, एजेंसी। एक फाइनेंस कंपनी के लाखों रुपये लेकर तीन फील्ड आफिसर फरार हो गए। कंपनी के द्वारा कॉल करने पर आरोपियों ने रुपये लौटाने से इनकार कर दिया। पुलिस उपायुक्त के आदेश पर मोदीनगर थाने में तीन आरोपियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज हुई है।

भारत फाइनेंसियल इनफ्लूजन कंपनी के मोदीनगर ब्रहमपुरी शाखा प्रबंधक जोनू सिंह के अनुसार, उनकी कंपनी महिलाओं को रोजगार के लिए लोन देने का काम करती है। जिनसे साप्ताहिक किस्त ली जाती है। लोन दिलाने और किस्त के लिए कंपनी की तरफ से तीन फील्ड आफिसर अनिकेत निवासी गांव मुकीमपुर थाना भोजपुर, नरेश कुमार निवासी बदरपुर दिल्ली और सौरव तोमर निवासी बागपत है। आरोप है कि तीनों आरोपियों ने लोन की किस्त महिलाओं से एकत्रित की और कंपनी में रुपया जमा नहीं किया गया। आरोपी पिछले कई माह से इसी तरह कर रहे है।

गवाही देने पर बदमाशों ने तोड़ा युवक का पैर

फरीदाबाद, एजेंसी। अपने दोस्त के जमीनी विवाद में युवक को गवाही देना भारी पड़ गया। घर से ड्यूटी जा रहे बल्लभगढ़ के विष्णु कॉलोनी निवासी शाहिद खान को गली के कोने पर पकड़ कर दूसरे पक्ष के बदमाशों ने लोहे की रोड और हथौड़े से मारकर पैर तोड़ दिया। शुक्रवार सुबह जब 35 वर्षीय शाहिद ड्यूटी के लिए घर से निकला तो पहले से ही हाथों में लोहे की रोड और हथौड़ा लेकर खड़े 6 से 7 बदमाशों ने शाहिद के साथ पहले गाली-गलौज की। फिर उसे नीचे गिराकर उसके पैरों पर हमला किया। जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना पुलिस और घायल शाहिद के परिजनों को आस पास के लोगों ने दी। मौके पर पहुंचे परिजन और पुलिस ने घायल शाहिद को अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू कर उसके पैर पर प्लास्टर किया। घायल शाहिद के साथ आए दोस्त रूप सिंह ने बताया कि उसके प्लॉट पर पिछले चार साल से कोर्ट में केस चल रहा है। पड़ोस में ही रहने वाले कुछ बदमाश तरीके के लोग उस पर कब्जा करना चाहते हैं। जिसके बाद यह मामला कोर्ट में चला गया, क्योंकि शाहिद उस प्लॉट के पास रहता है, तो इसलिए शाहिद की गवाही कोर्ट ने ली थी। इसी वजह से कई बार दूसरे पक्ष के लोग इस तरीके का हमला करवा कर डराने की कोशिश करते रहे।

जिसकी शिकायत कई बार पुलिस को दी, लेकिन पुलिस और कुछ राजनीतिक लोगों के दबाव की वजह से हर बार समझौता करवा दिया जाता था। 15 दिन पहले भी दूसरे पक्ष के साथ फिर से झगड़ा हुआ था। यह बात थाने तक पहुंची, वहां पर फिर से कुछ लोगों द्वारा समझौता करवा दिया गया। लेकिन आज फिर सुबह 9 बजे जब मेरा दोस्त शाहिद घर से ड्यूटी के लिए निकला। बीच रास्ते में गली के कोने पर, दूसरे पक्ष के 6 से 7 बदमाशों ने लोहे की रोड और हथौड़े से मार कर उसका पैर तोड़ दिया।

संक्षिप्त खबरें

स्कूल में कक्षा चार की छात्रा को क्लासरूम में बंदकर प्रिंसिपल ने किया बैड टच, ग्रामीणों ने की धुनाई

मेरठ। मेरठ के मवाना थानाक्षेत्र के प्रीत नगर स्थित कंपोजिट विद्यालय के प्रधानाचार्य पर कक्षा चार की छात्र के साथ कमरा बंद कर अश्लील हरकत करने की शिकायत पर परिजनों ने स्कूल में पहुंचकर प्रधानाध्यापक की धुनाई कर डाली। जानकारी के अनुसार प्रीत नगर में कंपोजिट विद्यालय स्थित है। इस विद्यालय में प्रधानाध्यापक के पद पर जमाल कामिल तैनात है। प्रधानाध्यापक पर कक्षा चार की छात्र के अभिभावकों ने आरोप लगाया कि प्रधानाध्यापक ने उनकी बेटी को क्लासरूम में बंद कर उसके साथ अश्लील हरकत की। बच्ची के शोर मचाने पर कमरा खोला, जिसके बाद लड़की ने परिजनों को जानकारी दी। जानकारी पर परिजनों ने स्कूल पहुंचकर हंगामा किया। परिजनों ने प्रधानाध्यापक की धुनाई कर डाली। वहीं इस संबंध में प्रधानाध्यापक का कहना है कि आरोप झूठे हैं। उसने तीन छात्रों को नाखून काटने के लिए बुलाया था।जब उससे पूछा गया कि क्या नाखून काटने का कोई आदेश शासन की ओर से है तो वह कोई जवाब नहीं दे सका।

गोरखपुर की गाड़ी से नेपाल के लिए निकले थे महाराष्ट्र के पर्यटक, चालक समेत 10 लापता

गोरखपुर। महाराष्ट्र के लोगों का एक दल गोरखपुर से नेपाल तीर्थ और पर्यटन के लिए गया था। केशरवानी ट्रेवल्स की एक बस और दो वोल्वो से ये सभी यात्री नेपाल के लिए गोरखपुर के निकल थे। कल रात में पोखरा से काठमांडू के लिए जा रहे थे। नेपाल के मुगलिंग से पांच किलोमीटर पहले ये हादसा हो गया। हादसे में मृतकों के शव को नेपाली प्रशासन खोज रही है। कुछ शव के मिलने की सूचना है। बताया जा रहा है कि 15 शव अभी तक नदी से निकाले जा चुके हैं। चालक समेत 10 लोग लापता हैं। सभी यात्रियों के साथ चालक की तलाश की जा रही है। साथ चल रही वोल्वलो के यात्री सकुशल हैं।

तनाहुन के एसपी बीरेंद्र शाही ने बताया कि मार्सयांगडी अंबुखैरेनी ग्रामीण नगर पालिका के वार्ड नंबर-2 स्थित ऐन पहरा के पास नदी में बस गिर गई। स्थानीय पुलिस कार्यालय के निरीक्षक अबू खैरेनी मौके पर पहुंच गए हैं। सेना और सशस्त्र बलों को सूचित कर दिया गया है। पोखरा से काठमांडू जाने वाली बस में 42 यात्री सवार थे। पुलिस राहत बचाव में जुटी है।

जिला पुलिस कार्यालय तनहुन के डीएसपी दीपकुमार राया ने पुष्टि की, वढ ऋछ 7623 नंबर प्लेट वाली बस नदी में गिर गई है। उत्तर प्रदेश के राहत आयुक्त ने कहा है कि नेपाल की घटना के संबंध में हम संपर्क स्थापित कर यह पता लगा रहे हैं कि क्या इसमें प्रदेश का कोई व्यक्ति शामिल है।

विद्युत लाइन पर गिरा पेड़, टूटा बिजली पोल, ट्रांसफार्मर गिरने से टूटी दीवार

हाथरस। सादाबाद के गांव रमचेला में बारिश की नमी के कारण गांव निवासी चंद्रपाल सिंह के नोहरे में एक बबूल का पेड़ ऊखड़ कर वहां से गुजरने वाली बिजली की लाइन पर गिर पड़ा । उस लाइन के पोल पर 25 केवी ट्रांसफॉर्मर रखा हुआ था । लाइन पर पेड़ गिरने से वह पोल भी टूट गया और ट्रांसफार्मर दीवार के ऊपर गिर पड़ा । नौहरे में पशु बंधे हुए थे । इनमें दो पशुओं के चोट आई हैं । गनीमत यह रही कि पोल एवं ट्रांसफार्मर गिरने के समय उनके पास कोई व्यक्ति नहीं था । पोल एवं ट्रांसफार्मर गिरने से गांव की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई है। ग्राम पंचायत प्रधान ने बिजली विभाग से लाइन सही कर बिजली चालू करने को कहा है, साथ ही ट्रांसफार्मर को किसी अन्य स्थान पर लगाए जाने के लिए भी कहा है।

कन्हैया को सजाने-संवारने को बाजार में आई पोशाकें, मुकुट और बांसुरी से सजी दुकानें

शाहजहांपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व 26 अगस्त को मनाया जाएगा। इसको लेकर घरों व मंदिरों में तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। शाहजहांपुर के बाजार में भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को सजाने-संवारने के लिए सुंदर पोशाकें, चांदी के पालने, मुकुट तथा बांसुरी आदि बाजार में आ चुकी हैं। जिसकी दुकानें सजने लगी हैं। शहर के सदर बाजार, बहादुरगंज, चौक तथा जलालनगर स्थित बाजारों में सजावटी व पूजन सामग्री की बड़ी दुकानें स्थित हैं। इनके साथ ही सड़क के किनारे छोटी-छोटी दुकानें लग रही हैं। जिन पर भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को लेकर पोशाक समेत श्रृंगार सामग्री उपलब्ध है।

पोशाकों की कीमत

दुकानदारों के मुताबिक, लड्डू गोपाल के वस्त्र 10 रुपये लेकर 2000 रुपये तक उपलब्ध हैं। इसके साथ ही अष्टधातु से बने वस्त्रों की कीमत 3100 से 5100 रुपये तक है। ज्यादातर भगवान कृष्ण के प्रिय पीले रंग के वस्त्रों की मांग रहती है। इसको ध्यान में रखकर छोटे से लेकर बड़े साइज तथा निम्न से उच्च गुणवत्ता वाले वस्त्र लाए हैं। इनके साथ ही कान्हा के लिए झूलों की कई वैरायटी आई हैं। इनकी कीमत 100 से 5000 रुपये तक है। बाजारों में लड्डू गोपाल के लिए लकड़ी, स्टील, पीतल वाले तथा मोतियों से सुसज्जित आकर्षक झूले आए हैं। इसके अलावा लड्डू गोपाल के श्रृंगार कंगन, मालाएं, मुकुट, मोरपंख, बांसुरी की भी उपलब्ध हैं।

बच्चों के लिए राधा-कृष्ण की ड्रेस कर रहीं आकर्षित

कृष्ण जन्मोत्सव पर बच्चों को कृष्ण और राधा बनाने के लिए कान्हा और राधा की ड्रेस भी आई हैं, जोकि लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। कान्हा ड्रेस पीले रंग में है। इसकी कीमत 150 से 600 रुपये तक है।

राधा की ड्रेस 200 से 1000 रुपये तक बिक रही है। राधा की ड्रेस पीले, रंग-बिरंगी, गुलाबी रंग में हैं। सदर बाजार स्थित दुकानदार निखिल ने बताया कि जन्माष्टमी के लिए लड्डू गोपाल के वस्त्रों और श्रृंगार की खरीदारी शुरू हो गई है।

मुंबई में सुभासपा का राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न, राजभर का ऐलान- महाराष्ट्र में लड़ेंगे विधानसभा चुनाव

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई स्थित भारतरत्न गान सम्राज्ञी लता मंगेशकर नाट्यगृह में 22 अगस्त को संपन्न हो गया। पार्टी ने इस अधिवेशन में कई महत्वपूर्ण राजनैतिक और सांगठनिक फैसले लिए। पार्टी ने अगले कुछ महीनों में विभिन्न राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में मजबूती से उतरने का फैसला लिया। साथ ही, पार्टी ने संगठन को चुस्त करने और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कई सांगठनिक प्रस्तावों को भी मंजूरी दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि महाराष्ट्र में 288 सीट हैं और इनमें 48 प्रतिशत उत्तर भारतीय महाराष्ट्र की राजनीति में मजबूत दखल रखते है जिस तरफ होते है उधर पलड़ा भारी रहता है, बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय होने के बाद भी राजनीति में उनकी भागीदारी नहीं हो पाई है। उन्हें संगठन में वोट दिलाने के लिए रखा जरूर जाता है, लेकिन विधानसभा और लोकसभा में उन्हें भागीदारी नहीं दी जाती है। राजभर ने कहा कि अब समय आ गया है अपने उत्तर भारतीयों की ताकत को सुभासपा के साथ जोड़कर दिखाने का।

ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि राष्ट्रीय अधिवेशन में कई राज्य के पदाधिकारी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अधिवेशन में महाराष्ट्र के विभिन्न जातियों के सगठनों के प्रतिनिधियों से संवाद हुआ। उन्होंने दावा किया कि विधान सभा चुनाव में सुभासपा मजबूती से चुनाव लड़ेगी और विधान सभा में दलित- पिछड़ों की मजबूत आवाज बनेगी। ओमप्रकाश राजभर ने राष्ट्रीय अधिवेशन में सपा- बसपा सहित विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि ये लोग केवल दलित पिछड़ों के नाम पर राजनीतिक रोटी सेकते हैं, लेकिन जब उन्हें हक देने की बात आती है तो पीछे हट जाते हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने कमजोरों को आरक्षण देने की बात कही थी। सपा और बसपा पूंजीपतियों के बेटा- बेटी और आईएएस, डॉक्टर, इंजीनियर, डीएम, पीसीएस के बेटा को अफसर बनाना चाह रहे हैं, जबकि माननीय उच्चतम न्यायालय ने अतिदलितों, अति पिछड़ों, वंचित वर्गों को आरक्षण देने की वकालत की है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी माननीय उच्चतम न्यायालय के फैसले के साथ है। उन्होंने कहा कि विपक्षी सिर्फ दलित-पिछड़ों का हक लूटने में लगे हैं, जबकि सुभासपा समाज के हर वर्गों को उसका हक - हिस्सा दिलाने में लगी है।

पार्टी के मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता अरुण राजभर ने बताया कि दलित-पिछड़ों के सामाजिक, राजनैतिक व आर्थिक उत्थान के लिए सदैव चिंतित रहने वाले हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश राजभर जी के नेतृत्व में सुभासपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में बिहार, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, झारखंड में विधानसभा चुनाव चुनाव लड़ने के अलावा संगठन की संरचना को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए। उन्होंने कहा कि पार्टी दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड आदि राज्यों में गठबंधन न होने की स्थिति में पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव अकेले दम पर लड़ने का फैसला लिया है।

उन्होंने बताया कि अब प्रत्येक महीने की 1 तारीख को प्रदेश (पूर्वांचल, पश्चिमांचल, बुंदेलखंड और मध्यांचल) की बैठक होगी। प्रत्येक महीने की 5 तारीख को जनपदस्तरीय संगठन की बैठक होगी एवं प्रत्येक महीने की 10 तारीख को विधानसभा स्तर की बैठक होगी। एवं प्रत्येक महीने की 15 तारीख को ब्लॉक स्तर की बैठक होगी।

हर महीने 10 दिनों तक चलेगा जनचौपाल कार्यक्रमः राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता ने बताया कि प्रत्येक महीने 17 तारीख से 27 तारीख तक जनचौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इससे पहले प्रत्येक महीने 3 तारीख से 16 तारीख के मध्य समस्त विंगों के पदाधिकारी गांव-गांव में जाकर सदस्यता अभियान चलाएंगे।

जिला संगठनः अधिवेशन में ज़िले का संगठन संरचना का प्रस्ताव पास किया गया, जिसमें अध्यक्ष, प्रमुख महासचिव, संगठन मंत्री, कोषाध्यक्ष, मीडिया प्रभारी, सूचना मंत्री, 7 उपाध्यक्ष और 7 महासचिव, 7 सचिव बनाने का प्रस्ताव पास हुआ।

सेक्टर कमेटी बनेगीः सेक्टर कमेटी का बनाने का प्रस्ताव पास हुआ...ग्राम कमेटीः ग्राम कमेटी बनेगी जिसमें सलाहकार, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, संगठन मंत्री, प्रचार मंत्री, कोषाध्यक्ष जैसे पदों पर संगठन बनाने का प्रस्ताव पास हुआ।

मुख्य रूप से बैठक में :डा०अरविंद राजभर, अरुण राजभर, रामदहीन पासवान ,रुद्रप्रताप सिंह,शिवेंद्र बहादुर सिंह,रामाश्रय पासवान,रामदाश राजभर,अमरजीत बिंद ,फागू सिंह,पतिराम राजभर,कालूराम प्रजापति,अशोक अग्रवाल,इजहार अली,बेदी राम, शक्ति सिंह, रामललित चौधरी, हीरा राजभर, उमाशंकर राजभर,लक्ष्मी राजभर, राजमती निषाद,रामपाल मांडी आदि उपस्थित रहे संचालन डॉ संतोष पाण्ड्ये ने किया।

काजी का निकाह पढ़ाना शरीयत का मामला सियासत न करें', बोले मौलाना शहाबुद्दीन

बरेली। निकाह को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा के बयान पर सुन्नी बरेलवी उलमा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि काजी का निकाह पढ़ाना शरीयत का मामला है। इसमें मुख्यमंत्री सियासत न करें। वह मुसलमानों के मामले में कम बयान दें तो अच्छा है। असम के मुख्यमंत्री के काजी अब निकाह नहीं पढ़ाएंगे, बल्कि रजिस्ट्रेशन कराने का कानून बनाया जाएगा वाले बयान पर मौलाना शाहबुद्दीन ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री रोजाना ऐसे बयान और कानून लाने की बात करते हैं जो मुसलमानों के खिलाफ हैं। निकाह की जगह रजिस्ट्रेशन वाले कानून लाने पर मुस्लिम लड़के और लड़कियों को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

'असम के मुसलमानों को परेशान किया'...उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम से मुसलमानों को प्रताड़ित किया। फिर 1200 मदरसों की मान्यताएं खत्म की और उन मदरसों का मदरसे का दर्जा खत्म करके उन्हें स्कूल में तब्दील कर दिया। एनआरसी के नाम से असम के मुसलमानों को परेशान किया गया। अब इस जुल्म को मुसलमान सहन नहीं कर सकता है। मौलाना ने केंद्र और राज्य की अन्य सरकारों से अपील करते हुए कहा कि हम चाहते हैं कि वह लोग मजहबी मामलात में हस्तक्षेप न करें।

अयोध्या में हुए विकास के लिए योगी-मोदी की तारीफ करने पर दिया तीन तलाक

बहराइच। अयोध्या में हुए विकास को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करने पर एक महिला के पति ने उसे तीन तलाक दे दिया और तरह-तरह से प्रताड़ित किया। महिला की शिकायत पर पति व ससुरालीजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

बहराइच के जरवल नगर पंचायत के मोहल्ला सराय निवासी मरियम ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनकी शादी 13 दिसंबर, 2023 को अयोध्या जिले के कोतवाली नगर के मोहल्ला दिल्ली दरवाजा के अरशद के साथ हुई थी। आरोप लगाते हुए बताया कि उन्होंने तीन महीने पहले अपने पति से अयोध्या की खूबसूरती के बारे में योगी व मोदी की तारीफ की थी। जिसके चलते पति ने मायके भेज दिया था। दोबारा जब ससुराल पहुंची तो पति ने उनका गला दबाया जिससे, वह बेहोश हो गईं। साथ ही गर्म दाल चेहरे पर फेंक दी, जिससे वह झुलस गईं। यही नहीं तीन तलाक देते हुए मारपीट कर भगा दिया।

थानाध्यक्ष जरवलरोड बृजराज प्रसाद ने बताया कि पीड़िता मरियम की तहरीर पर पर पति अरशद, सास रईशा, ससुर इस्लाम, ननद कुलसुम, देवर फरान व सफाक, देवरानी सिमरन समेत आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पटाखा फैक्टरी में लगी आगः भगदड़ मचने से कई महिलाएं घायल

कांठ मुरादाबाद। कांठ क्षेत्र में स्थित एक पटाखा फैक्टरी में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। आग से फैक्टरी में काम कर रहे दो युवक और एक एक किशोर बुरी तरह से झुलस गए। वहीं, भगदड़ होने से फैक्टरी में काम कर रही कई महिलाएं भी घायल हो गईं। फैक्टरी में काम करने वाले लोगों ने जैसे-तैसे आग पर काबू पाया।

पुलिस ने गंभीर रूप से झुलसे एक युवक को जिला अस्पताल के लिए रेफर कराया है। जबकि अन्य झुलसे और घायलों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। पुलिस ने तहरीर पर एफआईआर दर्जकर फैक्टरी मालिक साजिद को हिरासत में ले लिया है।

कांठ नगर के मोहल्ला पटेगंज निवासी मोहम्मद साजिद की पत्नी रेशमा परवीन के नाम से कस्बे से बाहर चेतरामपुर मार्ग पर लाइसेंसी पटाखा फैक्टरी और गोदाम है। बृहस्पतिवार को दिन के करीब 11 बजे फैक्टरी में कुछ लोग पटाखे बनाने का कार्य कर रहे थे।

अचानक फैक्टरी में आग लग गई। कोई कुछ कर पाता, इससे पहले पटाखों ने आग पकड़ ली और आग ने विकराल रूप ले लिया। फैक्टरी में काम कर रहे लोगों की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। लेकिन आग को देखकर कोई भी हिम्मत नहीं जुटा पाया।

हादसे में उस्मान (44) पुत्र बाबू, अमन (16) पुत्र परवेज निवासी मोहल्ला पटेगंज और राकेश उर्फ छंगा (45) पुत्र मोतीलाल निवासी मोहल्ला पट्टीवाला बुरी तरह से झुलस गए। वहीं भगदड़ मचने से प्रिया, रेनू, सोनी निवासी महमूदपुर माफी सहित कई महिलाएं घायल हो गईं।

मौके पर मौजूद फैक्टरी कर्मी और लोगों ने जैसे-तैसे आग पर कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया। झुलसे और घायलों को उपचार के लिए अस्पतालों में भर्ती कराया। सीएचसी से गंभीर झुलसे उस्मान को चिकित्सकों ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक योगेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि इस मामले में झुलसे राकेश के बेटे की ओर से रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

थाने में ऐसे करता था वसूलीः खनन, नशा, जुआ-सट्टा, सब में इंस्पेक्टर रामसेवक का पत्ता, विधायक का है रिश्तेदार

बरेली। बरेली के फरीदपुर थाने का इंस्पेक्टर रामसेवक हर प्रार्थना पत्र पर सिपाहियों से वसूली करा रहा था। थाने के समानांतर इंस्पेक्टर अपना एक अलग थाना चलाता था। खनन, नशा, जुआ-सट्टा सब में इंस्पेक्टर का हिस्सा तय होता था। उसने दो स्मैक तस्करों को छोड़ने के एवज में सात लाख रुपये रिश्वत ली थी। एसएसपी के निर्देश पर एसपी दक्षिणी ने थाने में छापा मारा, तब इंस्पेक्टर के काले कारनामे सामने आए। स्मैक तस्करों से वसूली की बड़ी कमाई के लिए खास स्टाफ को इंस्पेक्टर ने अलग से जिम्मेदारी दी गई थी। थाने में दिनभर दलालों का जमावाड़ा लगा रहता है। सिपाही थाने में ही पंचायत लगाकर आरोपियों से वसूली कर पीड़ित को धमकाकर फैसला कराते थे।

थाने में आने वाले हर प्रार्थनापत्र की जांच बीट सिपाहियों से कराई जाती थी। इससे हल्का दरोगा भी इंस्पेक्टर से नाराज रहते थे। दरोगा अपनी पीड़ा कुछ लोगों से बयां भी करते कि इंस्पेक्टर हर शिकायत पर सिपाहियों से वसूली कराता है। इंस्पेक्टर के फरार होने के बाद नगर के लोगों में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

तस्करों को संरक्षण देने का भी आरोप...स्मैक तस्करों की बात करें तो कुछ समय से फरीदपुर थाना प्रभारी पर उन्हें संरक्षण देने का आरोप लग रहा था। पढ़ेरा, बेहरा, मोहनपुर, मोहल्ला ऊंचा, भूरे खां गौंटिया, मोहल्ला मिर्धान के कुछ लोग लगातार स्मैक तस्करी करते हैं। फरीदपुर पुलिस को जानकारी के बाद भी उन पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती थी। सूत्रों के अनुसार जिन बीट सिपाहियों को स्मैक तस्करों से महीना वसूली की जिम्मेदारी दी जाती थी, उनकी बाकी शिकायतें और लापरवाही भी दरकिनार की जाती थी।

इस तरह चल रही थी वसूली...चर्चा है कि इंस्पेक्टर रामसेवक के राज में कई और भी गलत धंधे चल रहे थे। रात में खनन भी पुलिस संरक्षण में होता था। बिना अनुमति खनन करने के बदले फरीदपुर इंस्पेक्टर दस हजार रुपये प्रति रात के हिसाब से रिश्वत लेता था। इस रकम में भी नीचे का स्टाफ बंटवारा करता था।

फरीदपुर से गुजरने वाली जयपुर-दिल्ली वाली डबल डेकर बसों से थाने का महीना बंधा बताया जा रहा है। इन बसों से स्मैक, अफीम, गांजा तक की सप्लाई की जाती है। दो बार फरीदपुर पुलिस ने भी इन बसों से गांजा जाते हुए पकड़ा। नगर में कई जगह ऑनलाइन सट्टा लगता है। मोहल्ला परा समेत नगर में कुछ जगह बड़ा जुआ होता है, जिसमें बड़े जुआरी दूर दूर से जुआ खेलने आते हैं। यह भी पुलिस की जानकारी में होता है।

विधायक का रिश्तेदार...मर्जी से चलाता था थाना...इंस्पेक्टर रामसेवक सत्तापक्ष के एक विधायक का नजदीकी रिश्तेदार होने की वजह से पूरी दबंगई से थानेदारी करता था। वह लगातार थाने के चार्ज पर रहा। थानों में अपनी सहूलियत के हिसाब से तैनाती भी पा लेता था। रामसेवक हरदोई के सुरसा थाना क्षेत्र के गांव पीपरपाली का रहने वाला है। पुलिस की नौकरी में उसने काफी संपत्ति बनाई है। बताते हैं कि उसने लखनऊ में आलीशान कोठी बना रखी है, वहां पत्नी व बच्चे रहते हैं। गांव में भी उसकी संपत्ति कई गुना बढ़ गई है। पिछले साल नवंबर से वह फरीदपुर कोतवाली में तैनात था। लखनऊ हाईवे किनारे का यह थाना चर्चित है, जो जिले में फतेहगंज पश्चिमी के बाद स्मैक तस्करी के लिए सबसे बदनाम है। लखनऊ और हरदोई से नजदीकी और कमाई की वजह से रामसेवक ने जुगाड़ करके अपनी तैनाती फरीदपुर थाने में कराई थी। पीलीभीत जिले के ही एक विधायक उसके रिश्तेदार हैं जिनकी कृपा से वह बरेली जिले में भी थानेदारी कब्जाए हुए था।

तीनों आरोपियों से मांगे थे 15 लाख...फरीदपुर पुलिस ने स्मैक तस्करी के आरोप में नवदिया अशोक गांव के जिन तीन आरोपियों को पकड़ा, उनमें आलम, नियाज व अशनूर शामिल थे। आलम अपनी ननिहाल नवदिया अशोक में रहता है। फरीदपुर बड़ा बाईपास पर आलम के नाना का समनानी मुस्लिम ढाबा है।

ढाबे को आलम ही संचालित करता है। सूत्रों के मुताबिक अशनूर ने बताया कि इंस्पेक्टर ने तीनों व्यक्तियों को छोड़ने के लिए 15 लाख रुपये की मांग की थी। फिर साढ़े दस लाख रुपये में बात हो गई थी। सात लाख रुपये लेकर दो तस्करों को छोड़ दिया।

तलाशी में मिले 9.85 लाख रुपये ...एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि एसपी दक्षिणी ने इंस्पेक्टर के आवास की तलाशी ली। यहां एक जगह सात लाख रुपये तो दूसरी जगह से करीब 2.85 लाख रुपये बरामद किए गए। इंस्पेक्टर की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गई हैं।

सेहत के लिए खतरनाकः छह महीने से सेलखड़ी मिले आटे की रोटियां खा रहा था आधा अलीगढ़

अलीगढ़ अलीगढ़ महानगर में लोगों की सेहत के साथ बड़ा खिलवाड़ किया जा रहा था। अलीगढ़ के लोग जिस पंचवटी गोल्ड आटे की रोटियां पिछले छह महीने से खा रहे थे वह प्रयोगशाला से जारी रिपोर्ट के मुताबिक बेहद खतरनाक मिला है। इसमें सेलखड़ी पाउडर की मिलावट मिली है। सेलखड़ी पाउडर का प्रयोग आटे की मात्रा बढ़ाने के साथ साथ सफेदी लाने के लिए किया जा रहा था। प्रशासन की टीम ने 25 जुलाई को फैक्टरी पर छापा मारकर आटा जब्त किया था और सैंपल लेकर जांच को भेजे थे। जांच में यह आटा सेहत के लिए खतरनाक बताया गया है।

दरअसल 25 जुलाई को खाद्य सुरक्षा विभाग की मंडलीय टीम ने तालानगरी में बिना लाइसेंस संचालित केके इंडस्ट्रीज आटा फैक्टरी पर छापा मारा था। यहां पर पंचवटी गोल्ड ब्रांड के नाम से आटा तैयार किया जा रहा था, जिसमें आटे में सेलखड़ी मिलाई जा रही थी। डीएम विशाख जी. से इसकी शिकायत की गई थी। जिस पर डीएम ने तत्काल टीम को कार्रवाई के निर्देश दिए थे। टीम ने यहां से 13 कुंतल आटा व आठ कुंतल सेलखड़ी पाउडर जब्त किया था। फैक्टरी को सील कर दिया गया था। यहां से आटे और सेलखड़ी के सैंपल लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला को भेजे गए थे। अब प्रयोगशाला से जारी रिपोर्ट के मुताबिक आटे व सेलखड़ी के नमूने असुरक्षित मिले हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से फैक्टरी संचालक अरशद शाह को नोटिस जारी किया गया है और उसके खिलाफ एसीजेएम कोर्ट में वाद दायर किया जाएगा।

फैक्टरी मालिक ने बताया था कि 6 माह से बना रहे आटा...25 जुलाई को जब खाद्य सुरक्षा विभाग की मंडलीय टीम ने छापा मारा था तब फैक्टरी मालिक अरशद ने पूछताछ में मंडलीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी अजय जायसवाल को बताया था कि वह 6 माह से फैक्टरी चला रहा है। क्योंकि मौके पर 8 कुंतल सेलखड़ी पाउडर मिला था। अफसरों का भी मानना है कि छह माह से मिलावटी आटा शहर में बेचा जा रहा था।

शहर में यहां-यहां होती थी ऑटे की बिक्री...तालानगरी, हरदुआगंज, क्वार्सी, असदपुर क्यामपुर, एटा चुंगी रोड, नौरंगाबाद, स्वर्ण जयंती नगर, रामघाट रोड, दुबे का पड़ाव, महावीरगंज, बारादरी, भुजपुरा, सासनी गेट, जमालपुर, मेन रोड बाइपास, शाहजमाल ईदगाह, तालसपुर, देवसहनी, शुकरावली, दरियापुर, बरौठा, साधु आश्रम, बड़ा गांव, उखलाना, जवां और रामपुर। यह उन इलाकों के नाम हैं जो फैक्टरी से जब्त रजिस्टर में अंकित थे।

अलीगढ़ के नामी ब्रांड में से एक था पंचवटी गोल्ड...यहां आटे के कई लोकल ब्रांड हैं। जिनकी खपत शहर में बड़े ब्रांड से भी ज्यादा है। इनमें एक पंचवटी गोल्ड भी है। इसकी बिक्री इसलिए भी ज्यादा थी क्योंकि यह सस्ता भी पड़ता है। यह आटा 280 रुपये किलो का दस किलो मिल रहा था।

आटे को चमकदार बनाने के लिए मिला रहे थे पाउडर...सहायक खाद्य सुरक्षा आयुक्त - दो डॉ. डीएन यादव ने बताया कि जांच में सामने आया है कि फैक्टरी मालिक आटे में सफेदी लाने के लिए और चमकदार बनाने के लिए सेलखडी पाउडर का प्रयोग करता था। आटे में 10 से 15 प्रतिशत तक सेलखड़ी मिले होने की पुष्टि हुई है। जबकि सेलखड़ी में भी मिलावट मिली है। सेलखड़ी में भी 8.67 प्रतिशत मिलावट मिली है। उन्होंने बताया कि यह आटा स्वास्थ्य के लिए हानिकारक था। लीवर, किडनी और आंतों को काफी नुकसान पहुंचा सकता है। फैक्टरी संचालक को नोटिस देकर इसकी जानकारी जुटाई जा रही है कि फैक्टरी में आटा कब से तैयार किया जा रहा था और इस आटे को कहां-कहां बेचा गया है। इस आटे को वापस मंगाने को भी कहा गया है, ताकि जनस्वास्थ्य को किसी तरह का नुकसान न पहुंचा सके।

मिलावटी आटे की ऐसे करें पहचान...- मिलावटी आटे की पहचान करने के लिए सबसे पहले पानी की मदद लें। इस उपाय को करने के लिए आपको सबसे पहले एक गिलास पानी में आधा चम्मच आटा डालकर देखना है कि वो पानी में तैर तो नहीं रहा। अगर आटा पानी में तैरता हुआ नजर आए तो समझ जाएं कि आटे में मिलावट की गई है।

- एक चम्मच आटा लेकर उसमें नींबू के रस की कुछ बूंदें निचोड़कर डालें। नींबू के रस की बूंदों से अगर आटे में बुलबुले बनने लगे तो समझ जाएं कि आटा मिलावटी है। याद रखें, आटे में यह बुलबुले तब बनते हैं जब आटे में सेलखड़ी मिलाई जाती है। दरअसल सेलखड़ी में कैल्शियम कार्बोनेट होता है, जिसकी वजह से वो नींबू के संपर्क में आते ही बुलबुले बनाने लगते हैं।

एक टेस्ट ट्यूब लेकर उसमें थोड़ा सा आटा और हाइड्रोक्लोरिक एसिड डालें। अगर ट्यूब में कुछ छानने वाली चीज नजर आए तो समझ जाएं कि आटे में मिलावट है।

'लालू के लाल समझ लें आंकड़ों की ABCD'

तेजस्वी यादव को BJP ने दिया क्राइम ग्राफ वाला तगड़ा झटका

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। 'लालू यादव के बेटे और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को आंकड़ों की एबीसीडी समझनी होगी। उन्हें कोई बात कहने से पहले खुद के भीतर झांकना होगा। भोजपुरी में एक प्रसिद्ध कहावत है। सूप हंसे तो हंसे, चलनी को हंसने का अधिकार नहीं, जिसमें 72 छेद हो।' अपने कार्यालय में एनसीआरबी और राज्य अपराध ब्यूरो के आंकड़ों को खंगालने में जुटे बीजेपी के वरिष्ठ प्रवक्ता नीरज कुमार ने एनबीटी ऑनलाइन से बड़ी ही तार्किक बात कही। उन्होंने बातचीत में बताया कि तेजस्वी यादव को आरोप लगाने के पहले अपने कार्यकाल की ओर से भी नजरें उठाकर देखनी चाहिए। नीरज कुमार बीजेपी के वरिष्ठ प्रवक्ता हैं। हमेशा तथ्य आधारित बात करने में विश्वास करते हैं। उन्होंने साफ कहा कि मेरे पास जो आंकड़े हैं, उस हिसाब से तेजस्वी यादव जब डिप्टी सीएम की कुर्सी पर बैठे थे, उस वक्त बिहार में महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध की संख्या ज्यादा थी।

नीरज कुमार ने कहा कि हम लालू यादव के कार्यकाल को छोड़ भी दें, तो तेजस्वी के कार्यकाल में बिहार में रेप की घटनाओं में काफी इजाफा देखा गया। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव जब डिप्टी सीएम रहते हुए चार्टर्ड प्लेन में केक काटने में व्यस्त रहते थे, उस वक्त बिहार के किसी इलाके में बेटियों की अस्मत लूटी जाती रही। नीरज कुमार ने कहा कि वर्तमान आंकड़ों को ट्विस्ट कर उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर खुद को संवेदनशील बताने वाले तेजस्वी यादव समझ लें कि उनके

कार्यकाल में अपराध की क्या स्थिति रही। नीरज कुमार ने कहा कि बाकी अपराध को छोड़ दीजिए। तेजस्वी यादव ने मुजफ्फरपुर की घटना को एक्स पर पोस्ट किया था। हम उनको सिर्फ महिलाओं के प्रति हुए अपराध को ही सामने रखते हैं। बाकी अपराध की घटनाओं पर फिर कभी चर्चा करेंगे।

बीजेपी के वरिष्ठ प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि तेजस्वी यादव ने पहली बार 20 नवंबर, 2015 को बिहार के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। 1 दिसंबर, 2015 को कार्यालय में पदभार ग्रहण किया। उसके बाद उनके उपमुख्यमंत्रित्व वाले काल में महिलाओं के प्रति अपराध की क्या स्थिति रह? तेजस्वी यादव के छोटे से शासनकाल में ब्रूटल रेप की घटनाओं में इजाफा हुआ। नीरज कुमार ने कहा कि 20 नवंबर, 2015 से लेकर दिसंबर, 2015 तक तेजस्वी यादव के शुरूआती महीनों को छोड़ भी दिया जाए, तो बाकी दिनों में महिलाओं के खिलाफ अपराध की ज्यादा घटनाएं हुईं। एनसीआरबी की रिपोर्ट कहती है कि साल, 2016 में महिलाओं के खिलाफ 13 हजार 400 अपराध की घटनाएं हुईं। जिसमें 1008 ब्रूटल रेप की घटनाएं हुईं। एनसीआरबी की रिपोर्ट कहती है कि साल, 2016 में महिलाओं के खिलाफ 13 हजार 400 अपराध की घटनाएं हुईं। जिसमें 1008 ब्रूटल रेप की घटनाएं हुईं। जिसमें 7 घटनाएं मात्र 6 साल की बच्चियों के साथ हुई। 12 साल की उम्र की 41 किशोरियों के साथ ब्रूटल रेप की घटनाएं हुईं। 16 साल की 121 लड़कियों के साथ बलात्कार की घटनाएं हुईं। 18 साल और उससे बड़ी उम्र की 584 महिलाओं के साथ रेप की घटनाएं हुईं। 30 साल की उम्र की 146 महिलाओं के साथ रेप की घटनाएं हुईं। ये तो महज क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो का आंकड़ा है। सैकड़ों मामले ऐसे हुए, जो दर्ज नहीं हुए। नीरज कुमार ने आगे कहा कि साल, 2017 में जुलाई महीने तक तेजस्वी यादव उपमुख्यमंत्री बने रहे। 2017 का जनवरी से अगस्त तक का आंकड़ा और भी चौंकाने वाला है। उन्होंने कहा कि महज आठ महीने में 804 ब्रूटल रेप की घटनाएं दर्ज हुईं। जिसके मुताबिक बिहार में उस दौरान रोजाना तीन महिलाएं रेप का शिकार हो रही थीं। ये आंकड़े उससे कहीं ज्यादा हो सकते हैं, लेकिन आधिकारिक तौर पर जो मामले दर्ज हुए थे, उसी के बारे में हम आपको बता रहे हैं। साल, 2017 के अगस्त तक सबसे ज्यादा-जिस कटिहार में इंडिया गठबंधन के सांसद हैं, वहां 71 महिलाओं के साथ ब्रूटल रेप की घटनाएं हुई थीं। राजधानी पटना में 61 महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया था। अररिया में 46 महिलाओं और भागलपुर में 45 महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था।

नीरज कुमार ने तेजस्वी यादव के दूसरे कार्यकाल का ब्यौरा देते हुए कहा कि तेजस्वी यादव का दूसरा कार्यकाल 10 अगस्त, 2022 से शुरू हुआ और 28 जनवरी, 2024 तक वो इस पद पर बने रहे। नीरज कुमार ने कहा कि तेजस्वी यादव को पता है कि इस दौरान बिहार में महिलाओं के साथ क्या-क्या हुआ। उन्हें पता कैसे होगा ?पढ़ाई-लिखाई और अध्ययन से मतलब हो, तब न। नीरज कुमार ने कहा कि वर्ष 2022 में बिहार में 881 महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाएं हुईं। औसतन रोजाना दो महिलाओं के साथ रेप की घटनाएं हुईं। नीरज कुमार ने तेजस्वी पर तंज कसते हुए कहा कि आप 10 अगस्त, 2022 को डिप्टी सीएम बने। प्रति महीने के हिसाब से 73 रेप की घटनाओं का अनुमान लगाकर चलें। तो अगस्त से दिसंबर 2022 तक आपके कार्यकाल में 365 महिलाओं के साथ रेप की घटनाएं हुईं। ये सभी घटनाएं थानों में दर्ज हुईं। कई घटनाओं में पीड़ित के साथ जानवरों से भी बदतर सलूक किया गया। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि इनमें से 10 महिलाएं ऐसी थीं जिनकी उम्र 45 से 60 वर्ष के बीच थी। आप जब भी एनडीए सरकार पर सवाल उठाए, तो जरा इन आंकड़ों पर गौर जरूर फरमा लें।

नीरज कुमार ने तेजस्वी यादव को संबोधित करते हुए कहा कि साल, 2023 में आप पूरे वर्ष कुर्सी पर बने रहे। दैवयोग से इस वर्ष का आंकड़ा नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ने अभी तक अपलोड नहीं किया है। लेकिन तेजस्वी जी, 2023 में आपके कार्यकाल में हुई कुछ चर्चित बलात्कार की घटनाओं का हम पूरा ब्योरा दे रहे हैं। क्या उस वक्त आपकी जुबान को लकवा मार गया था। आखिर में बीजेपी के वरिष्ठ प्रवक्ता नीरज कुमार ने तेजस्वी यादव को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि अब जरा ध्यान से सोचिएगा महोदय। एक्स पर क्राइम ग्राफ टाइप करने से पहले जरा इन आंकड़ों और घटनाओं पर नजर डालिएगा। उसके बाद अपनी छाती पर हाथ रखिएगा, उसके बाद खुद से सवाल कीजिएगा। उस वक्त आप क्या कर रहे थे। रेप जैसी घटनाओं को सियासी मोड़ देकर अपनी राजनीति को पॉलिश लगाने से पहले जरा अध्ययन कीजिए, मनन कीजिएगा। आंखें खुल जाएं, उसके बाद कुछ बोलिएगा। ये घटनाएं आपके कार्यकाल में हुई हैं। जब सत्ता सुख में मतवाले होकर आप चार्टर्ड प्लेन में केक काट रहे थे, उस वक्त बिहार के किसी न किसी गांव में तीन लड़कियों की रोजाना अस्मत लूट रही थी। इसलिए जरा संभलकर बलात्कार और दुष्कर्म जैसी घटनाओं पर अपनी राजनीति चमकाइए। वरना आज की युवा पीढ़ी जागरूक है। कहीं सियासी पिच पर युवा आपको बोल्ड न कर दें।

क्या सच में उपेंद्र कुशवाहा को सम्राट चौधरी ने हरवाया?

इसीलिए अब बीजेपी ने दिया टाइम कम लेकिन वैल्यू ज्यादा!

दीपक कुमार तिवारी।

पटना/नई दिल्ली। भाजपा ने अपना धर्म निभाया। नीतीश कुमार ने भी उदारता दिखाई। उपेंद्र कुशवाहा का राज्यसभा जाना पक्का हो गया है। भाजपा की उदारता इस मायने में कि शून्य पर सिमटे सहयोगी को मौका दिया। आरएलएम को एनडीए में मिली एक मनचाही सीट पर उम्मीदवार बन कर उपेंद्र लोकसभा का चुनाव हार गए थे। उनकी वजह से भाजपा को संसदीय चुनाव में कोई लाभ भी नहीं मिला। नीतीश कुमार की उदारता इस मायने में कि उनसे ही नाराज होकर कुशवाहा ने जेडीयू से रिश्ता तोड़ लिया था। बावजूद इसके नीतीश ने ये सुनिश्चित किया कि उपेंद्र कुशवाहा की उम्मीदवारी में कोई 'अड़ंगा' न लगे।

राजनीतिक हलके में कयास लगाए जा रहे थे कि राज्यसभा सीटों को लेकर एनडीए में विवाद हो सकता है। जेडीयू की दावेदारी की चर्चा हो रही थी। हालांकि नवभारत टाइम्स.काम ने पहले ही बता दिया था कि राज्यसभा की दोनों सीटें भाजपा लेगी और विधानसभा या विधान परिषद में जेडीयू की भरपाई कर देगी। नीतीश कुमार को बिहार की राजनीति के लिए और भाजपा को केंद्र के लिए यह प्रासंगिक है। भाजपा अपनी एक सीट उपेंद्र कुशवाहा को देने की घोषणा पहले ही कर चुकी थी। दूसरे नाम पर जरूर कयास लगाए जा रहे थे। आरके सिंह, आरके सिन्हा और शाहनवाज हुसैन के नाम सियासी फिजा में तैर रहे थे। मनन मिश्रा को उम्मीदवार बना कर भाजपा ने

सबको चौंका दिया। बिहार में राज्यसभा की दो सीटें खाली हुई हैं। भाजपा के विवेक ठाकुर लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। आरजेडी की मीसा भारती भी लोकसभा पहुंची हैं। दोनों सीटों में एक की मियाद थोड़ी लंबी है तो दूसरी की उससे आधी यानी दो साल। उपेंद्र कुशवाहा दो साल के लिए ही सांसद बनेंगे। संभव है कि कुशवाहा मोदी मंत्रिमंडल के अगले विस्तार में मंत्री पद भी पा जाएं। पर, सवाल उठता है कि भाजपा ने उन्हें छोटी मियाद की सांसदी का ही अवसर क्यों दिया? भाजपा का उपेंद्र कुशवाहा को लेकर पुराना अनुभव अच्छा नहीं रहा है। 2014 में कुशवाहा एनडीए का हिस्सा थे। तीन सांसदों वाली पार्टी के नेता की हैसियत से नरेंद्र मोदी ने उन्हें मंत्री पद भी दिया। पर, 2018 से ही उपेंद्र ने नखरे दिखाने शुरू कर दिए। 2019 के चुनाव में उन्होंने अधिक सीटों की मांग कर दी। भाजपा ने नहीं दी तो एनडीए से अलग हो गए। उनकी पार्टी का कोई कैंडिडेट नहीं जीता। यहां तक कि वे भी चुनाव हार गए। संभव है कि इसी वजह से भाजपा ने उन्हें छोटी मियाद का मौका दिया हो। इस बीच भाजपा के प्रति उनकी लॉयल्टी का टेस्ट भी हो जाएगा।

सबसे दिलचस्प बात यह है कि भाजपा ने उपेंद्र कुशवाहा को राज्यसभा उम्मीदवार बनाने की घोषणा के लिए सम्राट चौधरी का चयन किया। हालांकि तब सम्राट को प्रदेश अध्यक्ष रहने के नाते इसका अधिकार था। जिस तरह प्रदेश के भाजपा नेताओं से उम्मीदवार चयन की कवायद करा कर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने मनन मिश्रा के नाम का ऐलान किया, उसी तर्ज पर उपेंद्र कुशवाहा के नाम की घोषणा क्यों नहीं हुई? इस बीच भाजपा ने सम्राट को प्रदेश अध्यक्ष पद से भी हटा दिया। सनद रहे कि सम्राट चौधरी और उपेंद्र कुशवाहा एक ही बिरादरी से आते हैं। दोनों खुद को कोइरी बिरादरी का नेता होने का दावा करते हैं।यह बात भी राजनीतिक हल्के में खूब चर्चित रही कि उपेंद्र का कद घटाने के लिए सम्राट चौधरी ने लोकसभा चुनाव में उनकी मदद नहीं की। नतीजतन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। संभव है कि भाजपा की समीक्षा में भी इसकी भनक लगी हो। शायद यही वजह रही कि भाजपा ने उपेंद्र कुशवाहा के नाम की घोषणा के लिए सम्राट का ही चयन किया हो। इससे कुशवाहा समाज का भ्रम भी दूर हो जाएगा और कुशवाहा नेता बनने की होड़ खत्म हो जाएगी।

डॉक्टर के रेपिस्ट और हत्यारे को जो गोली मारेगा उसे 50 लाख देंगे,पटना में लगे पोस्टर

संवाददाता।

पटना। कोलकाता में डॉक्टर के साथ रेप और उसके बाद उसकी हत्या के मामले को लेकर पूरे देश में उबाल है। इसका असर राजधानी पटना के सड़कों पर भी दिखाई दे रहा है। पटना के एनएमसीएच, आईजी आईएमएस अस्पताल के डॉक्टर आरोपियों को जल्द से जल्द दोषी ठहराकर सजा दिलाने की मांग को लेकर ने प्रोटेस्ट कर रहे हैं। अन्य सामाजिक संगठनों की ओर से कैंडल मार्च निकाला जा रहा है। इसी बीच राजधानी पटना की सड़कों पर एक पोस्टर लगाया गया है, जिसमें कोलकाता में सामूहिक बलात्कार के बाद डॉक्टर के हत्यारे को गोली मारने वाले के लिए 50 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया है। यह पोस्ट हिंदू शिव भवानी सेना की ओर से लगाया गया है।

महिला डॉक्टर का बलात्कार कर उसकी हत्या करने वालों को गोली मारने वाले को 50 लाख रुपये देने की घोषणा करने वाला यह पोस्टर एमएलसी आवास के बाहर लगाया गया है। इसके अलावा यह

पोस्ट राजधानी पटना की कई प्रमुख जगह पर भी लगाया गया है। इस पोस्ट में पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की गई है। साथ ही विपक्ष के उन चेहरों को भी शामिल किया गया है जो कोलकाता की इस दिल दहला देने वाली घटना पर चुप्पी साधे हुए हैं। इस पोस्टर में फिल्म स्टॉर्स की तस्वीरों को भी शामिल करते हुए यह पूछा गया है कि आखिर कोलकाता की घटना पर उनकी चुप्पी क्यों?

इस पोस्टर में पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी सपा प्रमुख अखिलेश यादव, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और झारखंड सीएम हेमंत सोरेन की तस्वीर लगाई गई है। वहीं दूसरी ओर फिल्म स्टार शाहरुख खान, सलमान खान, जया बच्चन, जावेद अख्तर, नसीरुद्दीन शाह, स्वरा भास्कर की तस्वीर भी है।

शिव भवानी हिंदू सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लव कुमार सिंह ने कहा कि हाथरस की घटना पर विपक्ष ने जमकर हंगामा मचाया। मगर आज कोलकाता में इतनी बड़ी घटना हुई है, जिस पर वह सभी चेहरे चुप्पी साधे हुए हैं। शिव भवानी हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने और दोषियों को सजा दिलाने की मांग की है।

दानापुर: गंगा नदी में डूबने से बीपीएसई टीचर की मौत

साथी शिक्षकों ने बचाने का नहीं किया प्रयास

संवाददाता।

पटना/दानापुर। दानापुर में गंगा नदी में डूबने से एक सरकारी टीचर की मौत हो गई। जिला प्रशासन पटना को शुक्रवार सुबह 8:45 बजे यह सूचना प्राप्त हुई कि दानापुर अनुमंडल स्थित गंगा नदी के नासरीगंज घाट पर एक टीचर नाव पर चढ़ते वक्त पैर फिसलने से नदी में डूब गए। शिक्षक का नाम अविनाश कुमार, पिता राज करण प्रसाद है और वह सरथुआ पटना के निवासी हैं। ये उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय छोटा कासिमचक में पदस्थापित हैं।

जिलाधिकारी की ओर से सूचना प्राप्त होते ही एसडीआरएफ की टीम को घटना स्थल पर भेजा गया। इस दल की ओर से डूबने वाले शिक्षक की खोज की जा रही है। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी, दानापुर को भी घटना स्थल पर भेजा गया है। इन दोनों पदाधिकारियों की ओर से खोज अभियान का पर्यवेक्षण किया जा रहा है। जिलाधिकारी के निदेश पर अनुमंडल पदाधिकारी, दानापुर

एवं सहायक पुलिस अधीक्षक, दानापुर भी घटना स्थल पर जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी, पटना अपर जिला दण्डाधिकारी (आपदा प्रबंधन), पटना सहायक पुलिस अधीक्षक, दानापुर तथा अनुमंडल पदाधिकारी, दानापुर को खोज अभियान की रिपोर्ट लेने को कहा गया है।पटना के दानापुर गंगा नदी के नासरीगंज घाट पर हुई दो नावों की टक्कर में बीपीएससी शिक्षक अविनाश कुमार की मौत हो गई। घटना दानापुर थाना क्षेत्र के फक्कड़ महतो घाट की है। जहां से बीपीएससी टीचर अविनाश अन्य शिक्षकों के साथ नाव पर सवार होकर उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय जा रहे थे। दो नावों के बीच हुई टक्कर के दौरान अविनाश कुमार अचानक लड़खड़ाकर गंगा नदी में गिर गए।

अविनाश फतुहा के रहने वाले हैं। इस घटना में खास बात यह रही की उनके साथ मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास तक नहीं किया। उनके साथ अन्य साथी शिक्षक भी मौजूद थे। उनका कहना है कि अविनाश कुमार को तैरना नहीं आता था, जिसकी वजह से वह डूबने लगे। मगर वहां मौजूद नाविक और अन्य लोगों ने उन्हें बचाने की कोशिश तक नहीं की। अविनाश का चयन इढरउ ळफए 1 के जरिए हुआ था। उन्होंने 18 नवंबर 2023 को योगदान लिया था। इस घटना के बाद शिक्षकों में काफी आक्रोश है।

तीन फीट लंबे सांप को 12 महीने के बच्चे ने पकड़ा और चबा डाला!

दीपक कुमार तिवारी।

पटना/गया। बिहार के गया ज़िले में एक हैरान कर देने वाली घटना घटी है। यहां एक साल के बच्चे ने खिलौना समझकर सांप को मुंह में डालकर चबा डाला, जिससे सांप की मौत हो गई। गनीमत रही कि सांप जहरीला नहीं था, जिससे बच्चे की जान बच गयी। यह घटना गया जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र के जमुहार गांव की है। जानकारी के अनुसार, घटना बीते शनिवार की है। बताया जा रहा है कि फतेहपुर थाना क्षेत्र के जमुहार गांव के रहने वाले राकेश कुमार का एक साल का बेटा रियांश कुमार घर की छत पर खेल रहा था। तभी वहां एक लगभग तीन फीट लंबा सांप रेंगता हुआ आ गया। बच्चे ने उसे खिलौना समझकर खेलना शुरू कर दिया। बच्चा खेलते-खेलते सांप को मुंह में लेकर चबाने लगा।

इसी दौरान बच्चे की मां वहां से गुजरी तो यह देखकर उसके होश उड़ गए। बच्चे के मुंह में सांप देखकर वह घबरा गई और दौड़कर उसके पास पहुंची। उन्होंने सांप को बच्चे के मुंह से निकाला। तब तक बच्चे ने सांप को बीच से चबा डाला था, जिससे उसकी मौत हो चुकी थी। घबराई हुई मां बच्चे को लेकर तुरंत अस्पताल पहुंची। अस्पताल में डॉक्टरों ने बच्चे की जांच की और बताया कि वह पूरी तरह से स्वस्थ है। डॉक्टरों ने बताया कि बच्चे ने जिस सांप को चबाया था, वह जहरीला नहीं था। इसलिए बच्चे को कोई नुकसान नहीं हुआ।

बच्चे की मां ने बताया कि बच्चा छत पर खेल रहा था। मैंने अचानक देखा कि वो सांप को मुंह में रखकर चबा रहा है। दौड़कर मैंने सांप को उसके मुंह से निकाल कर फेंक दिया। बच्चे को तुरंत अस्पताल लेकर गई, जहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे पूरी तरह स्वस्थ बताया। सांप की मौत हो गई थी।

यह घटना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गयी है। गांव वालों ने बताया कि बच्चे ने जिस सांप को मुंह में लिया था, वह तेलिया सांप था। यह केंचुआ की तरह दिखता है और इसमें जहर नहीं होता है। यह बच्चे की खुशकिस्मती थी कि सांप जहरीला नहीं था, वरना एक बड़ी घटना घट सकती थी।

बिहार में टाइगर की खूनी जंग, एक बाघ की मौत और दूसरे की तलाश जारी

संवाददाता।

बेतिया। बिहार के पश्चिमी चंपारण स्थित वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में एक बाघ का शव बरामद किया गया है। मृत बाघ की उम्र करीब पांच वर्ष बताई जा रही है। शव की सूचना मिलने के बाद वन विभाग के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए है। वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के मंगूराहा वन क्षेत्र के कक्ष संख्या 46 में शुक्रवार को एक बाघ के शव पड़े होने की जानकारी मिली थी। मृत बाघ के शरीर पर मिले जख्म के निशान से आशंका जताई जा रही है कि दो बाघों के आपसी संघर्ष में इस उसकी मौत हुई है। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के निदेशक सह वन संरक्षक नेशामणि ने बताया कि मृत नर बाघ की उम्र करीब पांच वर्ष है।

उन्होंने बताया कि बाघ के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। बाघ की मौत दूसरे बाघ से लड़ाई के दौरान हुई है। घटना स्थल पर मिले फुट प्रिंट देखकर भी खूनी संघर्ष का अनुमान लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और जांच के लिए विसरा वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट आफ इंडिया देहरादून और इंडियन वेटनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट बरेली भेजी जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का सही पता चल सकेगा।

पोस्टमार्टम के बाद मृत बाघ का अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वाल्मीकि टाइगर प्रोजेक्ट में बाघों की संख्या तेजी से बढ़ी है। बाघ एक कंपार्ट से दूसरे कंपार्ट में आते जाते हैं। विभाग दूसरे बाघ की भी तलाश कर रहा है। कहा जा रहा है कि संघर्ष में वह भी जख्मी हुआ होगा। वाल्मीकी टाइगर रिजर्व में दूसरे बाघ की तलाश लगातार की जा रही है।

नीतीश सरकार न चेती होती तो बेतिया में भी हो सकता था कोलकाता जैसा कांड

जीएनएम कॉलेज की छात्राओं ने प्राचार्य पर लगाया था शराब के नशे धुत होकर उनसे मसाज कराने का आरोप

बिट्टू सिंह

बेतिया/पटना। यदि बिहार में नीतीश सरकार ने कठोर कदम नहीं उठाये होते तो कोलकाता रेप और हत्या कांड जैसा कांड बिहार के बेतिया में भी हो सकता था। जी हां बेतिया के एक नर्सिंग संस्थान के प्राचार्य पर वहां की छात्राओं ने बेहद संगीन आरोप लगाए थे। इन छात्राओं का आरोप था कि संस्थान का प्राचार्य न केवल ऑफिस में शराब पीता है बल्कि उनसे मसाज भी कराता है। इन छात्राओं ने बाकायदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय को पत्र लिखकर अपनी पीड़ा बताई थी। हालांकि प्राचार्य इन आरोपों को नकारता रहा। प्राचार्य का कहना है कि सीनियर छात्राएं जूनियर छात्राओं की रैगिंग करती हैं। उनको डांटा गया तो उन पर ये आरोप लगा दिए गए। प्राचार्य ने कुछ जूनियर छात्राओं से सीनियर छात्राओं के खिलाफ बयान भी दिलवा दिए। प्राचार्य की शराब की बोतल के साथ कुछ तस्वीरें भी वायरल हुई हैं। जिन्हें प्राचार्य एडिटिंग कर वायरल कराने की बात करता रहा। प्राचार्य को निलंबित कर गिरफ्तार कर लिया गया है। बाकायदा बेतिया के डीएम दिनेश कुमार राय ने यह जानकारी दी है।

दरअसल एक मीडिया रिपोर्ट में दिखाया गया कि पश्चिमी चंपारण के बेतिया में स्थित जीएनएम प्रशिक्षण संस्थान की छात्राएं खौफ के साये में जी रही हैं। इन छात्राओं का कहना था कि उनका प्राचार्य शराबी है और शराब के नशे में धुत होकर उनसे मसाज कराता है। छात्राओं का यह भी कहना था कि बेतिया के उच्च अधिकारी द्वारा प्रभारी प्राचार्य को दोषी मानते हुए रिपोर्ट भी भेजी जा चुकी है पर इस प्राचार्य पर कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है।

छात्राओं ने अंत में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से गुहार लगाई।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इन छात्राओं ने प्रभारी प्राचार्य की करतूतों की तस्वीरें दिखाकर विभाग को इस बात की जानकारी दी थी। पता चला है कि छात्राओं की शिकायत के बाद नर्सिंग संस्थान के निदेशक प्रमुख डॉ. सुनील कुमार झा ने इस मामले में बेतिया के सिविल सर्जन को जांच का आदेश भी दिया था। जांच के बाद बेतिया के सीएस ने प्रभारी को दोषी मानते हुए अपनी रिपोर्ट भी भेजी थी पर हैरानी की बात यह है इस प्रभारी प्राचार्य पर अब तक किसी की तरह की कार्रवाई नहीं हो सकी थी। प्रभारी प्राचार्य की कुछ तस्वीरें भी वायरल हो चुकी हैं।

दरअसल गुरुवार को बिहार बेतिया का जीएनएम कॉलेज उस समय सुर्खियों में आ गया जब एक टीवी चैनल पर प्राचार्य पर लड़कियों का शोषण का आरोप लगाते हुए खबर चला दी गई। जब इस संबंध में प्राचार्य से पूछा गया तो उन्होंने यह सब गलत बताया। जब उनसे उस पत्र के बारे में पूछा गया जो उनकी शिकायत करते हुए दो माह पहले दिया गया था। और वह विभाग को इसका जवाब भी दे चुके हैं। तो प्राचार्य ने कहा कि जूनियर वर्ग में पढ़ने वाली दर्जनों छात्राओं का कहना था कि प्राचार्य के ऊपर लगाए गए सारे आरोप बेबुनियाद हैं। सीनियर क्लास की छात्राएं उनके साथ रैंकिंग करती हैं। जब प्राचार्य उन्हें डांटते हैं तो झूठी कहानी बनाकर उन्हें बदनाम किया जा रहा है। कॉलेज के प्राचार्य मनीष कुमार जायसवाल, शिक्षक शिक्षिकाओं में संजय मिश्र, प्रीति कुमारी, प्रज्ञा श्रीवास्तव,करन तथा विमला कुमारी कर्मियों का कहना था कि कुछ लोग गलत बातों को हवा देकर कॉलेज के छवि खराब कर रहे हैं। ऐसे में प्रश्न उठता है कि जो तस्वीरें वायरल हुई उनकी हकीकत क्या है ?

दरअसल बिल्कुल इसी तरह का मामला कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज का है। इस कॉलेज का प्राचार्य संदीप घोष भी अनैतिक कार्यों में लिप्त रहता था। उसके बारे में पता चला है कि वह अपने चहेते छात्रों के साथ शराब पीता था। मनमानी करता था। उसके खिलाफ भी छात्राओं ने तमाम शिकायतें की पर उसका कुछ बिगाड़ न सका। जिसका परिणाम कोलकाता रेप और हत्या कांड सामने है। यह शासन और प्रशासन का नाकारापन ही रहा कि ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप और उसकी हत्या कर दी गई। अब इस मामले में सीबीआई जांच बैठी हुई है। पर क्या इस तरह के मामले शिकायतों की अनदेखी करने और संदीप घोष जैसे लोगों को बढ़ावा देने के कारण नहीं होते हैं। नीतीश सरकार ने तुरंत एक्शन लेते हुए आरोपी प्राचार्य को गिरफ्तार कर लिया है।

चरण सिंह

विचार

जब बाढ़ ही खाने लगे फसल को !

गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाय। बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताय। संत कबीरदास के इस दोहे में बताया गया है कि गुरु का दर्जा भगवान से भी बड़ा होता है। कबीर दास ने इस दोहे में कहा है कि यदि भगवान और गुरु दोनों मेरे सामने खड़े हों तो मैं पहले गुरु के पैर छूऊंगा। इसकी वजह उन्होंने बताई थी कि भगवान के पास जाने का रास्ता भी गुरु ने ही बताया है। कोलकाता रेप-हत्या कांड के साथ ही बिहार बेतिया में जीएनएम कॉलेज में छात्राओं का प्राचार्य पर शराब के नशे में मसाज कराने का आरोप दर्शा रहा है कि आज की तारीख में इन जैसे शिक्षकों ने गुरु जैसा पवित्र पद कैसे कलंकित कर दिया है।

यह क्या हो गया है हमारे समाज को ? कोलकाता रेप और हत्या कांड, बदलापुर यौन शोषण का मामला और फिर बेतिया में जीएनएम कॉलेज में शराब के नशे में छात्राओं से मसाज कराने का आरोप। कोलकाता में मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य पर भी अनैतिक कार्यों में लिप्त रहने के आरोप लगे हैं। बदलापुर में चार साल की बच्चियों के साथ यौन शोषण किया गया। किसने किया ? उस क्लीनर ने जिसको कहीं न कहीं इन बच्चियों का ध्यान रखना चाहिए था। ऐसे ही जीएनएम कॉलेज में भी घिनौने काम का आरोपी प्राचार्य है। ये मामले तो वह हैं जो उजागर हो गये हैं। देश में ऐसे कितने मामले हैं कि विभिन्न कारणों से दबे पड़े हैं। मतलब जिन लोगों की जिम्मेदारी और जवाबदेही छात्राओं की सुरक्षा की है उनमें से ही कुछ दरिंदे बाहर निकल रहे हैं जो इन छात्राओं की अस्मत से खेल रहे हैं।

ऐसे में प्रश्न उठता है कि आखिरकार लोग विश्वास करें तो फिर किस पर करें। प्राचार्य तो कॉलेजों में ऐसा पद है जिसे कॉलेजों के शिक्षकों और स्टाफ पर भी ध्यान रखना चाहिए। जिस कॉलेज का प्राचार्य ही भ्रष्ट हो उस कॉलेज की स्थिति क्या होगी, यह बात अच्छी तरह से समझी जा सकती है। दोनों ही प्राचार्यों पर एक्शन तब हुआ जब शासन और प्रशासन की फजीहत होने लगी। मतलब शासन और प्रशासन की ओर इस तरह के मामले में इन जैसे प्राचार्यों का साथ दिया जाता है।दरअसल लड़कियों के लिए सुरक्षित जगह जो मानी जाती है वह उसका घर, स्कूल और रिश्तेदार होते हैं।

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि यौन शोषण, रेप और प्रताड़ना के मामले इन विश्वास के रिश्तों में ही होते हैं। बेतिया कॉलेज में छात्राओं ने सीएम नीतीश को तब जाकर पत्र लिखा जब उनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया गया। इस मामले में यह बात निकलकर सामने आई कि इन छात्राओं ने प्रभारी प्राचार्य की करतूतों की तस्वीरें दिखाकर विभाग को इस बात की जानकारी दी थी। पता चला है कि छात्राओं की शिकायत के बाद नर्सिंग संस्थान के निदेशक प्रमुख डॉ. सुनील कुमार झा ने इस मामले में बेतिया के सिविल सर्जन को जांच का आदेश भी दिया था। जांच के बाद बेतिया के सीएस ने प्रभारी को दोषी मानते हुए अपनी रिपोर्ट भी भेजी थी पर हैरानी की बात यह है इस प्रभारी प्राचार्य पर अब तक किसी की तरह की कार्रवाई नहीं हो सकी थी।

इसी तरह का मामला कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज का भी है। इस कॉलेज का प्राचार्य संदीप घोष भी अनैतिक कार्यों में लिप्त रहता था। उसके बारे में पता चला है कि वह अपने चहेते छात्रों के साथ शराब पीता था। मनमानी करता था। उसके खिलाफ भी छात्राओं ने तमाम शिकायतें की पर उसका कुछ बिगाड़ न सका। जिसका परिणाम कोलकाता रेप और हत्या कांड सामने है। यह शासन और प्रशासन का नाकारापन ही रहा कि ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप और उसकी हत्या कर दी गई। अब इस मामले में सीबीआई जांच बैठी हुई है। पर क्या इस तरह के मामले शिकायतों की अनदेखी करने और संदीप घोष जैसे लोगों को बढ़ावा देने के कारण नहीं होते हैं।

बिना डर के चुनाव के लिए तैयार कश्मीर !

-मनु श्रीवत्स-

हुर्रियत कांफ्रेंस जैसे संगठन अब सक्रिय नही हैं। यह एक बड़ा बदलाव कश्मीर में हुआ है। जिससे आम कश्मीरी के अंदर का डर समाप्त हुआ है और लोग अब चुनाव से दूर भागने की जगह चुनाव आदि में हिस्सा ले रहे हैं। एक सुरक्षित वातावरण मिलने के बाद आम आदमी अपने को सुरक्षित महसूस कर रहा है। ङ्ख हुर्रियत कांफ्रेंस जैसे संगठन अब इतिहास का हिस्सा हो चुके और उनका नाम लेने तक को भी कोई तैयार नही है। जमायते इस्लामी जैसे संगठन अब चुनाव में भागीदारी की बात करने लगे हैं।

हाल ही में हुए कुछ आतंकवादी हमलों के बावजूद जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव की घोषणा कर चुनाव आयोग ने एक बड़ा और साहसिक फैसला लिया है इसके लिए आयोग मुबारकबाद का पात्र है। इस निर्णय से यहां आतंकवादियों के इरादों को जबरदस्त धक्का लगा है वहीं उन तत्वों की भी हार हुई है जो पिछले दिनों के आतंकवादी हमलों का हौव्वा खड़ा कर प्रदेश में चुनाव न करवाए जाने का एक माहौल बनाने में जुटे हुए थे। आतंकवादी हमलों का डर ऐसे लोगों द्वारा खड़ा किया जा रहा था जो जम्मू-कश्मीर के जमीनी हालात से न तो परिचित हैं और न ही आतंकवाद और आतंकवादियों की कार्यशैली को ठीक से समझते हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद 1989-1990 से है और प्रदेश ने आतंकवाद के कई रूप देखे हैं।

दरअसल लोकसभा चुनाव में जो जबरदस्त मतदान हुआ था और जिस शानदार ढ़ग से चुनाव संपन्न हुए थे उसके बाद कोई कारण शेष बचता नही था कि प्रदेश में और अधिक समय के लिए विधानसभा चुनाव को टाला जाता। आतंकवादी और अलगवावादी तत्व लोकसभा चुनाव में आम लोगों की भारी भागीदारी से बौखलाए हुए थे। हर लिहाज से विधानसभा चुनाव के लिए समय व माहौल अनुकूल था। ऐसे में चुनाव आयोग से यही उम्मीद थी कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव को और अधिक न टाला जाए।

कुछ लोगों को यह सरकारी भाषा लग सकती है, मगर सच्चाई यही है कि लगभग 37 साल के बाद बिना किसी डर और खौफ के लोगों ने इस बार के लोकसभा चुनाव में अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। वर्षों बाद कश्मीर के लोगों ने लोकसभा चुनाव के दौरान दिल से खुल कर मतदान किया। अपना वोट डालने के लिए मतदाताओं को किसी भी तरह की रुकावट का सामना नहीं करना पड़ा, क्योंकि 1987 के विधानसभा चुनाव के बाद पहला मौका था जब किसी भी तरह के चुनावी बहिष्कार का आह्वान सामने नही था।

लोगों को जब सुरक्षित माहौल मिला तो लोगों ने निराश भी नही किया और वे बेखौफ होकर मतदान करने निकले। आतंकवाद के गढ़ माने जाने वाले सोपोर सहित कई इलाकों में भारी संख्या में लोगों ने मतदान किया जबकि कुछ समय पहले तक इन इलाकों में कोई चुनावी पोस्टर भी नही लगने दिया जाता था। ऐसा इसलिए संभव हुआ क्योंकि हुर्रियत कांफ्रेंस जैसे संगठन अब सक्रिय नही हैं। यह एक बड़ा बदलाव कश्मीर में हुआ है। जिससे आम कश्मीरी के अंदर का डर समाप्त हुआ है और लोग अब चुनाव से दूर भागने की जगह चुनाव आदि में हिस्सा ले रहे हैं। एक सुरक्षित वातावरण मिलने के बाद आम आदमी अपने को सुरक्षित महसूस कर रहा है। आंकड़े बताते है कि कश्मीर घाटी की तीनों लोकसभा सीटों पर इस बार बहुत ही अच्छा मतदान हुआ और पिछले कई रिकॉर्ड टूटे। बारामूला में इस बार 59 प्रतिशत, श्रीनगर में 38 प्रतिशत और अनंतनाग-राजौरी सीट पर 53 प्रतिशत मतदान हुआ।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

लगातर आती मार्केटिंग फोन कॉल्स कर रही परेशान

फोन में आने वाली अनचाही या अनजानी कॉल। जो वक्त बेवक्त कभी भी आकर आपको परेशान कर सकती हैं और आप चाहकर भी कुछ नहीं कर पाते। आप फोन उठाने से पहले इतना भी नहीं जान पाते कि आपको ये फोन कॉल कौन कर रहा है। वक्त-बेवक्त मोबाइल फोन पर आने वाले अनचाहे कॉल्स सभी के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। टेलीमार्केटिंग यानी कॉल्स के जरिये सामान, बैंक लोन, क्रेडिट कार्ड समेत अन्य उत्पाद खरीदने के लिए लोगों को दिन में कई बार किए जाने वाले कॉल्स से मप्र के बाशिंदे भी जूझ रहे हैं।

ये बात सही है कि लोगों की जिंदगी में स्मार्टफोन क्या आया जैसे उनका संसार ही बदल गया। बहुत से लोग ऐसे हैं जिनके लिए ये सिर्फ फोन नहीं, उससे बढ़कर है। स्मार्टफोन से आप ना सिर्फ किसी से बात कर सकते हैं बल्कि इंटरनेट के संसार को उंगलियों में नचा सकते हैं। लेकिन तस्वीर का एक दूसरा पहलू भी है और वो ये है कि फोन में आने वाली अनचाही या अनजानी कॉल। जो वक्त बेवक्त कभी भी आकर आपको परेशान कर सकती हैं और आप चाहकर भी कुछ नहीं कर पाते। आप फोन उठाने से पहले इतना भी नहीं जान पाते कि आपको ये फोन कॉल कौन कर रहा है। वक्त-बेवक्त मोबाइल फोन पर आने वाले अनचाहे कॉल्स सभी के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। टेलीमार्केटिंग यानी कॉल्स के जरिये सामान, बैंक लोन, क्रेडिट कार्ड समेत अन्य उत्पाद खरीदने के लिए लोगों को दिन में कई बार किए जाने वाले कॉल्स से मप्र के बाशिंदे भी जूझ रहे हैं। अधिकतर मोबाइल फोन उपभोक्ता तो इन नंबरों को ब्लॉक कर देते हैं, पर टेलीमार्केटिंग कंपनियां अन्य नंबरों से फोन करती हैं।

मोबाइल फोन पर अनचाही कॉल से परेशान लोगों के लिए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जिन उपभोक्ताओं ने डू नॉट कॉल में अपने फोन का नंबर रजिस्टर कराया है। अगर उनके फोन पर कोई कॉल आती है तो उस कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। तमाम कंपनियां अपने प्रोडक्ट के लिए जब चाहे कॉल करके लोगों को परेशान करती रहती हैं। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने इस मसले पर सरकार को कड़ा निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि जिन उपभोक्ताओं ने अपने मोबाइल फोन नंबर को डू नॉट काल में रजिस्टर कराया है। उनके फोन पर कोई भी अनचाही कॉल नहीं आनी चाहिए। इसके साथ ही उन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने को भी कहा है जो टेलीसर्विस तो करती हैं। लेकिन उन्होंने संचार मंत्रालय में इसके लिए अपना रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है। अनचाही कॉल्स और मेसेज से परेशान लोग इन पर रोक लगने की उम्मीद को एक बार फिर अपने भीतर जिंदा कर सकते हैं। दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने इसे लेकर नए नियम बनाए हैं, जिनके मुताबिक किसी भी व्यावसायिक, टेलिमार्केटिंग या उनके लिए काम करने वाली कंपनी को कॉल या संदेश भेजने से पहले उपभोक्ता की मंजूरी लेना अनिवार्य होगा।

टेलीफोन रेगुलेटरी ऑफ इंडिया (ट्राई) की सख्ती के बाद भी लोगों के मोबाइल पर अनचाहे कॉल और एसएमएस धड़ल्ले से आ रहे हैं। ट्राई ने डू नॉट डिस्टर्ब (डीएनडी) सुविधा की शुरूआत 27 सितंबर 2011 से की थी। इसका उद्देश्य लोगों को अनचाहे कॉल और मैसेज से राहत दिलाना था। इसके बाद भी उपभोक्ताओं को राहत नहीं मिल रही है। इस सेवा के तहत लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इसके बाद भी कॉल कर उपभोक्ताओं को डिस्टर्ब करने का सिलसिला जारी है। टेलीकॉम अधिकारियों के अनुसार, सेवा शुरू होने से लोगों को थोड़ी राहत अवश्य मिली है। रजिस्ट्रेशन के बाद भी अनचाहे कॉल आ रहे हैं, तो इसकी शिकायत ट्राई से की जा सकती है। इसके बाद ट्राई मोबाइल कंपनियों से जुमार्ना वसूल कर उसे ब्लैक लिस्ट कर सकती है। उपभोक्ताओं को अनचाहे कॉल या मैसेज आने की शिकायत हो, तो वे इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं।

आप अपने सेल फोन पर आने वाली अनचाही कॉल्स से परेशान हैं तो यह खबर आपको थोड़ा सुकून देगी। अंत्येष्टि कार्यक्रम के दौरान एक शख्स के पास लोन का कॉल पहुंचा, उपभोक्ता अदालत ने ने कंपनी और कॉलर को पीड़ितों को मुआवजा देने का फैसला सुनाया। वडोदरा के उपभोक्ता फोरम ने टेलिकॉलर कंपनी आई-क्यूब और कॉलर कन्हैयालाल ठक्कर को अनचाही कॉल कर ग्राहक को परेशान करने की एवज में 20,000 रुपये मुआवजा अदा करने का फैसला सुनाया है। कॉलर सिटी बैंक का क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन बेच रहा था। जब कॉलर फोन के जरिए लोन की पेशकश कर रहा था तब शिकायतकर्ता अपने रिश्तेदार की अंत्येष्टि में व्यस्त था। कोर्ट के इस फैसले के मुताबिक, कंपनी और कॉलर, दोनों को 10-10 हजार रुपये का मुआवजा देना होगा।

इतना ही नहीं, आई-क्यूब और वोडाफोन एस्सार गुजरात लिमिटेड को कन्ज्यूमर वेलफेयर फंड को 10,000 रुपयों की पेमेंट करने के लिए भी कहा गया क्योंकि शिकायतकर्ता ने टेलिकॉलर कंपनी के साथ उनका नाम, नंबर और व्यक्तिगत जानकारी शेयर करने का भी आरोप लगाया था, जो उ?की निजता का हनन है। मामला साल 2007 का है। सुनवाई के बाद कन्ज्?मर कोर्ट ने आई-क्यूब और कॉलर ठक्कर को दोषी पाते हुए मुआवजे का फैसला सुनाया।मोबाइल फोन यूजर्स की एक बड़ी समस्या होती है अनचाहे और बेवक्त पर आए कॉल्स. ये कॉल कभी भी बिना अनुमति के आ जाते हैं. कभी आप जरूरी मीटिंग में हो, आराम कर रहे हो या फिर ड्राइविंग कर रहे हो. यह कॉल आपको परेशान कर देते हैं. वहीं नियमित अंतराल पर आने वाले यह कॉल खीझ भी पैदा करते हैं. कभी-कभार तो त्रुइकॉलेर से आपको इस बारे में जानकारी मिल जाती है कि यह टेलीमार्केटिंग कॉल है लेकिन कभी यह बात पता नहीं चल पाती है. ऐसे में इन कॉल से छुटकारा पाने के लिए जरूरी है कि इन्हें ब्लॉक करें. साथ ही डू नॉट डिस्टर्ब ऑप्शन का इस्तेमाल करें.

भारतीय अदालतों और भारतीय रिजर्व बैंक (फ्ङ्क) ने टेलीमार्केटिंग कंपनियों को विज्ञापन, मार्केटिंग और उत्पादों की सीधी बिक्री विशेष रूप से क्रेडिट कार्ड और बैंक ऋण के लिए अवांछित कॉल करके व्यक्तियों की गोपनीयता पर आक्रमण करने से प्रतिबंधित कर दिया है। हालांकि, ये प्रतिबंध भारत में टेलीमार्केटिंग को समाप्त नहीं करेंगे क्योंकि कंपनियां संभावित ग्राहकों के साथ भी संचार करना जारी रखती हैं। संशोधित बैंकिंग लोकपाल योजना के तहत, एक पीड़ित ग्राहक क्रेडिट कार्ड पर आरबीआई के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने के लिए बैंक/एनबीएफसी के खिलाफ संबंधित लोकपाल के पास शिकायत दर्ज कर सकता है।सरकार को टेलीमार्केटिंग को विनियमित करने के लिए एक कानून बनाकर सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों और उपभोक्ता अदालत के फैसले की भावना को पूरा करने की आवश्यकता है ताकि टेलीमार्केटर्स व्यक्तिगत गोपनीयता पर आक्रमण किए बिना और भारत के संविधान में निहित नागरिकों के मौलिक अधिकारों को प्रभावित किए बिना अपना व्यवसाय संचालित करें।

दीपक कुमार तिवारी

बांग्लादेश की कंगाली से बिहार होगा मालामाल

दिल्ली-मुंबई वालों के निकलेंगे आंसू, समझें बिजनेस का पूरा समीकरण

बांग्लादेश में चल रहे राजनीतिक अशांति की वजह से बिहार के कपड़ा उद्योग को फायदा हो सकता है। बांग्लादेश के कुछ बड़े कपड़ा उद्योगपति बिहार में कारोबार की संभावनाएं तलाश रहे हैं। बिहार में पहले से ही कुशल कारीगरों की बड़ी संख्या मौजूद है, जो इस उद्योग को आगे बढ़ाने में मददगार साबित हो सकती है।

कपड़ा उद्योग के जानकारों का कहना है कि बांग्लादेश के जो कपड़ा उत्पादक भारत के साथ सीधे कारोबार करते हैं, वे अभी स्थिति का आकलन कर रहे हैं। वे अंतरराष्ट्रीय बाजार की मांग को पूरा करने के लिए जरूरी कदम उठाने पर विचार कर रहे हैं। अगर बांग्लादेश की स्थिति नहीं सुधरती है, तो सस्ते श्रम की तलाश में वे बिहार में अपनी इकाइयां स्थापित कर सकते हैं या यहाँ की मौजूदा इकाइयों को काम दे सकते हैं। निवेशक मुजफ्फरपुर, भागलपुर, गया और कटिहार जैसे शहरों में अपनी फैक्ट्रियां और इकाइयां लगाने पर विचार कर रहे हैं।

हालांकि तिरुपुर,दिल्ली,मुंबई, नोएडा, इंदौर और कोलकाता जैसे शहर भारत में

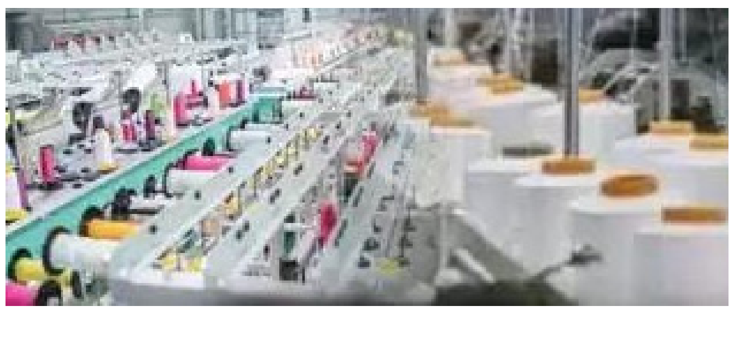

कपड़ा उद्योग के बड़े केंद्र के रूप में पहले से ही स्थापित हैं, लेकिन बिहार अपने सस्ते और कुशल कारीगरों की बदौलत इस क्षेत्र में अपनी जगह बना रहा है। कई बड़े ब्रांड यहाँ काम शुरू कर चुके हैं और कुछ जल्द ही काम शुरू करने वाले हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, बिहार में कपड़ा उत्पादन से जुड़ी 30 औद्योगिक इकाइयां हैं, जिनमें 400 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ है। इसके अलावा, ऐसी लगभग एक दर्जन इकाइयां हैं जो एसआईपीबी में पंजीकृत नहीं हैं।

वर्ष 2022 में नई टेक्सटाइल नीति लागू होने के बाद, बिहार में निवेश के 88 प्रस्ताव आ चुके हैं। इनमें से कई को मंजूरी मिल चुकी है और कुछ दूसरे चरण में हैं। इन प्रस्तावों में 482 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव है। वर्ष 2016 की औद्योगिक नीति के तहत 42 इकाइयों ने बिहार में निवेश के लिए पंजीकरण कराया था। इससे साफ है कि बिहार में कपड़ा उद्योग तेजी से आगे बढ़ने वाला है और इसके लिए पूरी तैयारी है।

-शिवराज सिंह चौहान-

भारतीय कृषि का अमृतकाल

किसान होने के नाते मैं भलीभांति समझता हूं कि बढ़िया उत्पादन के लिए अच्छे बीज कितने आवश्यक हैं। अगर बीज उन्नत और मिट्टी एवं मौसम की प्रकृति के अनुकूल होंगे तो उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। मोदी ने यह समझा और व्यापक विजन के साथ इस दिशा में कार्य करने के लिए मार्गदर्शित किया। विविधता भारतीय कृषि की विशेषता है। यहां कुछ दूरी के अंतराल पर ही खेती का मिजाज बदल जाता है। जैसे मैदानी खेती अलग है तो पहाड़ों की खेती अलग। इन सभी भिन्नताओं और विविधताओं को ध्यान में रखते हुए फसलों की 109 नई किस्में जारी की गई हैं। इनमें खेती की 69 किस्में और बागवानी की 40 किस्में राष्ट्र को समर्पित कर दी गई हैं।

कृषि विकास और किसान कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अन्न के माध्यम से हमारे जीवन संचालन के सूत्रधार अन्नदाता के जीवन में सुख-समृद्धि लाना हमारा संकल्प है। इस संकल्प की पूर्ति के लिए हम हरसंभव प्रयास करेंगे। किसान की आय बढ़ाने के लिए हमने छह सूत्रीय रणनीति बनाई है। उत्पादन बढ़ाना, खेती की लागत घटाना, उत्पादन के ठीक दाम दिलाना, प्राकृतिक आपदा में राहत की उचित राशि दिलाना, कृषि का विविधीकरण तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना इसके अहम पहलू हैं। उत्पादन बढ़ाने और लागत घटाने के लिए सबसे जरूरी हैं अच्छे बीज, जो कम पानी और विपरीत मौसम में भी बेहतर उत्पादन में सक्षम हो सकें। ऐसे बीजों की 109 नई किस्मों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र और किसानों को समर्पित किया है।

बीते 10 वर्षों में कृषि परिदृश्य तेजी से बदला है। ग्लोबल वार्मिंग तथा पर्यावरण असंतुलन जैसी समस्याओं के बीच उत्पादकता बढ़ाने की चुनौती खड़ी हो गई है। इस चुनौती से निपटने के लिए अगले पांच वर्षों में हमारा लक्ष्य जलवायु अनुकूल फसलों की 1500 नई किस्में तैयार करने का है। वर्तमान में विज्ञान से ही किसानों का कल्याण संभव है। मुझे अपने कृषि विज्ञानियों पर गर्व है जो जलवायु अनुकूल किस्में तैयार कर रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि कृषि में किए जा रहे नवाचारों से कृषि एवं किसान कल्याण सुनिश्चित होगा।

किसान होने के नाते मैं भलीभांति समझता हूं कि बढ़िया उत्पादन के लिए अच्छे बीज कितने आवश्यक हैं। अगर बीज उन्नत और मिट्टी एवं मौसम की प्रकृति के अनुकूल होंगे तो उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। मोदी ने यह समझा और व्यापक विजन के साथ इस दिशा में कार्य करने के लिए मार्गदर्शित किया। विविधता भारतीय कृषि की विशेषता है। यहां कुछ दूरी के अंतराल पर ही खेती का मिजाज बदल जाता है। जैसे मैदानी खेती अलग है तो पहाड़ों की खेती अलग। इन सभी भिन्नताओं और विविधताओं को ध्यान में रखते हुए फसलों की 109 नई किस्में जारी की गई हैं। इनमें खेती की 69 किस्में और बागवानी की 40 किस्में राष्ट्र को समर्पित कर दी गई हैं। भारत को ग्लोबल न्यूट्रिशन हब बनाने और श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने के लिए मोदी सरकार पूरी तरह संकल्पबद्ध है।

हमारा संकल्प है कि किसान के परिश्रम का उचित मूल्यांकन हो और उन्हें फसलों का उचित दाम मिले, इसके लिए हम न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद कर रहे हैं। किसानों की आय बढ़ाना हमारी प्राथमिकता में है और उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ भारत की चिंता भी रही है कि मानव शरीर और मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित उत्पादन हो। आज भारत नई हरित क्रांति का साक्षी बन रहा है। हमारे अन्नदाता ऊजार्दाता तथा ईंधनदाता भी बन रहे हैं। मोदी के प्रयासों से खेती के साथ ही पशुपालन, मधुमक्खी पालन, औषधीय खेती, फूलों-फलों की खेती सहित अन्य संबंधित क्षेत्रों को सशक्त बनाया जा रहा है।

पूर्ववर्ती सरकारों की प्राथमिकता में कृषि और किसान रहे ही नहीं। जबकि मोदी के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। वर्ष 2013-14 में कृषि मंत्रालय का बजट 27 हजार 663 करोड़ रुपये था जो 2024-25 में बढ़कर 1 लाख 32 हजार 470 करोड़ रुपये हो गया है। यह बजट सिर्फ कृषि विभाग का है। कृषि से संबद्ध क्षेत्रों और फर्टिलाइजर सब्सिडी के लिए अलग बजट है। मोदी सरकार किसानों को यूरिया और डीएपी सस्ती दरों पर उपलब्ध करा रही है। यूरिया पर सरकार किसानों को करीब 2, 100 रुपये सब्सिडी जबकि डीएपी के एक बैग पर 1083 रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से किसान स्वावलंबी और सशक्त हुआ है। फसलों के नुकसान पर भी फसल बीमा योजना किसानों के लिए एक सुरक्षा कवच है।

मोदी सरकार में किसान को सशक्त बनाने के लिए बीज से लेकर बाजार तक हर वह फैसला लिया, जो किसानों के लिए खेती को और आसान बनाए। उनकी मुश्किलें कम करे और मुनाफा बढ़ाए। इसी कड़ी में एक लाख करोड़ रुपये की एग्री इन्फ्रा फंड के जरिये कृषि से जुड़ा बुनियादी ढांचा विकसित किया जा रहा है। पूरे देश में 700 से अधिक कृषि विज्ञान केंद्र किसान और विज्ञान को जोड़ रहे हैं। नमो ड्रोन दीदी योजना के जरिये टेक्नोलाजी से दूरदराज की हमारी माताओं-बहनों को भी जोड़ा जा रहा है। कृषि सखियों को प्रशिक्षण देने के पहले चरण में अब तक 35 हजार कृषि सखियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

मोदी का विजन है कि भारत कृषि में आत्मनिर्भर बने। इस दिशा में भी रणनीति बनाकर कार्य किया जा रहा है। अगले पांच वर्षों में हम 18, 000 करोड़ रुपये की लागत से 100 निर्यात केंद्रित बागवानी क्लस्टर बनाएंगे। किसानों के लिए मंडी तक पहुंच बेहतर बनाने के लिए 1500 से अधिक मंडियों का एकीकरण किया जाएगा। साथ ही 6, 800 करोड़ रुपये की लागत से तिलहन मिशन की शुरूआत कर रहे हैं। सब्जी उत्पादन क्लस्टर बनाने की भी तैयारी है। इससे छोटे किसानों को सब्जियों-फल और अन्य उपज के लिए नए बाजार और बेहतर दाम मिलेंगे। सरकार ने यह संकल्प भी लिया है कि दलहन फसलों में तुअर, उड़द और मसूर की पूरी खरीद एमएसपी पर की जाएगी।

यजुर्वेद में उल्लिखित है 'अन्नानां पतये नमः क्षेत्राणां पतये नमः' अर्थात अन्न के स्वामी और खेतों के स्वामी अन्नदाताओं को नमन। कृषि पराशर में भी उल्लेख है - अन्न ही प्राण है, अन्न ही बल है एवं अन्न ही समस्त प्रयोजनों का साधन है। किसानों के बिना इस देश का अस्तित्व ही अधूरा है। इसलिए हमारे प्राचीन शास्त्रों में भी किसानों को प्रणाम किया गया है। कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसका आत्मा। हमारे लिए किसान की सेवा भगवान की पूजा है। आज प्रधानमंत्री मोदी के दीर्घकालिक विजन तथा सर्वांगीण, सर्वस्पर्शी, समावेशी और समग्र विकास वाले सोच के साथ भारत एवं भारतीय कृषि निरंतर आगे बढ़ रही है और मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे किसान भाई-बहन आजादी के अमृतकाल में आत्मनिर्भर भी बनेंगे और समृद्ध संपन्न होने के साथ-साथ देश के अन्न भंडार भरते रहेंगे।

(लेखक भारत सरकार में कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री है)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

आया राम-गया राम ने बढ़ाई भाजपा-कांग्रेस की टेंशन बागी मांग रहे टिकट, इन सीटों पर फसेगा पेच

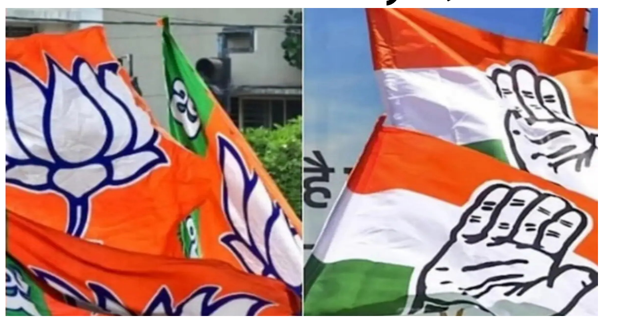

चंडीगढ़। विधानसभा चुनाव एलान के बाद राज्य के प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा और कांग्रेस मजबूत उम्मीदवार को उतारने की तैयारी में जुट गए हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि अगले हफ्ते की शुरूआत में उम्मीदवारों के नाम घोषित किए जा सकते हैं। मगर राजनीतिक दलों के लिए यह सब इतना आसान नहीं होने वाला। दरअसल, पिछले एक साल में दोनों ही दलों में कई बागी शामिल हुए हैं। कांग्रेस में तो 45 से ज्यादा पूर्व विधायक व चेयरमैन शामिल हो चुके हैं। भाजपा में भी शामिल हुए ऐसे नेताओं की लंबी सूची है।

ये सभी बागी भी विधानसभा चुनाव में दावेदारी जता रहे हैं। जिन इलाकों से यह चुनाव लड़ना चाहते हैं, वहां पहले से पार्टी के उम्मीदवार मौजूद हैं, जो लंबे समय से ग्राउंड पर मेहनत कर रहे हैं। ऐसे में भाजपा और कांग्रेस के सामने दिक्कत यह है कि राज्य में माहौल बनाने के लिए इन बागियों को पार्टी में शामिल तो कर लिया, मगर टिकटों के बंटवारे को लेकर पुराने व नए साथियों के बीच सामंजस्य बैठाना पहाड़ जैसी चुनौती है। पार्टी को उनकी नाराजगी का भी डर सता रहा है।

भाजपा : रानियां, हिसार और चरखी दादरी में कड़ी टक्कर...भाजपा के सामने ताजा चुनौती राज्य के ऊर्जा मंत्री रणजीत चौटाला ने पेश की है। वह पिछली बार निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर रानियां सीट से विधानसभा चुनाव जीते थे। भाजपा में शामिल होने के बाद वह भाजपा से दावा ठोक चुके हैं। वहीं, इसी सीट से भाजपा के साझेदार हलोपा के गोपाल कांडा के भतीजे धवल कांडा भी दावेदारी जता चुके हैं। दोनों के बीच चल रहे घमासान ने भाजपा को परेशानी में डाल दिया है। गोपाल कांडा लगातार भाजपा के शीर्ष नेताओं से मिल रहे हैं और सीट की दावेदारी छोड़ने को तैयार नहीं है।

हिसार में भाजपा से दावेदारी को लेकर अंदरखाते जोर आजमाइश चल रही है। हिसार से स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कमल गुप्ता भाजपा के टिकट से सबसे मजबूत दावेदार हैं। वहीं, लोकसभा चुनाव से ऐन पहले कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुईं सावित्री जिंदल भी दावेदारी जता चुकी हैं। हिसार सावित्री जिंदल की परंपरागत सीट है।

इस सीट पर जिंदल परिवार का 2009 तक कब्जा रहा है। कमल गुप्ता ने 2014 में सावित्री जिंदल को हराकर यह सीट हथिया ली थी। पिछले चुनाव में भी गुप्ता ने जीत दर्ज की थी। पिछले दिनों सावित्री जिंदल ने हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात अपनी दावेदारी और मजबूत कर दी है।

चरखी दादरी में भी यही हालात...ऐसे ही कुछ हालात चरखी दादरी में भी बन रहे हैं। पिछली बार भाजपा से चुनाव मैदान में उतरीं बबीता फोगाट फिर से तैयारी में जुट गई है। वह लागातर लोगों से मिल रही हैं। इसी सीट से पूर्व मंत्री सतपाल संगवान भी भाजपा से दावेदारी जता रहे हैं। सांगवान कुछ समय पहले ही पूर्व सीएम मनोहर लाल के माध्यम से जजपा से भाजपा में शामिल हुए थे। वह छह बार विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं। 2009 में कैबिनेट मंत्री भी रह चुके हैं।

इसी तरह यमुनानगर की रादौर सीट से पूर्व राज्यमंत्री कर्ण देव कांबोज दावेदारी पेश करते आए हैं। पिछला चुनाव हारने पर उन्होंने जिस पर अपनी हार का ठीकरा फोड़ा था, वह श्याम सिंह राणा पिछले दिनों भाजपा में शामिल हो गए। इनेलो ने उनकी टिकट भी घोषित कर दी थी। उधर, ऐलनाबाद सीट से भाजपा नेता गोबिंद कांडा दावेदारी जताते रहे हैं। मगर कुछ दिन पहले जजपा से भाजपा में शामिल हुए मीनू बेनीवाल भी दावा ठोक चुके हैं।

कांग्रेस : चरखी दादरी, शाहाबाद और टोहाना में फंसा पेच

भाजपा की तरह कांग्रेस के सामने भी यही दुविधा है कि वह अपने लोगों को टिकट दे या फिर दल-बदुलओं को। इसके अलावा यहां पर हुड्डा और सैलजा गुट होने की वजह से दावेदार भी अधिक हैं। 90 सीटों के लिए करीब 2500 उम्मीदवारों ने आवेदन कर रखा है। लोकसभा चुनाव के दौरान तीन निर्दलीय विधायक सोमबीर सांगवान (दादरी), रणधीर सिंह गोलन (पुंडरी) और धर्मपाल गोंदर (नीलोखेड़ी) ने भाजपा से समर्थन खींच कांग्रेस को दिया था। बताया जा रहा है कि तीनों निर्दलीय विधायक कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ना चाहते हैं और इसी शर्त पर उन्होंने कांग्रेस को समर्थन दिया था। मगर कांग्रेस में पहले से इन तीनों सीटों पर कई दावेदार हैं। दादरी से कांग्रेस में सोमबीर सांगवान के अलावा 35 दावेदार हैं। इसमें तीन पूर्व विधायक भी शामिल हैं। वहीं, रणधीर सिंह गोलन और धर्मपाल गोंदर भी चुनाव लड़ना चाहते हैं, मगर इन दोनों ने कांग्रेस से आवेदन नहीं किया है।

शाहबाद सीट पर प्रत्याशी कांग्रेस के लिए बनेगा सिरदर्द

जजपा के बागी विधायक रामकरण काला ने शाहबाद से कांग्रेस से आवेदन कर रखा है, जबकि इस सीट से पूर्व विधायक अनिल कुमार धंनतोरी, लेहरी सिंह और प्रदीप नरवाल भी प्रमुख दावेदार हैं। जजपा के एक अन्य बागी विधायक व पूर्व मंत्री देवेंद्र सिंह बबली भी कांग्रेस से चुनाव लड़ना चाहते हैं। यहां भी तगड़ा मुकाबला है। जजपा के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व विधायक निशान सिंह और पूर्व मंत्री परमवीर सिंह भी दावेदार हैं। इसी तरह लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस में शामिल हुए अवतार सिंह भड़ाना नांगल चौधरी से विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने कांग्रेस दफ्तर में आवेदन भी किया। इसी सीट से पूर्व विधायक मोला राम, पूर्व विधायक जसवंत सिंह सहरावत, रिटायर्ड आईएएस विनय सिंह यादव भी टिकट के लिए प्रबल दावेदार हैं।

भाजपा ने टिकटों के लिए शुरू किया मंथन, गुरुग्राम में जुटे दिग्गज

चंडीगढ़। भाजपा की 21 सदस्यीय चुनाव समिति की दो दिवसीय बैठक वीरवार शाम गुरुग्राम में शुरू हो गई। बैठक का मकसद सभी 90 विधानसभा सीटों के लिए संभावित उम्मीदवारों पर चर्चा कर पैनल तैयार करना है। पहले दिन बैठक में गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल और रेवाड़ी जिलों के पदाधिकारियों को अलग-अलग बुलाकर समिति के पदाधिकारियों की मौजूदगी में चर्चा की गई। बाकी जिलों पर चर्चा शुक्रवार को की जाएगी। उसके बाद हर विधानसभा सीट का पैनल तैयार कर केंद्रीय चुनाव समिति के पास भेजा जाएगा। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक 25 अगस्त को प्रस्तावित है। इस बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह समेत अन्य बड़े नेता हिस्सा लेंगे।

बैठक में केंद्रीय मंत्री व हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, सह प्रभारी बिप्लब कुमार देब, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, चुनाव प्रबंधन समिति संयोजक कुलदीप बिश्नोई, प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, सह प्रभारी सुरेंद्र नागर, राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़, सह प्रभारी संगठन मंत्री फणींद्रनाथ शर्मा शामिल रहे। पहले दिन बैठक में हर जिले से फीडबैक भी लिया गया। बैठक में शीर्ष नेतृत्व ने कहा कि जिताऊ उम्मीदवार को ही टिकट दिया जाएगा। इसके लिए पार्टी किसी तरह का समझौता नहीं करेगी। शुक्रवार को यह बैठक पूरे दिन चलेगी, जिसमें बाकी पदाधिकारियों को बुलाकर चर्चा की जाएगी। बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर, केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, केंद्रीय चुनाव समिति की सदस्य सुधा यादव, विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता, पूर्व मंत्री अनिल विज, सांसद धर्मवीर सिंह, कैप्टन अभिमन्यु, सुनीता दुग्गल ने भी अपने सुझाव रखे।

बिप्लब से मिले कांडा, मनोहर से किरण व श्रुति...भाजपा चुनाव समिति की बैठक से पहले विधानसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों को मिलना जारी रहा। विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर हलोपा नेता व विधायक गोपाल कांडा ने बुधवार को सहप्रभारी बिप्लब कुमार देब से मुलाकात की। वहीं, किरण चौधरी ने बेटी श्रुति के साथ केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात की। किरण ने अपने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि संसद के उच्च सदन में भाजपा प्रत्याशी मनोनीत होने के बाद केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात की। वहीं, देब से मुलाकात के दौरान कांडा ने सीटों के बंटवारे को लेकर चर्चा की है। भाजपा चुनाव समिति की बैठक से पहले यह मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है।

लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को ओमप्रकाश चौटाला से दूरी बनाना पड़ा भारी : अभय चौटाला

कुरुक्षेत्र। इनेलो नेता अभय चौटाला ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले बर मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला नहीं विभिन्न पार्टियों को मिलाकर महागठबंधन की पहल की थी। नीतीश कुमार के कहने पर ओमप्रकाश चौटाला गठबंधन में कांग्रेस को शामिल करने पर राजी हुए थे लेकिन कांग्रेस ने इंडिया गठबंधनं से नए केवल नीतीश को बाहर कर दिया बल्कि ओम प्रकाश चौटाला को भी दूर किया और इसका बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ा।

ओम प्रकाश चौटाला वी नीतीश कुमार की सोच के अनुसार गठबंधन होता तो आज सरकार गठबंधन की ही होती। यह कहना है इनेलो नेता अभय चौटाला का। वे आज पिपली अनाज मंडी में इनेलो व बसपा गठबंधन के कार्यकताओं को संबोधित कर रहे थे। कार्यकर्ता सम्मेलन में अभय चौटाला ने कहा कि झूठे दावों के दम पर सत्ता में आई भाजपा को दूर करने के लिए ओम प्रकाश चौटाला ने सही सोच के साथ फैसला लिया था लेकिन इंडिया गठबंधन के नेताओं की सोच का परिणाम रहा की आज हुए ही केंद्र में सत्ता से दूर रहें है।

अभय चौटाला ने कहा कि अब प्रदेश में भाजपा को सत्ता से दूर करने के लिए इनेलो का बस प्रकार गठबंधन हुआ है और इस गठबंधन की सरकार बनी तो पूरे देश में बड़ा संदेश जाएगा।

अगली बार आने वाले लोकसभा चुनाव में बसपा सुप्रीमो मायावती देश की प्रधानमंत्री बनेगी लेकिन इसके लिए दोनों पार्टी के कार्यकताओं को की जान से कार्य करना होगा और पहले हरियाणा प्रदेश में सत्ता लानी होगी।

हरियाणा विधानसभा चुनाव: टिकट को लेकर कश्यप समाज ने ठोकी दावेदारी, 4 सीटों पर बताया समाज का बाहुल्य

अंबाला। कश्यप समाज ने भी विधानसभा चुनाव में टिकट को लेकर दावेदारी ठोक दी है। शुक्रवार को शहर के मॉडल टाउन अंबाला क्लब में अखिल भारतीय आदिवासी कश्यप कहार निषाद भोई समन्वय समिति ने बैठक की। बैठक में कई राज्यों से समिति पदाधिकारी पहुंचे। समिति के राष्ट्रीय समन्वयक राजा राम कश्यप ने प्रेसवार्ता में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि उनकी संस्था पूर्ण रूप से गैर राजनीतिक है, लेकिन अगर उनके समाज का कोई नुमाइंदा विधानसभा या लोकसभा में नहीं जाएगा तो समाज की आवाज को कोई नहीं उठाएगा। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि कश्यप समाज का बोर्ड या निगम बनाया जाए ताकि समाज की समस्याओं को सुनकर सरकार को रिपोर्ट दी जा सके।

उन्होंने यह भी कहा कि वह चुनाव में भाजपा, कांग्रेस, इनेलो, बसपा सहित सभी राजनीतिक पार्टियों के पास जाएंगे और अपने उन लोगों की टिकट के लिए सिफारिश करेंगे, जो राजनीतिक पार्टियों में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में कश्यप समाज की जनसंख्या 18 करोड़ हैं, उनको अनुपात में राजनीतिक भागीदारी दी जाए। अगर राजनीतिक पार्टियां समाज को भागीदारी नहीं देती तो उनका पिछड़ापन कैसे दूर होगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में 4 सीट इंद्री, घरौंडा, पानीपत ग्रामीण, जगाधरी ऐसी है, जहां समाज बाहुल्य है, वहां से समाज के पदाधिकारियों को टिकट देंगे तो वह समाज का विकास करेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि जो पार्टी उनको राजनीतिक भागीदारी देगी, समाज उनको ही चुनाव में समर्थन देगा। वहीं, उन्होंने 5 सितंबर को दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में होने वाले सामाजिक राष्ट्रीय प्रतिनिधि सम्मेलन को लेकर निमंत्रण भी दिया। राष्ट्रीय समन्वयक राजा राम कश्यप ने बताया कि इस सम्मेलन में देशभर से कश्यप समाज के लोग पहुंचेंगे।

बाइक सवार बदमाशों ने प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस में की अंधाधुंध फायरिंग

रेवाड़ी। रेवाड़ी में एक प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस में घुसकर बाइक सवार बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस हादसे में ऑफिस के अंदर बैठे दो लोगों को 8 गोलियां लगने की सूचना है। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। एक घायल का इलाज ट्रामा सेंटर और दूसरे का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। घायलों की पहचान गोकलगढ़ निवासी योगेश और साल्हावास निवासी रविंद्र के रूप में हुई है। योगेश को 6 गोलियां लगी हैं जबकि रविंद्र को 2 गोलियां लगी हैं। वारदात पटौदी रोड स्थित आईटीआई के सामने बाइक सवार बदमाशों ने एक प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस में हुई है।

सूचना मिलने के बाद डीएसपी पवन कुमार, सीआईए-1 प्रभारी सुमेर सिंह और सदर थाना प्रभारी रजनीश कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस टीमें वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों की तलाश कर रही हैं। घायल योगेश प्रॉपर्टी डीलर है। पटौदी रोड पर आईटीआई के सामने उन्होंने अस्थाई प्रॉपर्टी डीलिंग ऑफिस बना रखा है। शुक्रवार को रविंद्र उनके पास आया था। दोनों ऑफिस में बैठे थे। 3 बदमाश सीधे आए और फायरिंग शुरू कर दी।

गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक बाइक सवार बदमाश पटौदी की तरफ भाग चुके थे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट चुकी है। बाइक सवार बदमाश कौन थे और वारदात को अंजाम क्यों दिया गया, इस मामले की अभी पड़ताल की जा रही है।

सफाई कर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर सड़क व बाजारों में लगे कूड़े के ढेर

मोहाली। मोहाली में नगर निगम के सफाई कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर चले गए हैं। सफाई कर्मचारियों ने शुक्रवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। नगर निगम में लगभग 600 सफाई कर्मचारी हैं। इन सभी कर्मी आज से हड़ताल पर हैं। कर्मचारियों की हड़ताल का असर पहले दिन से दिखना शुरू हो गया है। मोहाली शहर के बाजारों में गंदगी के ढेर लग गए हैं। सड़क किनारे कूड़ा और गंदगी फैली हुई है। जहां रोजाना सुबह-सुबह शहर के सभी मार्केट व अन्य सड़कों की सफाई होती थी, शुक्रवार सुबह सफाई न होने की वजह से हर जगह गंदगी फैली हुई है। सड़क से लेकर बाजारों की पार्किंग में कूड़े के ढेर लग हुए हैं। यहां तक कि सफाई कर्मचारी घरों से कूड़ा उठाने भी नहीं पहुंचे हैं, जिस वजह से लोगों को भी परेशानी हो रही है। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर मोहाली में शुक्रवार को बाजारों और सड़कों के किनारे गंदगी के ढेर लग गए हैं।

सरबजीत कलसी ने NSA को दी चुनौती, हाई कोर्ट ने पंजाब और केंद्र सरकार से मांगा जवाब

चंडीगढ़। खालिस्तानी समर्थक और वारिस पंजाब दे के प्रमुख व खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह के साथी सरबजीत सिंह कलसी ने भी उसपर नए सिरे से लगाए गए नेशनल सिक्योरिटी एक्ट (एनएसए) के आदेश को चुनौती दी है। सरबजीत सिंह कलसी ने पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इससे पहले अमृतपाल सिंह ने भी एनएसए को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में याचिका लगाई थी।

वहीं अब सरबजीत सिंह कलसी की तरफ से पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट में दायर की गई याचिका में कहा कि उस पर नए सिरे से लगाए एनएसए के आदेश पूरी तरह से गलत हैं। इसलिए इस आदेश को रद किया जाए।

कलसी ने कहा वह फिल्म कलाकार और निर्देशक है। इसका न तो अजनाला केस और न ही किसी अन्य मामले से उसका कोई संबंध है। उसे जानबूझकर इस मामले में फंसाया जा रहा। इसलिए उस पर नए सिरे से लगाए एनएसए के आदेश रद रद कर उसे राहत दी जाए। याचिका पर शुक्रवार को पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू और जस्टिस अनिल क्षेत्रपाल की बेंच ने सुनवाई की। बेंच ने कलसी की इस याचिका पर पंजाब सहित केंद्र सरकार को तलब करते हुए नोटिस जारी कर तीन हफ्तों में जवाब दाखिल करने के आदेश दे दिए हैं।

2 पक्षों में जमकर चले थप्पड़ व ईंटें, छुड़वाने के प्रयास में अस्पताल स्टाफ को आई लगीं चोट

दादरी । चरखी दादरी के पटवारी कार्यालय में हुए विवाद के बाद सिविल अस्पताल पहुंचे साहुवास गांव निवासी दो पक्ष फिर से भिड़ गए। सिविल अस्पताल नए भवन के गेट के सामने दोनों पक्षों के बीच डेढ़ मिनट जमकर थप्पड़ और ईंटें चलीं। इतना ही नहीं उन्हें छुड़वाने के प्रयास में अस्पताल के कर्मचारियों को भी मामूली चोटें आईं जबकि दोनों पक्षों से चार लोग भी घायल हो गए। सिविल अस्पताल पुलिस चौकी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और दोनों पक्षों को अलग किया।

सिविल अस्पताल में दो पक्षों के बीच लात-घूसे और ईंटें चलने की घटना शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे की है और इससे वहां अफरा-तफरी मच गई। सूत्रों की मानें तो अस्पताल परिसर में भिड़ने वाले दोनों पक्ष साहुवास गांव और एक ही परिवार से हैं। वो शुक्रवार को पटवारी कार्यालय पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि वहां उनकी कहासुनी हुई और देखते ही देखते नौबत मारपीट तक आ पहुंची।

इसमें कुछ लोगों को चोटें लगीं और उन्हें उपचार के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया। दोपहर करीब दो बजे अस्पताल नए भवन के गेट पर ही दोनों पक्ष फिर से भिड़ गए। उन्होंने ईंटें उठाकर एक-दूसरे पर वार किए। वहीं, अस्पताल के कर्मचारियों ने जब बीच-बचाव का प्रयास किया तो वो भी चोटिल हो गए। वहीं, दो मिनट बाद ही सिविल अस्पताल चौकी पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई, लेकिन तब तक दोनों पक्षों के लोग अधर-उधर जा चुके थे।

सोनीपत में जज ने SDO कार्यालय सील करने के दिए आदेश

सोनीपत । सोनीपत के खरखौदा शहर के रोहतक मार्ग पर लघु सचिवालय के पीछे बने सब डिविजनल जूनियर मजिस्ट्रेट (एसडीजेएम) के सरकारी आवास की बिजली काटने का मामला सामने आया है। आरोप है कि बिजली निगम के कर्मचारियों ने बिजली काट दी। न्यायिक आवास परिसर में काम करने वाले चपरासी की शिकायत पर पुलिस ने दो बिजली कर्मियों के खिलाफ सरकारी काम में बाधा पहुंचाने समेत अन्य धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है।चपरासी अनिल का कहना है कि वह एसडीजेएम विक्रांत के आवास पर तैनात है। वहां सुरक्षा में नियुक्त एसपीओ वीरेंद्र ने वीरवार रात कॉल कर उन्हें बताया कि गेट पर दो बिजली कर्मी आए हैं और अंदर आने की बात कह रहे हैं। जिस पर उन्होंने एसपीओ को उन्हें अंदर जाने देने से मना कर दिया था। उसके बाद बिजली कर्मियों ने गार्ड से फोन ले लिया और उन्हें कहा कि आवास की बिजली काटने के आदेश ऊपर से आए हुए हैं। इसके कुछ देर बाद ही बिजली कर्मियों ने खंभे पर से जज के आवास की बिजली काट दी। चपरासी का कहना है कि बिजली कर्मियों ने यह गलत काम किया है, उन्होंने सरकारी काम में बाधा डाली है। जिससे की सरकारी कार्य करने में भी देरी हुई है। चपरासी की शिकायत पर पुलिस ने दो बिजली कर्मियों पर विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सीएम की दौड़ में हमेशा रहूंगा: कुलदीप बिश्नोई बोले- पता नहीं किस्मत करवट बदल ले, भव्य को मंत्री बनाते तो...

हिसार। पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि मेरी लालसा सीएम बनने नहीं है। मुख्यमंत्री की दौड़ में तो हमेशा रहूंगा ही, पता नहीं किस्मत करवट बदल ले। फिलहाल मेरी इच्छा आदमपुर,हिसार और पूरे हरियाणा के विकास की है। मैं पूरे हरियाणा में ढाई बार गया हूं। चैलेंज के साथ कहता हूं हरियाणाा हर गांव में हमारा कार्यकर्ता, हमारा वोटर है। मैंने लोगों के लिए लाठियां भी खाई हैं। अपने पिता की प्रथा को भी आज भी निभा रहा हूं। किसी अच्छे कद के नेता ताकत देती है तो पार्टी भी मजबूत होती है। एक चैनल से बातचीत में पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि नेता अलग होता है विधायक अलग होता है। विधायक तो 90 हैं , नेता कुछ ही हैं।

बाहरी को टिकट देने के कारण हारे हिसार लोकसभा...मैंने कहा था चार सीट हारेंगे...लोकसभा चुनाव को लेकर जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक बाहरी व्यक्ति को हिसार में टिकट दे दी। जिसका यहां कोई जनाधार नहीं था। हमने उसके लिए सच्चे प्रयास भी किया लेकिन लोगों ने उनको वोट नहीं दिया। लोगों ने कहा कि हमारे व्यक्ति की टिकट गई , हमारे परिवार की टिकट कट गई। मेरी टिकट कटने से पार्टी को हिसार ही नहीं पूरे प्रदेश में हुआ। मुझे पता नहीं भाजपा के कौन सलाहकार हैं जो कुछ जगह पर गलती कर देते हैं। देर आएंगे दुरस्त आएंगे। बीजेपी भी आंखें खुलेंगी। लोकसभा के टिकट वितरण पर मैंने सीएम नायब सिंह सैनी से कहा था कि तीन चार टिकट गलत बाटी हैं हम चार सीट कम से कम हारेंगे।

मनोहरलाल के किस्से के कारण लोगों में गुस्सा...चौधरी भजनलाल से जुड़े पटवारी वाले किस्सा मनोहरलाल ने सुनाया उसका कितना नुकसान हुआ इस सवाल का जवाब देते हुए कुलदीप बिश्नोई ने कहा प्रदेश भर के लोगों में इससे गुस्सा था। मैंने बार बार लोगों को कहा कि मैंने माफ कर दिया ऐसी कोई बात नहीं है ,आप भी माफ कर दो। लोगों में जबरदस्त गुस्सा था और आज भी है। कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि पटवारी वाला किस्सा सच्चा है।

रावतखेड़ा के बिश्नोई चौधरी भजनलाल से मिलने चंडीगढ़ गए थे। उन लोगों चौधरी भजनलाल के सामने कहा था कि पटवारी ने रिश्वत मांग रहा है। जिसके बाद चौधरी भजनलाल ने कहा था कि कितने खर्चा लग गया। उन लोगों ने कहा कि आने जाने में 400 रुपये खर्च हो जाएंगे। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा था कि 200 रुपये तो वहां दे देते काम हो जाता। इसके बाद चौधरी भजनलाल ने अपनी जेब से 400 रुपये निकाल कर भी दिए , पटवारी को निलंबित किया गया था। गिरदावरी के जिस काम के लिए आए थे वह काम भी कराया था। मनोहरलाल ने किस्से का आखिरी हिस्सा नहीं सुनाया।

भव्य को मंत्री बनाते तो भाजपा को फायदा होता...कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि लोगों ने मेरा एक कद बना दिया है। मैं फाइल लेकर दफ्तर दफ्तर नहीं जा सकता। लोगों के काम के लिए फोन तो कर सकता हूं लेकिन दफ्तर में नहीं जा सकता। दस दिन में से दो दिन आदमपुर, दो दिन दिल्ली, 6 दिन चंडीगढ़ में रहकर लोगों के काम कराते हैं। भव्य बिश्नाई को मंत्री बनाते तो अच्छा रहता। इसका भाजपा को भी होता। आज आदमपुर में 42 प्रत्याशी घूम रहे हैं।इसमें 80 प्रतिशत लोग साढे चार महीने गायब रहते हैं। हम 56 साल से सेवा कर रहे हैं। यहां बंसीलाल, देवीलाल, ओमप्रकाश चौटाला,भूपेंद्र सिंह हुड्डा सभी आ चुके लेकिन यहां के लोग बहुत समझदार हैं।

आपके पास जमीन के खाता- खेसरा और खतियान से जुड़ी जानकारी नहीं,घबराएं मत!

संवाददाता।

पटना। बिहार के गांव में जमीन को लेकर होने वाले विवाद अब खत्म हो जाएंगे। बिहार में जमीन सर्वे का काम शुरू हो चुका है। बिहार सरकार ने पहले ही 20 जिलों के 89 अंचलों में सर्वेक्षण का काम पूरा कर लिया था। दूसरे चरण में 20 अगस्त, से सर्वे का काम शुरू किया गया है। (Bihar Lard survey) बिहार में भूमि सर्वे के लिए सरकार की ओर से विशेष कर्मचारियों की नियुक्ति भी की गई है। इसके अलावा जमीन का पूरा हिसाब-किताब उसके मालिक के पास रहे, इसका भी प्रयास किया जा रहा है। बिहार सरकार को उम्मीद है कि सर्वे के बाद भूमि विवाद के मामलों में कमी आएगी। इसके साथ ही सरकार को ये भी पता चल जाएगा कि बिहार में कितनी सरकारी जमीन है। उस पर किसका कब्जा है। उसके अलावा बिहार के कई गांव में इससे संबंधित कैंप लगाकर लोगों को जानकारी दी जा रही है।

सर्वे के दौरान एक सवाल लोगों के मन में उठ रहा है कि कई लोगों के पास अपने जमीन से जुड़ी जानकारी नहीं है। उनके पास कागजात भी नहीं है। खाता-खेसरा और खतियान से जुड़ी जानकारी उनके पास नहीं है। उसके अलावा ये भी दिक्कत है कि कई लोगों के पास कागजात नहीं है। इसे लेकर सरकार की ओर से कहा गया है कि ऐसे लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। सरकार ऐसे लोगों को मदद जरूर करेगी। उन्हें उनके खाता-खेसरा और खतियान की जानकारी दी जाएगी। सरकार की ओर से बताया गया है कि इसमें लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। अगर उन्हें खाता-खेसरा के बारे में पता नहीं है। उनके पास खतियान मौजूद नहीं है, तो ऐसी स्थिति में वे सरकारी अमीन की मदद ले सकते हैं।

आप अपने मालिकाना हक और कब्जे वाली जमीन पर अमीन को लेकर खाता-खेसरा के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए हर पंचायत में एक सरकारी अमीन इसी काम के लिए रखा गया है। लोगों को उससे संपर्क करना होगा। किसी भी बात के लिए पैनिक होने की जरूरत नहीं है। बिहार सरकार की ओर से लोगों को ये भी बताया गया है कि आखिर इस सर्वे की जरूरत क्यों पड़ी है। सरकार के मुताबिक बिहार में 100 साल पहले जमीन का सर्वे हुआ था। उसके बाद रिविजनल सर्वे 1977 में हुआ, लेकिन ये हर जिले में नहीं हो पाया। कई लोग अपने मालिकाना हक वाली जमीन की खरीद बिक्री कर चुके हैं। ऐसे में पुराने सर्वे का रिकॉर्ड अब कोई मायने नहीं रखता है। बताया जा रहा है कि कई जमीनों का मालिकाना हक बदल चुका है। ऐसे में सरकार की कोशिश है कि इस सर्वे के जरिए पुराने नक्शे और खतियान को अपडेट कर दिया जाए। इसके अलावा सरकार को जानकारी मिली है कि मालिकाना हक वाले ज्यादा लोग बिहार से बाहर भी रहते हैं। वे सर्वे के बारे में सुनकर परेशान हो रहे हैं। उनको ये लग रहा है कि अगर वे सर्वे के समय गांव में नहीं पहुंचते हैं, तो उस पर दूसरे का कब्जा हो जाएगा। जमीन किसी और के नाम पर चली जाएगी। हालांकि डॉक्यूमेंट को ऑनलाइन जमा करने का प्रावधान है।

बिहार सरकार के मुताबिक सर्वे नहीं होने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जमीन के खाता-खेसरा गायब रहते हैं। खतियान काफी पुराने होने की वजह से खराब हो जाते हैं। ऐसे में सर्वे होने से सब कुछ अपडेट कर दिया जाएगा। दाखिल-खारिज में भी आसानी हो जाएगी। कई बार बड़े-बड़े प्लाट का खाता खेसरा एक ही होता है। उसे कई लोग एक साथ मिलकर खरीदते हैं। इसमें दिक्कत होती है कि खेसरा नंबर एक ही रह जाता है। अब ऐसा नहीं होगा। अब सबका खेसरा नंबर अलग हो जाएगा। बिहार सरकार की ओर से जानकारी दी जा रही है कि इस सर्वे में सबका हिस्सा लेना जरूरी है। मालिकाना हक वाले लोग इसमें हिस्सा लें। हालांकि, ऐसे में उन लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। बिहार सरकार की ओर से लोगों को कागजात जमा करने का बकायदा समय दिया जाएगा। गांव में लगे शिविर में स्व घोषणा पत्र देने होंगे। जिसमें वंशावली समेत कुछ कागजात देने होंगे। इन्हें ऑफलाइन के अलावा ऑनलाइन भी भरा जा सकता है।

सर्वे के दौरान खतियान, केवाला, एलपीसी, दान वाली जमीन के कागजात और जमाबंदी के साथ मालगुजारी रसीद चाहिए। वारिस होने का प्रमाण पत्र और खरीद बिक्री के कागजात जमा करने होंगे। अगर किसी जमीन पर विवाद है, तो कोर्ट के आदेश भी जमा करने होंगे। जमीन पूर्वजों के नाम पर है, तो उनके मृत्यु प्रमाण पत्र की जरूरत पड़ेगी। उसके अलावा आवेदनकर्ता को अपने आधार कार्ड की कॉपी देनी होगी। इसके अलावा लोग बाहर रहते हैं। उन्हें यदि कागजात जमा करने हैं, तो वे ऑनलाइन इस https://dlrs.bihar.gov.in/ वेबसाइट पर जाकर अपना डॉक्यूमेंट जमा कर सकते हैं। बिहार सरकार के मुताबिक सर्वेक्षण टीम की ओर से जो रिकॉर्ड बनाया जाएगा, उसे आप 6 महीने बाद देख सकेंगे।इसे ड्राफ्ट पब्लिकेशन कहा जाता है। इसमें आपको कोई गलती दिखाई देती है, जैसे आपकी जमीन किसी और के नाम पर दिखाई जा रही है, तो आप अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायत की सुनवाई के वक्त आप खुद ही वहां मौजूद रहें।

औरंगाबाद: किसानों ने कर्ज लेकर खरीदी खाद,बोरी से निकले कंकड़-पत्थर

हंगामे के बाद दुकान सील

संवाददाता।

पटना/औरंगाबाद। बिहार के औरंगाबाद जिले के देव स्थित कमार्डीह मोड पर हिमांशु सीमेंट एवं खाद भंडार से किसानों को कंकड़ पत्थर की मिलावट वाली खाद दे दी गई। किसानों ने बताया कि कमार्डीह गांव के दर्जनों किसान हिमांशु सीमेंट एवं खाद भंडार से लगभग 100 बोरी से ज्यादा डीएपी खाद खरीदी थी। उन किसानों ने कुछ बोरी को खोल कर खाद का खेतों में छिड़काव भी किया, लेकिन फसल पर खाद का असर नहीं दिखाई दिया। इसके बाद किसानों ने जब बोरी को चेक किया तो दुकानदार की पोल खुल गई। खाद की बोरी में भारी मात्रा में कंकड़, पत्थर और धूल दिखाई दी। इस पर किसानों ने खाद को पानी से धोया तो उसमें आधे से ज्यादा कंक्रीट मिला हुआ पाया। इसके बाद सभी किसान खाद दुकान पर गए और खाद विक्रेता संजय पांडेय से खाद वापस कर दूसरी खाद मांगी। इसके बाद विक्रेता ने उनकी एक नहीं सुनी और उल्टे किसानों पर ही बरस पड़े। संजय ने किसानों से कहा कि जहां जाना है, वहां जाओ। इसके बदले दूसरी खाद नहीं मिलेगी। दुकानदार की बात सुनकर किसान भड़क गए और देव औरंगाबाद मुख्य पथ पर दुकान के सामने जमकर हंगामा करने लगे। किसानों का कहना था कि अधिकतर किसानों ने कर्ज लेकर खाद लिया था।हंगामे की सूचना पाकर प्रखंड कृषि पदाधिकारी कृष्णदेव चौधरी, जिला कोऑर्डिनेटर मोहन कुमार साहित कृषि विभाग के अन्य कर्मी मौके पर पहुंच गए। सभी किसान, हिमांशु सीमेंट भंडार पर खाद की सील बोरी भी लेकर आए थे। इस पर दुकान के मालिक संजय पांडेय, ब्लॉक के कृषि पदाधिकारी कृष्णदेव चौधरी और कोऑर्डिनेटर मोहन राम के समक्ष खाद की सील बोरी खोली गई। उसमें से खाद निकालकर चापाकल के पानी से धोते ही सच्चाई सामने आ गई। खाद में कंकर, पत्थर और बालू सामने आ गए।

कृषि पदाधिकारी कृष्णदेव चौधरी ने बताया कि किसानों की लिखित शिकायत पर तत्काल कार्यवाई करते हुए दुकान की जांच की। इसमें किसानों की शिकायत प्रथम दृष्टया सही पाई गई। खाद के नमूने को संग्रह कर जिला कृषि पदाधिकारी और लैब में जांच के लिए भेजा गया। जांच के दौरान दुकान का रिकॉर्ड पंजी संधारित नहीं थी, पॉश मशीन सही नहीं थी। इसके बाद दुकान को सील कर दिया गया।

पेंशन अदालत से ऑनस्पॉट दूर होगी पेंशनधारियों की समस्या : जिलाधिकारी

- पश्चिम चंपारण से इस पहल की शुरूआत
- लंबित मामलों की होगी त्वरित सुनवाई
- पेंशनधारियों की समस्या होगी दूर
- नहीं जाना होगा पटना न लगाना होगा दफ्तरों का चक्कर
- अऋृस्तर से कुल-50 मामलों का ऑनस्पॉट निष्पादन

पश्चिम चम्पारण/बेतिया। जिला समाहरणालय स्थित सभागार में महालेखाकार, उप महालेखाकार, सभी विभागों के पदाधिकारी और अन्य गणमान्य अतिथियों के बीच दीया जलाकर जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने पेंशन अदालत की शुरूआत की। सभागार में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि बिहार के 28 जिलों में से पश्चिम चम्पारण को इस अनूठे प्रयास के लिए चुना जाना गर्व का विषय है। इस अदालत से वैसे लोगों को सीधा-सीधा फायदा होगा जिनका किसी न किसी वजह से पेंशन रुका हुआ है। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा की यह अनोखा अवसर है जब ऑन स्पॉट पेंशन से जुड़ी सारी समस्याओं को सुना जाएगा और हल किया जाए। पेंशन अदालत का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए जिलाधिकारी ने सरल शब्दों में बताया की नौकरी से अवकाश प्राप्त कर्मियों की पेंशन से जुड़े लंबित मामलों की ऑन स्पॉट सुनवाई यहाँ होगी। अपने संबोधन में उन्होंने यह कहा कि इस अदालत का जो भी फैसला होगा उसे अक्षरशः लागू किया जाएगा।

दिनेश कुमार राय ने बड़ी बात यह बताई कि ऐसा नहीं है की जो इस अदालत में नहीं आ पाएंगे उन्हें इसका लाभ नहीं मिलेगा। इस अदालत के फैसले के आलोक में जो भी मामले लंबित हैं उनको भी हल किया जाएगा ऐसे में जो नहीं भी आएंगे उन्हें भी इसका लाभ होगा। लोगों से मुखातिब ज़िलाधिकारी ने कहा कि सभी विभाग के पदाधिकारी मौजूद है साथ ही सभी निकासी और व्यय पदाधिकारी भी मौजूद हैं इसलिए समस्या के निराकरण में किसी प्रकार की कोई दिक़्क़त नहीं होगी।

राज्य मुख्यालय से आए हुए महालेखाकार पुष्कर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि संबंधित विभागीय पदाधिकारी पेंशन से जुड़े मामलों का सही से स्क्रूटनी करके ही ऊपर भेजे जिससे कि वे रिजेक्ट न हो। उन्होंने यह भी बताया कि औसतन 5-10 प्रतिशत पेंशन के आवेदन किसी न किसी त्रुटि के कारण रिजेक्ट होते है। पेंशन से जुड़े मामलों में कई विभाग शामिल है जिसमें अऋ ऑफिस, ट्रेजरी और बैंक शामिल हैं। कहीं भी अगर कोई दिक़्क़त होती है तो मामला फँस जाता है। इस अदालत के माध्यम से पेंशन से जुड़े सारे मामलों के निवारण को गति प्रदान की जाएगी। इस अदालत का मुख्य लक्ष्य है कि पेंशनधारियों को त्रुटि रहित समय से पेंशन मिले। इस पेंशन अदालत में कुल-88 मामले आए। अऋ के स्तर से कुल-50 मामलों का ऑनस्पॉट निष्पादन किया गया।

साथ ही शेष मामलों का निष्पादन करने को लेकर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। ऑनस्पॉट लंबित मामलों के निबटारे को देख पेंशनधारियों ने जिला प्रशासन को इस अनूठे प्रयास के लिए धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम में अपर समाहर्ता कुमार रवींद्र, जिला गोपनीय शाखा सुजीत कुमार, सचिव महालेखाकार अजय कुमार शर्मा, पर्सनल सेक्रेटरी कुंदन कुमार, उप-महालेखाकार (पेंशन) संजय कुमार सिन्हा, नोडल ऑफिसर मनोज कुमार, वरीय लेखा अधिकारी जयप्रकाश प्रसाद व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

नेपाल : भारतीय बस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 19 पहुंची

दीपक/मधुकर

जनकपुरधाम। पोखरा से काठमांडू आ रही भारतीय पर्यटक बस करीब 11बजे तनहुं जिला के आबूखैरानी गांव के पास संतुलन खोने से बस म्याग्दी नदी में गिर गयी।इस दुर्घटना में समाचार लिखने तक 19यात्रियों की मौत गयी है।मरने वालों में 13महिलाएं,5पुरूष तथा एक बच्ची है। बस में चालक सहित 43लोग सबार थे।22घायलों में गंभीर रूप से 12को नेपाली सेना के एयर एंबुलेंस से काठमांडू ले जाया गया है।बांकी का इलाज स्थानीय स्तर पर चल रहा है। भैरहवा कस्टम आफीस मिली जानकारी के अनुसार 20अगस्त को आठ दिन का यू.पी.53एफ.टी.7623वस का कस्टम शुल्क लेकर सौनौली बोर्डर से सटे बेलहिया क्रासिंग माध्यम से नेपाल में प्रवेश की थी।

अभी तक मृतक का पहचान नहीं हो सका है। वस में सवार यात्री महाराष्ट्र के बताये जा रहे हैं।तनहूं के एस.पी.मोहन थापा ने जानकारी के अनुसार राहत कार्य में एक दर्जन गोताखोरनेपाली सेना, सशस्त्र बल तथा नेपाल पुलिस के कुल 80 जवान लगे हैं।इधर घटना स्थल पर महराज गंज के एस.डी.एम.नंद प्रकाश मौर्य, पुलिस क्षेत्राधिकारी जय प्रकाश त्रिपाठी, तहसीलदार पंकज शाही, थानाध्यक्ष अंकित सिंह की टीम घटनास्थल पर रवाना हो चुकी है। भारतीय दूतावास काठमांडू भी सहायता में जुटी है। उन्होंने हेल्प लाइन जारी किया है जिसका नंबर हैं+ 9779851107021है।

नालंदा: आजादी के 78 साल बाद अब भी पुल के लिए तरस रहा गांव

तसले में जान जोखिम में डालकर नदी पार करते हैं ग्रामीण

दीपक कुमार तिवारी।

पटना/नालंदा। बिहार के नालंदा जिले के तोड़लबिगहा गांव में आजादी के 78 साल बाद भी पुल नहीं बना है। यहां के लोग बरसात में नदी पार करने के लिए तसले से बने नाव का इस्तेमाल करते हैं। इस जुगाड़ से बच्चों का स्कूल जाना, बीमारों का इलाज कराना और लोगों का रोजगार सब बंद हो जाता है। गांव वाले बताते हैं कि चुनाव के वक्त नेता आश्वासन देकर चले जाते हैं, लेकिन जीतने के बाद कोई इस गांव को देखने नहीं आता।

नालंदा जिले के बेन प्रखंड के तोड़लबिगहा गांव की तस्वीर आज भी बदहाल है। चार सौ की आबादी वाले इस गांव में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। यहाँ तक कि स्वास्थ्य केंद्र जैसी महत्वपूर्ण सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। गाँव के पास से गुजरने वाली नदी पर पुल न होने के कारण बरसात में लोगों का जीना मुश्किल हो जाता है।

गांव वाले नदी पार करने के लिए तसले से बना नाव इस्तेमाल करते हैं, जिसमे एक बार में सिर्फ.दो लोग ही सवार हो सकते हैं। थोड़ी सी भी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। इस वजह से बरसात के दिनों में बच्चे स्कूल नहीं जा पाते और बीमार व्यक्ति इलाज के लिए अस्पताल नहीं पहुंच पाते। ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव के समय नेता आते हैं और विकास का वादा कर चले जाते हैं, लेकिन जीतने के बाद कोई भी इस गांव की सुध लेने नहीं आता। गाँव की इस समस्या से अधिकारी भी अनजान नहीं हैं। अकौना पंचायत के मुखिया अभय सिंह कहते हैं कि उनके पास पुल बनाने के लिए पर्याप्त धन नहीं है। एक अस्थायी पुल बनाने में भी तीस से चालीस हजार रुपये का खर्च आता है, जबकि सरकार की तरफ से सिर्फ.सात हजार रुपये ही मिलते हैं। बीडीओ हर्ष कुमार का कहना है कि एक महीने पहले ही उन्होंने जिला मुख्यालय को पत्र लिखकर पुल निर्माण की मांग की है। उन्होंने ग्रामीणों को भी जल्द से जल्द पुल बनाने का आश्वासन दिया है, लेकिन अभी तक मुख्यालय से कोई अनुमति नहीं मिली है।

जिला स्वास्थ्य समिति में नए डाटा ऑपरेटरों को मिला प्रशिक्षण

डीबीडीएमएस / एफपीएलएमआईएस पर इंट्री करने के कार्यों की हुई समीक्षा

दवाओं के मात्रा एवं वितरण के बारे में दी गई विस्तृत जानकारी

मोतिहारी। जिला स्वास्थ्य समिति में जिले के सभी 27 प्रखंडों के नव डाटा ऑपरेटरों का प्रशिक्षण सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार सिँह, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डैम अभिजीत भूषण की देखरेख में स्वास्थ्य विभाग के ऑपरेटर अनिल कुमार, धीरेशनाथ ठाकुर, अमित कुमार जिला प्रतिनिधि पीएसआई इंडिया द्वारा कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान पोर्टल पर बताया कि कौन कौन दवाएं कितनी मात्राए में पीएचसी को मिली है सभी ऑनलाइन दिखाई जाएगी, जिसका प्रतिदिन रिपोर्ट विभाग को देना है। देखना है कि जिला दवा केंद्रीय भंडार में कौन सी दवाए है, जिनमें कौन सी दवा हमारे पीएचसी में नहीं है। इसका विशेष ध्यान रखना है की कौन कौन दवाए नहीं है, उनकी उपलब्धी हो इसलिए पोर्टल पर जाकर दवाओं की डिमांड करें, उपलब्ध कराए ताकि चिकित्सा सुविधा बेहतर हो सकें। प्रशिक्षक अनिल कुमार ने बताया की सभी को आईडी पासवर्ड उपलब्ध करा दी जाएगी। - तय समय पर रिपोर्ट करें डाटा ऑपरेटर :- सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार सिँह, एवं डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन ने कहा कि प्रशिक्षण के बाद तय समय पर सभी डाटा ऑपरेटर रिपोर्ट करें, पूरी मेहनत ईमानदारी से कार्य करें।

यह पोर्टल पूरे भारत में चलता है इसलिए इंट्री में दिक्कत आने पर घबराने की जरूरत नहीं है। प्रत्येक पीएचसी पर 309 प्रकार की दवाए उपलब्ध होनी चाहिए, वहीं अनुमण्डलीय अस्पताल में 312, जिला अस्पताल 456 तरह की दवाए राज्य सरकार स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रहीं है।

किसी गाँव, कसबों में स्वास्थ्य कैंप लगा हो तो कौन दवा जाएगा उसका इंट्री करें, कौन तारीख पर कौन दवा की तारीख समाप्त हो रहीं है इसपर विशेष ध्यान देना है। उसकी रिपोर्ट प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, को रिपोर्ट देनी है।कभी किसी प्रकार की समस्या हो तो जिला अनुश्रवण पदाधिकारी, डीपीएम से सम्पर्क कर सकते है।

मौके पर सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार सिँह, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डैम अभिजीत भूषण, डीपीसी भारत भूषण, डीसीएम नन्दन झा, जिला केंद्रीय भंडार अनिल कुमार, धीरेशनाथ ठाकुर, अमित कुमार जिला प्रतिनिधि पीएसआई, सुनील कुमार डाटा ऑपरेटर व अन्य कर्मी उपस्थित थे।

कर्ज चुकाने के लिए मांगा लोन, मध्य पूर्व बैंकों से चार अरब अमेरिकी डॉलर उधार लेगा

इस्लामाबाद पाकिस्तान ने बढ़ते कर्ज के बोझ को कम करने के लिए लोन मांगा है। पाकिस्तान ने अपनी बाहरी वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए अब मध्य पूर्व क्षेत्र की बैंकों से चार अरब अमेरिकी डॉलर मांगे हैं। यह रकम पाकिस्तान ने सात अरब अमेरिकी डॉलर की विस्तारित निधि सुविधा (ईएफएफ) से मांगी है, जो कि मंजूरी के लिए विश्व मुद्रा कोष (आईएमएफ) में लंबित है।

पाकिस्तान के वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब और उनकी टीम ने दुबई इस्लामिक बैंक के ग्रुप सीईओ डॉ. अदनान चिलवान के साथ एक वर्चुअल बैठक की। इससे पहले मशरेक बैंक के अध्यक्ष और ग्रुप सीईओ अहमद अब्देलाल के साथ भी बातचीत हुई। दोनों बैठकों में आर्थिक दृष्टिकोण और पाकिस्तान में निवेश के अवसरों का पता लगाने को लेकर चर्चा की गई। इसमें ऋण को लेकर भी बात रखी गई। दरअसल चालू वित्तीय वर्ष के बजट में पाकिस्तान ने लगभग 20 अरब अमेरिकी डालर की विदेशी उधारी का प्रस्ताव रखा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने उधारी चुकाने के लिए मध्य पूर्वी बैंकों से वाणिज्यिक ऋण मांगना शुरू कर दिया है। क्योंकि इस सप्ताह आईएमएफ ने पाकिस्तान के लिए सात अरब अमेरिकी डॉलर वाली ईएफएफ की मंजूरी को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया था। वित्त मंत्री को उम्मीद है कि आईएमएफ अगले महीने नए ईएफएफ को मंजूरी दे सकता है। उधर पाकिस्तान ने विदेशी वाणिज्यिक बैंकों के साथ भी अपनी भागीदारी बढ़ा दी है।

हालांकि इसमें उच्च वित्तपोषण लागत और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से कम क्रेडिट रेटिंग महत्वपूर्ण बाधाएं बनी हुई हैं। पाकिस्तान की वर्तमान क्रेडिट रेटिंग उउउ+ है, जो काफी कम है। इसके चलते वाणिज्यिक बैंक ऋण देने के दौरान अधिक ब्याज मांग रही हैं।

सियासत : 60 मिनट की मुलाकात, 4 सीटों पर बात! ,'पारस' को पत्थर से सटा गोल्ड पाने का मिशन?

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार में होने वाले चार सीटों के उपचुनाव से पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने सहयोगी दलों से बातचीत तेज कर दी है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने गुरुवार को राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस से मुलाकात की। यह मुलाकात पटना में रालोजपा के प्रदेश कार्यालय में हुई। हालांकि इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है, लेकिन माना जा रहा है कि यह भविष्य की रणनीति का हिस्सा है। 60 मिनट की इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं। लेकिन ये भी तय है कि मुलाकात किसी खास मकसद से ही की गई। चर्चा के केंद्र में वो चार चुनिंदा विधानसभा सीटें भी हैं, जिनको लेकर चिराग पासवान और पारस आमने-सामने हो सकते हैं।

लोकसभा चुनाव में एनडीए द्वारा किनारे किए जाने से रालोजपा में नाराजगी है। पार्टी कार्यकताओं में भी बेचैनी देखने को मिल रही है। इस नाराजगी के चलते पारस ने हाल ही में एनडीए छोड़ने की चेतावनी तक दे डाली थी। हालांकि बाद में पता नहीं क्या हुआ कि पारस अपने फैसले से पीछे हट गए और पीएम मोदी के समर्थन में आ गए। लेकिन उसके बाद न तो मंत्रीमंडल और न ही बिहार में पारस को कोई तरजीह मिली। ऐसे में बीजेपी कोटे के मंत्री दिलीप जायसवाल और पारस की मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। रालोजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रवण अग्रवाल ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच एक घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। चर्चा के मुख्य बिंदुओं में एनडीए के सभी दलों के बीच समन्वय स्थापित कर विधानसभा चुनाव लड़ना और अन्य राजनीतिक विषय शामिल थे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने इस दौरान रालोजपा और दलित सेना के अन्य नेताओं से भी मुलाकात की। यह मुलाकात इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण है कि हाल के दिनों में एनडीए के भीतर कुछ अनबन की खबरें आई हैं। ऐसे में भाजपा अपने सहयोगियों को साधने की कोशिश कर रही है ताकि आगामी चुनावों में उसे किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। देखना होगा कि आने वाले दिनों में भाजपा और रालोजपा के बीच क्या समीकरण बनते हैं। हां, ये जरूर है कि अगर बीजेपी को सीटों का गोल्ड हासिल करना है तो उसे पारस की जरुरत पड़ सकती है।

संक्षिप्त खबरें

पांच साल में 14.19 लाख करोड़ का होगा गोल्ड लोन बाजार, 2028-29 तक सालाना 14.85 फीसदी की दर से बढ़ेगा

नई दिल्ली। सख्त नियमों के कारण वृद्धि में अपेक्षित नरमी के बावजूद देश का संगठित गोल्ड लोन बाजार अगले पांच साल में यानी 2028-29 तक दोगुना होकर 14.19 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इस अवधि में इसमें सालाना 14.85 फीसदी की वृद्धि की उम्मीद है। पीडब्ल्यूसी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2023-24 में संगठित गोल्ड लोन बाजार में पर्याप्त वृद्धि हुई थी और यह 7.1 लाख करोड़ रुपये के मूल्यांकन पर पहुंच गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले दो वर्षों में गोल्ड लोन बाजार में मध्यम वृद्धि देखने को मिलेगी, क्योंकि सोने के बदले कर्ज देने वाले ऋणदाताओं को कर्ज एवं मूल्य (एलटीवी) रखरखाव और नीलामी प्रक्रियाओं के संबंध में नियामक अधिकारियों से बढ़ती जांच का सामना करना पड़ रहा है।

भारतीय परिवारों के पास 126 लाख करोड़ रुपये का सोना

भारतीय परिवारों में सोने को लेकर भारी आकर्षण है और उनके पास 25,000 टन सोना होने का अनुमान है। कीमत के लिहाज से भारतीय परिवारों के पास करीब 126 लाख करोड़ रुपये का सोना है।

दक्षिण भारत की सर्वाधिक हिस्सेदारी

पीडब्ल्यूसी इंडिया के पार्टनर जयकृष्णन जी ने कहा, गोल्ड लोन कर्ज देने का सबसे पुराना तरीका है। गोल्ड लोन बाजार में दक्षिण भारत का सबसे बड़ा योगदान है। कुल कर्ज में इसकी हिस्सेदारी 79.1 फीसदी है। पीडब्ल्यूसी इंडिया ने कहा, गोल्ड लोन बाजार की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी के निष्क्रिय होने से चालू वित्त वर्ष में बाजार की वृद्धि पर असर पड़ेगा। इसके अलावा, नकद वितरण पर गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को आरबीआई की नकद वितरण राशि को 20,000 रुपये तक सीमित करने की सलाह ग्राहकों को असंगठित क्षेत्र पर भरोसा करने के लिए प्रेरित कर सकती है।

सोने की कीमतों में 350 रुपये की गिरावट; चांदी 200 रुपये फिसली

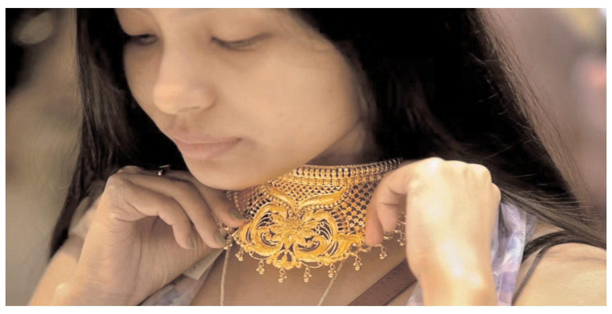

नई दिल्ली। अखिल भारतीय सरार्फा एसोसिएशन के अनुसार शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने का भाव 350 रुपये घटकर 73,800 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। पिछले सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 74,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। चांदी 200 रुपये घटकर 87,000 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई, जो पिछले दिन 87,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी। इस बीच, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 350 रुपये घटकर 73,450 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया, जो गुरुवार को 73,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड बढ़ने और डॉलर इंडेक्स में सुधार के कारण शुक्रवार को पीली धातु की कीमतों में गिरावट जारी रही। उधर, आरबीआई की एमपीसी मिनट्स के अनुसार, रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि 6.5 प्रतिशत की मौजूदा नीतिगत दर मोटे तौर पर संतुलित है और इस समय नीति में ढील देने का कोई भी औचित्य भ्रामक हो सकता है। एमपीसी में गवर्नर दास और तीन अन्य सदस्यों ने रेपो दर पर यथास्थिति के पक्ष में मतदान किया, जबकि दो सदस्यों ने दर में कटौती की वकालत की।

वैश्विक स्तर पर, कॉमेक्स में सोना 18.20 डॉलर की तेजी के साथ 2,534.90 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में चांदी 1.24 प्रतिशत बढ़कर 29.84 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा, "जानकारों ने साल के अंत से पहले आक्रामक दर कटौती की संभावना को बढ़ा-चढ़ाकर बताया था; अब उन्होंने अपने दांव कम कर दिए हैं और इस साल की शेष तीन फेड नीति बैठकों में तीन 25 बेसिस प्वाइंट कटौती का अनुमान लगा रहे हैं।" उन्होंने कहा कि इससे ट्रेजरी यील्ड और डॉलर इंडेक्स में हाल के निचले स्तरों से सुधार हुआ है। बाजार को अमेरिकी फेड की ओर से संभावित दर कटौती की उम्मीद है, इसलिए सोने को समर्थन मिलने की संभावना है। बाजार के व्यापारी शुक्रवार को जैक्सन होल संगोष्ठी में फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल के भाषण का भी इंतजार कर रहे हैं।

प्रमुख कारण जो सीमेंट निमार्ता की आय को नियंत्रण में रखे

नई दिल्ली।। श्री सीमेंट जेके लक्ष्मी सीमेंट के शेयर की कीमतों में पिछले एक महीने में 2-13% की तेज गिरावट देखी गई है। सीमेंट निमार्ताओं के प्रति कमजोर भावना का कारण मानसून का मौसम है, जो निर्माण गतिविधियों को प्रभावित करता है, फिर भी इसके पीछे और भी बहुत कुछ है।

यहाँ तीन प्रमुख कारण दिए गए हैं जो सीमेंट निमार्ता की आय को नियंत्रण में रख सकते हैंऊ्ङ्गश्ल्ल्ॅ,, जून तिमाही के दौरान औसत भारतीय सीमेंट की कीमतों में क्रमिक आधार पर 1% और वार्षिक आधार पर 4% की गिरावट आई थी। विश्लेषकों का कहना है कि तिमाही के अंत तक कीमतें काफी कम हो गई थीं। चालू तिमाही के दौरान सीमेंट की कीमतों में और गिरावट आने की संभावना है और जुलाई-अगस्त की औसत कीमत जून की समाप्ति कीमत से कम से कम 3% कम है। जेफरीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के विश्लेषकों ने अपनी अगस्त के मध्य की रिपोर्ट में कहा कि सीमेंट की कीमत द2 में कई वर्षों के निचले स्तर (क्रमिक आधार पर तिमाही दर तिमाही 3% की वृद्धि) पर पहुँच गई है। कई उद्योग भागीदार अब मानसून के बाद भी कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना पर संदेह जता रहे हैं, उन्होंने बताया हालांकि सीमेंट की कीमतों में गिरावट आई है, लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि इनपुट लागत में किसी भी गिरावट का लाभ भी पीछे छूट गया है। इससे लाभप्रदता पर और असर पड़ेगा। सेंट्रम ब्रोकिंग के रिसर्च एनालिस्ट मंगेश भदांग ने कहा कि "सीमेंट की कीमतों में पिछले लगभग एक साल से गिरावट का रुख है, जिससे सीमेंट कंपनियों की लाभप्रदता प्रभावित हुई है। बिजली और ईंधन की लागत से प्रेरित परिचालन लागत में गिरावट रुकने की संभावना है, क्योंकि कम लागत का अधिकांश लाभ पहले ही अवशोषित हो चुका है। सीमेंट कंपनियाँ महत्वपूर्ण क्षमता विस्तार कर रही हैं। क्रिसिल रिसर्च के अनुसार, मजबूत मांग पूवार्नुमान और बाजार में वर्चस्व की तलाश के कारण, भारतीय सीमेंट निमार्ता वित्त वर्ष 2025-2027 के दौरान लगभग 1,25,000 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) करने की योजना बना रहे हैं।

खुलासा: देश के सबसे गरीब 20% लोगों के बीच वाहनों का स्वामित्व 11 साल में 566% बढ़ा, राज्यवार आंकड़े

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) की सदस्य शमिका रवि के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2011-12 (वित्त वर्ष 12) से वित्तीय वर्ष 2022-23 (वित्त वर्ष 23) तक 11 साल की अवधि में वाहन रखने वाले सबसे गरीब भारतीय परिवारों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

रवि ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए बताया कि वित्त वर्ष 2012 में भारत की सबसे गरीब 20% आबादी में से 6% के पास खुद का वाहन था। वित्त वर्ष 2023 तक यह बढ़कर 40% हो गया। शमिका ने अपनी ट्वीट के साथ राज्यवार आंकड़े भी साझा किए हैं। इस तरह वाहनों के स्वामित्व के मामले में 11 वर्षों के दौरान तकरीबन 566% का इजाफा दर्ज किया गया।

शमिका रवि की ओर से साझा किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि भारत के सबसे निचले 20% परिवारों में वाहन का स्वामित्व रखने के मामले में सबसे अधिक वृद्धि पंजाब में हुई। राज्य के सबसे गरीब ग्रामीण परिवारों में यह संख्या 15.5% से बढ़कर 62.5% हो गई है। पंजाब के सबसे गरीब शहरी परिवारों में यह संख्या 14% से बढ़कर 65.7% पर पहुंच गई।

हालांकि, कर्नाटक इस मामले में काफी पीछे रहा। कर्नाटक में उक्त 11 वर्ष की अवधि में ग्रामीण क्षेत्रों में वाहन स्वामित्व 3.3% से बढ़कर महज 56.6% हो पाया, जबकि राज्य के शहरी गरीब परिवारों में वाहनों का 11.1% से बढ़कर 61.3% हो गया।

इस मामले में वाहन का मतलब कार, जीप, मोटरसाइकिल और स्कूटर से है। महाराष्ट्र की बात करें तो यहां के ग्रामीण क्षेत्र में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जहां सबसे गरीब परिवारों के बीच वाहन स्वामित्व वित्त वर्ष 2012 में 4.1% था जो बढ़कर वित्त वर्ष 2023 में 45.1% पर पहुंच गया।

देश के का पूर्वी राज्य असम उन राज्यों में शामिल है जहां वाहन स्वामित्व में वृद्धि अपेक्षाकृत कम रही। असम में यह 1% से बढ़कर महज 9.6% हो गया। शहरी क्षेत्रों वाहन स्वामित्व में इजाफा 1% से बढ़कर 15.2% हो गया।

बिहार में उक्त अवधि के दौरान, ग्रामीण क्षेत्रों में वाहन स्वामित्व 1.8% से बढ़कर 19.1% हो गया, और शहरी क्षेत्रों में 6.1% से बढ़कर 16.8% हो गया। पश्चिम बंगाल में, वित्त वर्ष 2012 में सबसे गरीब ग्रामीण परिवारों में से 1% से भी कम के पास वाहन थे, और वित्त वर्ष 2023 में यह बढ़कर 11.3% हो गया। इसी अवधि में शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा 1% से बढ़कर 15.2% हो गया। ये आंकड़े सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आंकड़ों पर आधारित हैं।

उतार-चढ़ाव के बाद सपाट बंद हुआ बाजार; सेंसेक्स 33 अंक ऊपर

नई दिल्ली हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार सपाट बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबारी सत्र में शुरूआती उतार-चढ़ाव के बाद 30 शेयरों का बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 33.02 (0.04%) अंकों की बढ़त के साथ 81,086.21 पर बंद हुआ। वहीं, दूसरी ओर 50 शेयरों वाले एनएसई निफ्टी में 11.66 (0.05%) अंकों की बढ़त के साथ 24,823.15 पर बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबारी सत्र के दौरान बजाज ऑटो के शेयरों में 5% की बढ़त दर्ज की गई, वहीं सीआईआई 2% तक उछाला। अमेरिकी फेड चेयर के जैक्सन होल सिम्पोजियम में भाषण से पहले मिले-जुले वैश्विक रुझानों के बीच आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल जैसे ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी के बाद शुक्रवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में बढ़त दर्ज की गई। चौथे सीधे सत्र में, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 33.02 अंक या 0.04 प्रतिशत बढ़कर 81,086.21 पर बंद हुआ। शुरूआती कारोबार में बेंचमार्क 169.93 अंक या 0.20 प्रतिशत गिरकर 80,883.26 के निचले स्तर पर आ गया। बाद में, यह 178.3 अंक या 0.21 प्रतिशत उछलकर 81,231.49 के उच्च स्तर पर पहुंच गया, लेकिन अंत में लाभ खो दिया। एनएसई निफ्टी 11.65 अंक या 0.05 प्रतिशत बढ़कर 24,823.15 पर बंद हुआ

सेंसेक्स पैक से टाटा मोटर्स, सन फार्मास्युटिकल, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और जेएसडब्ल्यू स्टील को लाभ हुआ। टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एशियन पेंट्स, टाइटन, इंफोसिस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एचडीएफसी बैंक पिछड़ गए।

एयर इंडिया पर 90 लाख का जुमार्ना, अयोग्य पायलट्स पर डीजीसीए ने की कार्रवाई

नई दिल्ली विमानन नियामक डीजीसीए ने टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया पर अयोग्य पायलट्स के साथ उड़ान संचालित करने के लिए 90 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। इसके अलावा, नियामक ने इस चूक के लिए एयर इंडिया के संचालन निदेशक पंकुल माथुर और प्रशिक्षण निदेशक मनीष वासवदा पर 6 लाख रुपये और 3 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है।

एक विज्ञप्ति में, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा कि संबंधित पायलट को भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सावधानी बरतने की चेतावनी दी गई है। विज्ञप्ति में कहा गया है, "एयर इंडिया लिमिटेड ने एक गैर-प्रशिक्षित लाइन कैप्टन द्वारा संचालित एक उड़ान का संचालन किया। उसके साथ एक गैर प्रशिक्षित प्रथम अधिकारी भी भेजा गया। नियामक ने इसे सुरक्षा की दृष्टि से एक गंभीर चूक के रूप में देखा है। उल्लंघन के लिए, डीजीसीए ने एयर इंडिया पर 90 लाख रुपये, संचालन निदेशक पर 6 लाख रुपये और प्रशिक्षण निदेशक पर 3 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। 10 जुलाई को एयरलाइन की ओर से प्रस्तुत स्वैच्छिक रिपोर्ट के जरिए घटना के संज्ञान में आने के बाद, नियामक ने दस्तावेजों की जांच और शेड्यूलिंग सुविधा की मौके पर जांच के साथ एयरलाइन के संचालन की भी जांच की। नियामक की ओर से एक विज्ञप्ति में कहा गया, जांच के आधार पर, प्रथम दृष्टया पता चला है कि कई पदधारकों और कर्मचारियों द्वारा विनियामक प्रावधानों का उल्लंघन किया गया, जो सुरक्षा को काफी हद तक प्रभावित कर सकते हैं।" डीजीसीए ने यह भी कहा कि फ्लाइट के कमांडर और एयरलाइन के पदधारकों को 22 जुलाई को जारी कारण बताओ नोटिस के जरिए अपनी स्थिति स्पष्ट करने का अवसर दिया गया था।

सेबी के बैन के बाद अनिल अंबानी की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट, रिलायंस इंफ्रा 11% टूटा

नई दिल्ली। प्रतिभूति बाजार नियामक सेबी की ओर से अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद उनसे जुड़े शेयरों में शुक्रवार को भारी गिरावट आई। सेबी ने अनिल अंबानी और आरएचएफएल के पूर्व प्रमुख अधिकारियों सहित 24 अन्य संस्थाओं को कंपनी से धन निकालने के लिए प्रतिभूति बाजार से पांच साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। नियामक की इस कार्रवाई के बाद रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) का शेयर एनएसई पर 5.12 प्रतिशत गिरकर 4.45 रुपये और बीएसई पर 4.90 प्रतिशत गिरकर 4.46 रुपये पर आ गया।

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर बीएसई पर 10.83 प्रतिशत गिरकर 209.90 रुपये पर कारोबार करते दिखे। एनएसई पर यह 8.89 प्रतिशत गिरकर 214.76 रुपये पर

आ गया। इसके अलावा, रिलायंस पावर का शेयर बीएसई और एनएसई पर 5-5 प्रतिशत गिरकर 34.45 रुपये और 34.48 रुपये पर आ गया। मध्य सत्र के कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 57.32 अंक या 0.07 प्रतिशत बढ़कर 81,110.51 पर कारोबार कर रहा था, जबकि एनएसई निफ्टी 29.35 अंक या 0.12 प्रतिशत चढ़कर 24,840.85 पर पहुंच गया। गुरुवार को सेबी ने उद्योगपति अनिल अंबानी, आरएचएफएल के पूर्व प्रमुख अधिकारियों सहित 24 अन्य संस्थाओं को कंपनी से धन के डायवर्जन के लिए पांच साल के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था। सेबी ने अंबानी पर 25 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया है और उन्हें 5 साल की अवधि के लिए प्रतिभूति बाजार से जुड़ने, किसी भी सूचीबद्ध कंपनी में निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कर्मी के रूप में, या बाजार नियामक के साथ पंजीकृत किसी भी मध्यस्थ से जुड़ने से रोक दिया है।

साथ ही, नियामक ने आरएचएफएल को छह महीने के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया। आरएचएफएल मामले में अंतिम आदेश पारित करते हुए, सेबी ने बताया कि अंबानी ने आरएचएफएल के प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों की मदद से, आरएचएफएल से धन निकालने के लिए एक धोखाधड़ी योजना बनाई थी। इसकी मदद से उन्होंने अपने से जुड़ी संस्थाओं को ऋण जारी किए थे। फरवरी 2022 में, बाजार नियामक सेबी ने एक अंतरिम आदेश पारित किया था और कंपनी से धन निकालने के आरोप में आरएचएफएल, अंबानी और तीन अन्य व्यक्तियों (अमित बापना, रवींद्र सुधाकर और पिंकेश आर शाह) को अगले आदेश तक प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था।

लॉरेंट फ्रीक्स नेस्ले के नए सीईओ नामित, एक सितंबर को संभालेंगे पद

जिनेवा। नेस्ले के सीईओ के रूप में आठ साल सेवाएं देने के बाद मार्क श्नाइडर ने पद छोड़ने का फैसला किया है। अब उनकी जगह लैटिन अमेरिका के बॉस लॉरेंट फ्रीक्स लेंगे। नेस्ले कंपनी ने बृहस्पतिवार को एक बयान जारी कर कहा, 'श्नाइडर ने सीईओ और निदेशक मंडल के सदस्य के रूप में अपनी भूमिकाएं छोड़ने का फैसला किया है। यह कदम 1 सितंबर से प्रभावी होगा।' वहीं, श्नाइडर ने कहा, 'पिछले 8 वर्षों से नेस्ले का नेतृत्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है। हमने जो हासिल किया है, उसके लिए मैं आभारी हूं, नेस्ले को भविष्य के लिए उपयुक्त, नवोन्मेषी और टिकाऊ व्यवसाय में बदल दिया है।'

नेस्ले ने अपने बयान में कहा, फ्रीक्स 1986 में फ्रांस में कंपनी में शामिल हुए थे। उन्होंने 2008 के वित्तीय संकट के दौरान और 2014 तक कंपनी के यूरोपीय क्षेत्र का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया। इसके बाद उन्हें 2022 में नवनिर्मित लैटिन अमेरिका क्षेत्र का कार्यभार संभालने के लिए अमेरिका क्षेत्र का सीईओ नामित किया गया। अब

फ्रीक्स को 2025 की वार्षिक आम बैठक में निदेशक मंडल के लिए एक उम्मीदवार के रूप में नामित किया गया है। कंपनी ने कहा, 'नेस्ले की रणनीति के अनुरूप श्नाइडर ने कॉफी, पालतू जानवरों की देखभाल और पोषण संबंधी स्वास्थ्य उत्पादों जैसी उच्च विकास श्रेणियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए कंपनी के पोर्टफोलियो को सक्रिय रूप से आकार दिया है।' वहीं, नेस्ले के अध्यक्ष पॉल बुके ने नए नामित सीईओ फ्रीक्स की प्रशंसा की। कहा, वह रणनीतिक कौशल, व्यापक बाजार अनुभव और विशेषज्ञता के साथ-साथ बाजार-उपभोक्ताओं की गहरी समझ रखते हैं। उन्होंने कहा, 'फ्रीक्स लॉरेंट इस समय नेस्ले के लिए बिल्कुल उपयुक्त है।'

बता दें कि नेस्प्रेस्सो कॉफी कैप्सूल से लेकर पुरीना डॉग फूड और हागेन-डेज आइसक्रीम बेचने वाली नेस्ले कंपनी को हाल के वर्षों में विवाद का सामान करना पड़ा है। स्विस एनजीओ पब्लिक आई ने नेस्ले पर अमीर देशों की अपेक्षा कम आय वाले देशों में उच्च स्तर की अतिरिक्त चीनी के साथ बेबी फूड बेचने का आरोप लगाया है। हालांकि, कंपनी का कहना है कि उसके पास कोई दोहरा मापदंड नहीं है। उसने हर जगह समान पोषण और स्वास्थ्य सिद्धांत लागू किए हैं।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड बंद कर सकती है सरकार दावा- महंगी और जटिल पड़ रही योजना

नई दिल्ली। देश में सोने के बढ़ते आयात पर लगाम लगाने के लिए लाई गई सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) योजना को सरकार बंद कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार का मानना है कि यह एक महंगा और जटिल निवेश साधन है। इस कारण सरकार अब आगे सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड जारी नहीं रख सकती है। हालांकि, सरकार की ओर से इस योजना को बंद करने की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। इससे पहले ही कयासों का दौर शुरू हो चुका है और बाजार लगभग इस फैसले के लिए तैयार दिख रहा है। सेकेंडरी मार्केट्स में सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की मांग में तेजी देखने को मिली है। सरकार ने पेपर गोल्ड के तौर पर सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड को 2015 में पेश किया था। आरबीआई इसका प्रबंधन करता है।

अब तक 67 किस्त जारी, चार मेच्योर... सरकार एसजीबी योजना के जरिये बाजार से कम मूल्य पर सोना खरीदने का विकल्प देती है। इसकी मेच्योरिटी अवधि आठ साल है। साथ ही, खरीदारों को 2.5

फीसदी रिटर्न भी मिलता है। इस योजना के पेश होने के बाद से अब तक कुल 67 किस्त जारी हो चुकी है, जिसमें निवेशकों ने 72,274 करोड़ का निवेश किया है। इनमें से चार किस्त पूरी तरह मेच्योर हो चुकी है।

निवेशकों को दोगुना रिटर्न... 2015 में यह योजना पेश हुई थी, तब इसका इश्यू प्राइज 2,684 रुपये प्रति ग्राम था। 2023 में इसकी मेच्योरिटी पूरी हुई थी, तब रिडम्पशन प्राइज 6,132 रुपये तय किया गया था। इस तरह, निवेशकों को आठ साल में 2.28 गुना मुनाफा हुआ था।

सरकार पर निवेशकों का 85,000 करोड़ बकाया... दरअसल, 2015 और 2017 के बीच जारी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के पहले चार किस्तों में निवेशकों की ओर से लगाया गया पैसा दोगुना से भी ज्यादा हो गया है।

ऐसे में निवेशकों को रिटर्न सरकार को अपनी जेब से देना पड़ रहा है। 2024-25 के बजट दस्तावेज में यह बताया गया कि इस योजना के तहत सरकार पर निवेशकों की कुल 85,000 करोड़ रुपये की देनदारी है। यह मार्च, 2020 के अंत में 10,000 करोड़ रुपये की तुलना में 8.5 गुना अधिक है।

अनिल अंबानी व 24 अन्य संस्थाओं पर सेबी की बड़ी कार्रवाई पांच साल के लिए शेयर बाजार से किया प्रतिबंधित

नई दिल्ली शेयर बाजार नियामक सेबी ने उद्योगपति अनिल अंबानी, रिलायंस होम फाइनेंस के पूर्व प्रमुख अधिकारियों सहित 24 अन्य संस्थाओं को कंपनी से धन निकालकर डायवर्ट करने के कारण पांच साल के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है।

सेबी ने अनिल अंबानी पर 25 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया है और उन्हें 5 साल की अवधि के लिए किसी भी सूचीबद्ध कंपनी, या बाजार नियामक के साथ पंजीकृत किसी भी मध्यस्थ में निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) के रूप में प्रतिभूति बाजार से जुड़ने से रोक दिया है।

रिलायंस होम फाइनेंस को छह महीने के लिए प्रतिबंधित किया गया... साथ ही, नियामक ने रिलायंस होम फाइनेंस को छह महीने के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया और उस पर 6 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया। अपने 222 पन्नों के अंतिम आदेश में, सेबी ने पाया कि अनिल अंबानी ने आरएचएफएल के प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों की मदद से, आरएचएफएल से धन को अपने से जुड़ी संस्थाओं को ऋण के रूप में डायरवर्ट करने के लिए एक धोखाधड़ी योजना बनाई थी।

हालाँकि फ्लत्रच्छ के निदेशक मंडल ने इस तरह की उधार देने की प्रथाओं को रोकने के लिए कड़े निर्देश जारी किए थे और नियमित रूप से कॉर्पोरेट ऋणों की समीक्षा की थी, लेकिन कंपनी के प्रबंधन ने इन आदेशों की अनदेखी की।

सेबी के अनुसार यह मामला अनिल अंबानी के प्रभाव में कुछ प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों द्वारा संचालित शासन की एक महत्वपूर्ण विफलता को दशार्ता है। सेबी ने कहा है, इन परिस्थितियों को देखते हुए, फ्लत्रच्छ कंपनी को धोखाधड़ी में शामिल व्यक्तियों के समान ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए।

अनिल अंबानी पर अपने पद के दुरुपयोग का आरोप... सेबी के अनुसार अंबानी ने धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए 'एडीए समूह के अध्यक्ष' के रूप में अपने पद और आरएचएफएल की होल्डिंग कंपनी में अपनी महत्वपूर्ण अप्रत्यक्ष शेयरधारिता का इस्तेमाल किया। सेबी ने गुरुवार को अपने आदेश में कंपनी के प्रबंधन और प्रमोटर के लापरवाह रवैये को नोट किया, जिसमें उन्होंने ऐसी कंपनियों को सैकड़ों करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए, जिनके पास बहुत कम या कोई संपत्ति, नकदी प्रवाह, नेटवर्थ या राजस्व नहीं था।

यह 'ऋण' के पीछे एक भयावह उद्देश्य का संकेत देता है। स्थिति तब और भी संदिग्ध हो जाती है जब यह विचार किया जाता है कि इनमें से कई उधारकर्ता आरएचएफएल के प्रमोटरों से निकटता से जुड़े थे।

आरएचएफएल के शेयरधारकों को झेलना पड़ा बड़ा नुकसान... आखिरकार, इनमें से अधिकांश उधारकर्ता अपने ऋण चुकाने में विफल रहे, जिससे आरएचएफएल अपने स्वयं के ऋण दायित्वों पर चूक गया। इसके कारण आरबीआई फ्रेमवर्क के तहत कंपनी का दिवालिया समाधान हुआ, जिससे इसके सार्वजनिक शेयरधारक मुश्किल स्थिति में आ गए। उदाहरण के लिए, मार्च 2018 में, आरएचएफएल का शेयर मूल्य लगभग 59.60 रुपये था।

मार्च 2020 तक, जैसे ही धोखाधड़ी स्पष्ट हो गई और कंपनी ने अपने संसाधनों को खो दिया शेयरों की कीमत गिरकर सिर्फ 0.75 रुपये हो गई। अब भी, 9 लाख से अधिक शेयरधारक आरएचएफएल में निवेशित हैं, जो महत्वपूर्ण नुकसान का सामना कर रहे हैं। 24 प्रतिबंधित संस्थाओं में रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) के पूर्व प्रमुख अधिकारी - अमित बापना, रवींद्र सुधालकर और पिंकेश आर शाह शामिल हैं। सेबी ने मामले में इनकी भूमिका के लिए उन पर जुमार्ना लगाया है। इसके अलावा, रिलायंस यूनिकॉर्न एंटरप्राइजेज, रिलायंस एक्सचेंज नेक्स्ट एलटी, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड, रिलायंस क्लीनजेन लिमिटेड, रिलायंस बिजनेस ब्रॉडकास्ट न्यूज होल्डिंग्स लिमिटेड और रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड सहित शेष संस्थाओं पर 25-25 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। ये जुमार्ना उन पर या तो अवैध रूप से ऋण प्राप्त करने या आरएचएफएल से धन के अवैध डायवर्जन को सुविधाजनक बनाने के लिए मध्यस्थ के रूप में काम करने के लिए लगाया गया है।

फरवरी 2022 में, बाजार नियामक सेबी ने एक अंतरिम आदेश पारित किया था और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड, उद्योगपति अनिल अंबानी और तीन अन्य व्यक्तियों (अमित बापना, रवींद्र सुधाकर और पिंकेश आर शाह) को कंपनी से कथित रूप से धन निकालने के लिए अगले आदेश तक प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था।

खूबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।

सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर

सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह-तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या टूथ पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल-ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, टूथ ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सन्सक्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, बाल, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है।

शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरकीबें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ-साथ उसके नफे-नुकसान के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है।

ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या-क्या असर होगा, यह भी पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडौल शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल कैमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। कैमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।

रोजगार कहां

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रुपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसलटेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रुपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रुपए महीना भी।

क्या कहता है आपका एप्टीटयूड

विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नहीं। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीटयूड टैस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीटयूड टैस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीटयूड टैस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीटयूड टैस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टैस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता-पिता अब एप्टीटयूड टैस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीटयूड टैस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या ड्राइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीटयूड टैस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रो. एनके चड्ढा कहते हैं, करियर का सही चुनाव और उसमें मौजूद क्षमता के आकलन के लिए एप्टीटयूड के साथ बच्चे की रुचि भी देखी जाती है। ऐसा करने पर करियर के चुनाव में खासी मदद मिलती है। एप्टीटयूड और इंटरेस्ट, दोनों एक-दूसरे के साथ जुड़े हैं और साथ-साथ चलते हैं। अगर एक है और दूसरा नहीं तो करियर को सही दिशा नहीं मिलती।

काउंसलर गीतांजलि कुमार करियर और जीवन को सही दिशा देने में एप्टीटयूड और इंटरेस्ट के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व और शारीरिक क्षमता को भी एक कड़ी मानती हैं। वह कहती हैं, इन सबको मिला कर ही किसी को करियर या जीवन में कोई राह चुनने की सलाह दी जाती है। अगर किसी में किसी कार्य के प्रति एप्टीटयूड है, पर रुचि या करने की इच्छा नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीटयूड टैस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुंठा का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीटयूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से काम नहीं मिलने पर वह अपने पेशे में उतना सक्षम साबित नहीं होता, जितना दूसरे लोग। ऐसे में वह दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कई बार उलटे-सीधे हथकंडे भी अपनाता है। सफलता नहीं मिलने पर वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चड्ढा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह-जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइंस भी तैयार किए हैं।

एप्टीटयूड टैस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग– एप्टीटयूड टैस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य-कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे-कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और व्हाइट कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एब्सट्रेक्ट रीजनिंग – इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीटयूड किस तरफ जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एब्सट्रेक्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग – यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा-भाग करने और सांख्यिकीय सवालों को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई-हैंड कोऑर्डिनेशन – आमतौर टेक्निकल काम मसलन ड्राइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीटयूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। ड्राइवर, पायलट, मशीनमैन और मैकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीटयूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन – इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर व्हाइट कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अड़ियल तो नहीं है। अगर उसमें फ्लेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीटयूड टैस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टैस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।

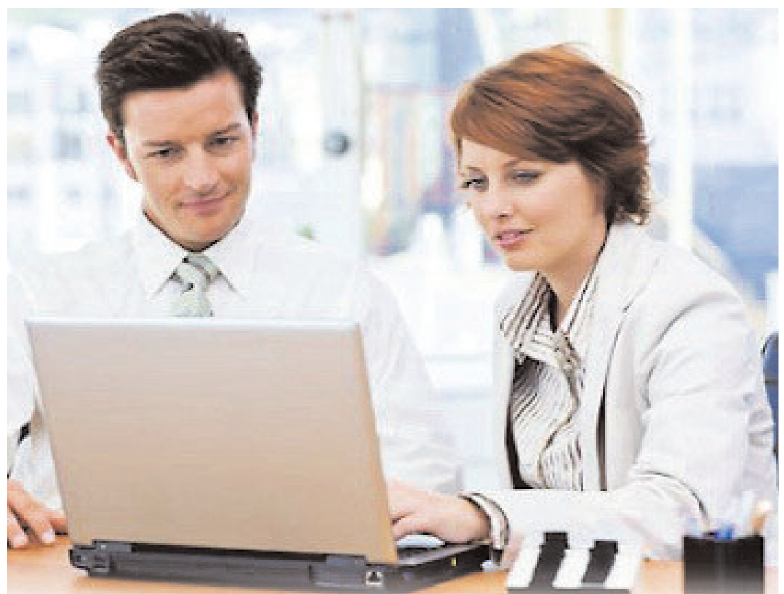

प्रोफेशनल लाइफ में रख रहे हैं कदम अपनाएं ये टिप्स

कॉलेज लाइफ को अलविदा कहकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में कदम रखने कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। कई युवाओं के लिए कॉलेज ग्रेजुएशन पूरा होने और अपने पहले जॉब की शुरुआत काफी तनावपूर्ण होती है। कॉलेज पूरा करने के बाद आपको जॉब हंटिंग, इंटरव्यू देना होता है और वास्तविकता का सामना करना इतना आसान नहीं है। कॉलेज स्टूडेंट से एक प्रोडक्टिव एम्प्लॉई बनने का यह ट्रांजिशन सफल बनाने के लिए कुछ बातों को समझना जरूरी है। इन मुद्दों को समझकर और उनके लिए तैयार रहकर इस बदलाव को आसान बना सकते हैं।

कॉलेज जाने और नौकरी पर जाने में बहुत फर्क है। आप जॉब में बंक नहीं मार सकते। आप पैसे देकर ट्यूशन नहीं ले रहे बल्कि आपको पे किया जा रहा है। इसलिए ट्यूशन की तरह मन न होने पर आप काम पर नहीं जाने का मन नहीं बना सकते। आपको नौकरी में आठ घंटे तो काम करना ही पड़ता है।

कॉलेज का समय प्रयोग का समय होता है। हम यहां थोड़ा गैर जिम्मेदार हुए तो चलेगा लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा नहीं है। कॉलेज में गैर जिम्मेदार होने का मतलब खराब ग्रेड लेकिन वर्कप्लेस पर अनप्रोफेशनल होना मतलब आपके नौकरी की छुट्टी। प्रोफेशनल का मतलब ही सेल्फ-स्टार्टर होता है। कॉलेज से ज्यादा डेडलाइन का सामना आपको प्रोफेशनल वर्ल्ड में करना होगा।

ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद आपके दिमाग में अपना स्पष्ट करियर पाथ होना चाहिए लेकिन अगर आपका पहला जॉब अपनी योजना से मेल नहीं खाता है तो घबराइए नहीं।

कॉलेज छोड़ने और प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखने में बहुत चीजें बदलती है। हां, अगर आप दोपहर तक सोते रहते हैं या देर रात फिल्में देखते हैं तो यह सब आपको बंद करना पड़ेगा। आपकी डाइट भी बदलेगी। लाइफस्टाइल के बदलावों के लिए तैयार रहें।

कॉलेज लाइफ खत्म होने का मतलब नहीं कि आपकी लाइफ से फन गायब हो गया। आप अभी भी ट्रेवल कर सकते हैं, दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं और नए व रोमांचक चीजें सीख सकते हैं। इस समय आपको देखना होगा कि किस तरह से मनोरंजन करें ताकि आप अपनी जॉब की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा पाएं।

येगो की धैर्य बनाये रखने की सलाह से मदद मिली: चोपड़ा

लुसाने, एजेंसी। भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कीनिया के उनके प्रतिद्वंद्वी जूलियस येगो की 'धैर्य बनाये रखने' की सलाह उनके लिए मददगार साबित हुई और वह सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ यहां डायमंड लीग मीट में दूसरे स्थान पर रहे।

पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाला यह 26 वर्षीय खिलाड़ी चौथे दौर तक चौथे स्थान पर चल रहा था। उन्होंने पांचवें प्रयास में 85.58 मीटर भाला फेंक फेंक तीसरा स्थान पक्का किया और फिर अंतिम प्रयास में 89.49 मीटर भाला फेंका जो पेरिस ओलंपिक के 89.45 मीटर से थोड़ा बेहतर है। पांचवें प्रयास के बाद केवल शीर्ष तीन खिलाड़ी ही भाला फेंक सकते थे।

चोपड़ा ने आधिकारिक प्रसारक से कहा, (एंडरसन) पीटर्स ने 90 मीटर थ्रो किया, मेरा

शरीर अच्छा महसूस नहीं कर रहा था लेकिन अंदर से संघर्ष करने की पूरी भावना थी। मुझे वास्तव में अपनी वापसी पसंद आई। आखिरी थ्रो में मैंने ज्यादा नहीं सोचा, बस अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।

उन्होंने कहा, मैंने शुरूआती प्रयास में ही अच्छा करने का सोचा था लेकिन यह थ्रो सही नहीं रहा। जूलियस येगो ने मुझे कहा 'धैर्य बनाये रखो' तुम दूर तक भाला फेंकोगे। मैं शांतचित रहने की कोशिश कर रहा था। येगो 83 मीटर के प्रयास के साथ छठे स्थान पर रहे।

चोपड़ा ने कहा कि उनके लिए प्रतियोगिता का दिन थोड़ा अजीब रहा क्योंकि शुरूआत में उन्हें लगा था कि वह बेहतर परिणाम नहीं दे पायेंगे। उन्होंने कहा, शुरूआत में मैंने नहीं सोचा था कि मैं बहुत दूर तक फेंकूंगा लेकिन अंत में यह अच्छा रहा।

यह पूछे जाने पर कि वह इस सत्र में और कितनी प्रतिस्पर्धा करेंगे, इस भारतीय ने कहा, हो सकता है कि दो या एक प्रतियोगिता में भाग लूं और फिर मेरे लिए यह सत्र खत्म हो जायेगा। अभी कुछ कहना सही नहीं होगा लेकिन शायद ब्रसेल्स (डायमंड लीग का समापन) में इस साल का अपना आखिरी टूर्नामेंट खेलूं।

चोपड़ा को गुरुवार को दूसरे स्थान पर रहने पर सात अंक मिले। वह 15 अंकों के साथ डायमंड लीग तालिका में वेबर के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। पीटर्स 21 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गए।

चेक गणराज्य के जैकब वाडलेच यहां सातवें (82.03 मीटर) स्थान पर रहे। वह समग्र तालिका में 16 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

इस सत्र का डायमंड लीग फाइनल 14 सितंबर को ब्रसेल्स में होगा। फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए चोपड़ा को समग्र तालिका में शीर्ष-छह में रहना होगा।

लंबे समय से चली आ रही जांघ की चोट से जूझ रहे चोपड़ा ने अगले साल के लिए अपने लक्ष्यों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि उनकी प्राथमिकता पूर्ण फिटनेस हासिल करने पर होगी।

उन्होंने कहा, पहला लक्ष्य, डॉक्टर के पास जाना और जांघ की चोट को 100 प्रतिशत फिट करना है। इसके साथ ही मैं तकनीकी रूप से बेहतर होने की कोशिश करूंगा ताकि भाले को और दूर तक फेंक सकूं।

अगले साल जून में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम अगले साल इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार पांच टेस्ट मैचों की ये सीरीज अगले साल जून से अगस्त के बीच खेली जाएगी। इसका पहला मैच 20 जून से होगा। वहीं अंतिम टेस्ट मैच 31 जुलाई से शुरू होगा।

भारतीय टीम इंग्लैंड के पिछले दौरे में जीत के बेहद करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी थी। ऐसे में इस बार उसका लक्ष्य जीतना रहेगा। भारत ने 2021 में इंग्लैंड दौरे पर 2-1 की बढ़त बना ली थी पर तब कोरोना संक्रमण के चलते सीरीज बीच में रोक दी गयी थी। बाद में सीरीज का बाकी बचा एकमात्र मैच खेला गया, जिसे इंग्लैंड ने जीता। इस तरह सीरीज 2-2 से बराबर रही थी। भारत और इंग्लैंड टेस्ट सीरीज से ठीक पहले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेला जाएगा। भारत डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025 की रेस में सबसे आगे है और उसके खिताबी मुकाबले में पहुंचने की पूरी उम्मीदें हैं। इसके बाद इंग्लैंड के साथ टेस्ट सीरीज शुरू होगी।

ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को 7 विकेट से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। सुजल सिंह (63) के शानदार अर्धशतक से ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने अरुण जेटली स्टेडियम में चल रही दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स पर गुरुवार रात को सात विकेट से जीत दर्ज की।

192 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए, ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने शानदार शुरूआत की और दोनों सलामी बल्लेबाजों अनुज रावत और सुजल सिंह ने विपक्षी गेंदबाजों का डटकर सामना किया। दोनों सलामी बल्लेबाजों द्वारा आसानी से बाउंड्री लगाने के साथ, ईस्ट दिल्ली राइडर्स पावरप्ले के अंत में 86/0 तक पहुंच गया। रावत की शानदार पारी का अंत हो गया क्योंकि उन्हें 34 रन पर आयुष बदौनी ने आउट किया। दूसरे छोर पर सुजल ने स्कोरबोर्ड को चालू रखा। आयुष के विकेट लेने से पहले कप्तान हिम्मत सिंह (29) ने उनका साथ दिया। सुजल ने सिर्फ 19 गेंदों पर 50 रन बनाए। दिग्वेश त्रिपाठी के विकेट लेने के साथ ही उनकी पारी समाप्त हो गई। उनकी पारी में सात चौके और तीन छक्के शामिल थे।

इसके बाद हार्दिक शर्मा और समर्थ सेठ ने लक्ष्य का पीछा करने की जिम्मेदारी ली। दोनों के बीच 34 गेंदों पर 50 रन की साझेदारी हुई। हार्दिक ने 24 गेंदों में 38 रनों का योगदान दिया, जबकि समर्थ ने 20 गेंदों में 24 रन बनाए। ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने सात विकेट और 13 गेंद शेष रहते लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया।

ओंस जाबौर कंधे की चोट के कारण यूएस ओपन से हटीं

न्यूयॉर्क, एजेंसी। ट्यूनीशिया की ओंस जाबौर कंधे की चोट के कारण आगामी यूएस ओपन से हट गयी हैं। 2022 यूएस ओपन महिला एकल की उपविजेता ने कहा कि वह अपने कंधे की चोट से पूरी तरह से उबर नहीं पाई हैं और साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम में भाग नहीं लेंगी। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, "मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत दुख हो रहा है कि यूएस ओपन के लिए मेरा कंधा समय पर ठीक नहीं हो पाएगा। मुझे लगता है कि मुझे 100 फीसदी देने की जरूरत है और आज यह अभी तक संभव नहीं है। जीवन में उतार-चढ़ाव आते हैं, लेकिन कभी-कभी बहुत ही नकारात्मक क्षणों में हम सभी को इसमें सकारात्मकता खोजने की जरूरत है।"

"यह साल मेरे लिए बहुत

कठिन रहा है, लेकिन मुझे पता है कि कहीं न कहीं रोशनी है। मैं हमेशा की तरह मुस्कराती रहती हूं क्योंकि मैं अपने जीवन, अपने परिवार, अपने प्रायोजकों और प्रशंसकों के लिए आभारी हूं, जिन्होंने हमेशा मेरा समर्थन किया है। हमेशा आभारी हूं आप सभी द्वारा मुझे दिए गए बिना शर्त समर्थन के लिए, यदि आप इस पोस्ट को पढ़ रहे हैं और मेरे शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करना चाहते हैं, तो मैं वास्तव में इसकी सराहना करता हूं और इसे संजोती हूं, और यदि आप यहां मेरी पसंद और मेरी टीम पर सवाल उठाने आए हैं, तो कृपया अपने दिल में थोड़ी दयालुता दिखाएं क्योंकि आप नहीं जानते कि मैं इतने सालों से क्या झेल रही हूं।"

जाबौर ने निष्कर्ष निकाला, "मैं वादा करती हूं कि एक बार जब मुझे अपनी ताकत वापस मिल जाएगी तो मैं और मजबूत होकर वापस लौटूंगी।"

सोमवार से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में जाबौर को 17वीं वरीयता मिलना तय था। अमेरिकी टेनिस एसोसिएशन ने घोषणा की कि एलिस मर्टेंस, अगली सर्वोच्च पात्र खिलाड़ी, अब 33वीं वरीयता प्राप्त करेंगी। इस महीने की शुरूआत में, वह दाहिने कंधे की चोट के कारण सिटी ओपन से हट गईं और जून में क्वार्टर फाइनल के दौरान उन्हें बर्लिन ओपन से रिटायर होने के लिए मजबूर होना पड़ा। घुटने की समस्या के कारण भी वह पेरिस ओलंपिक से चूक गईं। दो बार की विंबलडन फाइनलिस्ट जाबौर हाल ही में इस महीने की शुरूआत में टोरंटो में शुरूआती दौर में नाओमी ओसाका से हार गयी थीं।

नतीजों के बारे में ज्यादा सोचे बिना टीम में बदलाव करना मेरा सपना था: रोहित शर्मा

मुंबई, एजेंसी। बारबाडोस में टी20 विश्व कप खिताब के साथ अपने टी20 करियर का अंत करने के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने खुलासा किया कि नतीजों के बारे में ज्यादा सोचे बिना टीम में बदलाव करना उनका सपना था।

रोहित की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर इस प्रारूप में अपना दूसरा खिताब जीतने के बाद एक दशक से चले आ रहे आईसीसी खिताब के सूखे को समाप्त किया। 2023 में, फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हारने के साथ रोहित के नेतृत्व में मेन इन ब्लू विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप और 2023 वनडे विश्व कप जीतने में असफल रहे। तेजतर्रार सलामी बल्लेबाज ने टीम में बदलाव और टीम में एक निडर संस्कृति बनाने में उनके समर्थन के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह, पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़

और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर को भी श्रेय दिया।

रोहित ने बीसीसीआई द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, "यह मेरा सपना था कि मैं इस टीम को बदलूं और आंकड़ों और नतीजों के बारे में ज्यादा चिंता न करूं और यह भी सुनिश्चित करूं कि हम एक ऐसा माहौल बनाएं जहां लोग बाहर जा सकें और बिना ज्यादा सोचे-समझे खुलकर खेल सकें। मुझे तीन स्तम्भों जय शाह, राहुल द्रविड़ और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर से काफी मदद मिली। मैं जो किया वह करना मेरे लिए महत्वपूर्ण था। जाहिर तौर पर उन खिलाड़ियों को नहीं भूलना चाहिए जो अलग-अलग समय पर आए और टीम को वह हासिल करने में मदद की जो हमने आज हासिल किया है।

बुधवार को मुंबई में सिएट क्रिकेट रेटिंग अवार्ड्स 2023-24 में रोहित को 'मेन्स इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर' से सम्मानित किया गया, जबकि द्रविड़ को 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। भारत के धुरंधर बल्लेबाज विराट कोहली को 'पुरुष वनडे बल्लेबाज ऑफ द ईयर' चुना गया, जबकि गेंदबाजी में मोहम्मद शमी को 'वनडे बॉलर ऑफ द ईयर' का पुरस्कार दिया गया। 37 वर्षीय बल्लेबाज टी20 विश्व कप में तीन अर्धशतकों सहित 257 रन और 156.70 की स्ट्राइक रेट के साथ दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में समाप्त हुए। उन्होंने अमेरिका और वेस्टइंडीज की धीमी पिचों पर टीम को ठोस शुरूआत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

खिताब जीतने के बाद, रोहित कोहली के साथ टी20 से संन्यास की घोषणा करने में शामिल हो गए। 4,231 रनों के साथ, रोहित अपने साथी कोहली (4188 रन) के बाद इस प्रारूप में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। दोनों बल्लेबाज खेल के अन्य प्रारूपों में खेलना जारी रखेंगे। वह जोड़ी आखिरी बार इस महीने की शुरूआत में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में भारत के लिए खेली थी।

गंभीर की आईपीएल में मिली सलाह से बल्लेबाजी बेहतर हुई : साल्ट

मुंबई, एजेंसी। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिलिप साल्ट ने कहा है कि आईपीएल खेलते समय उन्हें तब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटोर रहे गौतम गंभीर से काफी अच्छी सलाह मिली थी। साल्ट ने कहा कि उसे सलाह के कारण ही वह बेहतर प्रदर्शन कर पाये थे। साल्ट 2024 आईपीएल विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम में शामिल थे। आईपीएल में गंभीर के साथ बिताए समय को याद करते हुए साल्ट ने कहा कि गंभीर में प्रतिस्पर्धा का एक सकारात्मक गुण है। सॉल्ट ने कहा, वह हमेशा उस एक प्रतिशत की तलाश में रहते हैं जो व्यक्ति को बेहतर बनाने और टीम को जीत दिलाने में मदद करे। इसलिए मुझे उनके लिए काम करना अच्छा लगा। सॉल्ट केकेआर टीम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे हालांकि वह प्लेऑफ से पहले स्वदेश लौट गये थे। इसका कारण ये है कि इंग्लैंड ने उन्हें टी20 विश्व कप से पहले पाकिस्तान के खिलाफ टी20आई सीरीज के लिए वापस बुलाया था।

साल्ट ने जो भी मैच खेले उनमें अपने प्रदर्शन से गहरी छाप छोड़ी। उन्होंने कहा कि गंभीर की सलाह से उन्हें सहजता से रन बनाने में सहायता मिली। एक प्रशिक्षण सत्र के दौरान गंभीर के साथ हुई बातचीत को याद करते हुए साल्ट ने कहा कि गंभीर ने उन्हें अपनी पारी को गहराई तक ले जाने और रन बनाने के लिए कहा, खासकर पारी के दूसरे भाग में। साथ ही कहा, जब मैं पहले प्रशिक्षण सत्र से बाहर आया, तो उन्होंने कहा, मुझे पता है कि तुम हमारे लिए रन बनाने जा रहे हो, लेकिन मैं चाहता हूं कि तुम अपने अधिकांश रन दसवें और 20वें ओवर के बीच बनाओ।

मार्कस ट्रेस्कोथिक इंग्लैंड की सफेद गेंद वाली टीमों के लिए पूर्णकालिक कोचिंग की भूमिका निभाने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के अंतरिम मुख्य कोच मार्कस ट्रेस्कोथिक सफेद गेंद वाली टीमों के लिए पूर्णकालिक कोचिंग की भूमिका निभाने को तैयार हैं और वह मौके का इंतजार कर रहे हैं।

वर्तमान में, ट्रेस्कोथिक का कार्यकाल अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 और एकदिवसीय श्रृंखला तक रहेगा, लेकिन पूर्व सलामी बल्लेबाज इसे इंग्लैंड की सफेद गेंद की टीम में अपनी अंतरिम भूमिका से परे देख रहे हैं। इंग्लैंड के सहायक कोचों में से एक ट्रेस्कोथिक वर्तमान में

श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला के दौरान टेस्ट टीम के साथ काम कर रहे हैं। वह सफेद गेंद वाली टीम में शामिल होने के लिए ओवल में तीसरे टेस्ट के दौरान रवाना होंगे, जिसकी घोषणा अगले सप्ताह की जाएगी। इसके बाद ट्रेस्कोथिक 11 सितंबर को पहले टी20 मैच से पहले साउथम्प्टन में यूटिलिटा बाउल के लिए रवाना होंगे।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो ने ट्रेस्कोथिक के हवाले से कहा, "यह ऐसा कुछ नहीं है जिसके बारे में मैंने पहले कभी सोचा था, जब तक मुझे यह अवसर नहीं मिला। मैं जरूरी नहीं कि ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के अंत से आगे के बारे में सोच रहा हूं। हम जो काम कर रहे हैं उस पर मैं बहुत अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। यहां (टेस्ट टीम के साथ)।

"आप अपनी सर्दियों की योजना बनाएं: हम पाकिस्तान जाएंगे, फिर न्यूजीलैंड। मैं इस समय इसमें इतना उलझा हुआ हूं कि मैंने वास्तव में बैठकर यह नहीं कहा है, 'ठीक है, मैं यहीं जाने की कोशिश करूंगा, मैं यही करने की कोशिश करूंगा। मैं निश्चित रूप से इस अवसर का इंतजार कर रहा हूं, हम वहां से इस पर थोड़ा और काम करेंगे।

ट्रेस्कोथिक ने अभी तक मुख्य कोच के रूप में काम नहीं किया है, लेकिन उन्होंने उस भूमिका में आने में रुचि दिखाई है। 2019 के अंत में एक खिलाड़ी के रूप में सेवानिवृत्त होने के बाद, उन्होंने समरसेट में सहायक कोच के रूप में 18 महीने बिताए और 2021 की शुरूआत से इंग्लैंड के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रहे हैं।

ट्रेस्कोथिक टीम चयन में भूमिका निभाएंगे और जोस बटलर के साथ मजबूत संबंध बनाए रखेंगे, जो सफेद गेंद के कप्तान बने रहेंगे। दोनों का समरसेट में अपने समय से इतिहास रहा है। बटलर, जो पिंडली की चोट के कारण हंड्रेड से चूकने के बाद पूर्ण प्रशिक्षण पर लौट आए हैं, 4 सितंबर को ससेक्स के खिलाफ टी20 ब्लास्ट क्वार्टर फाइनल में लंकाशायर के लिए खेल सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड की टी20 श्रृंखला श्रीलंका के खिलाफ उनके तीसरे और अंतिम टेस्ट के अंतिम दिन के ठीक 24 घंटे बाद शुरू होती है, जिसके लिए अलग टीमों की आवश्यकता होती है। हालांकि, अगर ओवल में जॉर्डन कॉक्स की जरूरत नहीं हुई तो उन्हें टी20 टीम में शामिल किया जा सकता है।

एक नजर

पैदल चाल खिलाड़ी भावना जाट पर लगा प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक (एडीडीपी) पैनल ने भारत की पैदल चाल खिलाड़ी भावना जाट पर 16 महीने का प्रतिबंध लगा दिया है। भावना पर ये पाबंदी इसलिए लगायी गयी है क्योंकि पिछले साल वह अपने ठिकाने की जानकारी देने में असफल रहीं थीं। इसी कारण भावना को पिछले साल अगस्त में ही राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी ने बुडापेस्ट में हुई 2023 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 20 किमी पैदल चाल स्पर्धा से निलंबित करते हुए वापस बुला लिया था। वहीं उनका 16 महीने के प्रतिबंध का समय अस्थाई निलंबन की तारीख 10 अगस्त 2023 से शुरू हुआ। इस प्रकार उनका प्रतिबंध इस साल के अंत में 10 दिसंबर को समाप्त हो जाएगा। नाडा नियमों के अनुच्छेद 2.4 के अनुसार उन्हें निलंबित करने का फैसला 10 जुलाई को सुनाया गया था पर इसे अब सार्वजनिक किया गया है। भावना ने मई और जून 2023 में दो डोप जांच भी नहीं करायी थी। इसी कारण उन्हें 2022 के अंत में चेतावनी दी गई थी। भावना ने तब कहा था कि मोबाइल एप में गड़बड़ी के कारण वह नाडा की शर्त पूरी नहीं कर पायीं।

गॉल में श्रीलंका-न्यूजीलैंड के बीच शुरूआती टेस्ट के बीच होगा विश्राम दिवस

दुबई, एजेंसी। अगले महीने गॉल में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रीलंका का शुरूआती टेस्ट मैच छह दिन का होगा, जिसमें इस द्वीपीय देश में राष्ट्रपति चुनाव के कारण एक दिन विश्राम का प्रावधान है। आईसीसी ने शुक्रवार को यहां जारी विज्ञप्ति में बताया कि 18 सितंबर को शुरू होने वाले टेस्ट में 'डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट रिपब्लिक ऑफ श्रीलंका' के राष्ट्रपति चुनाव के कारणह 21 सितंबर को विश्राम का दिन होगा। दो दशकों से अधिक समय में यह पहली बार होगा कि श्रीलंका छह दिनों के टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। इससे पहले 2001 में कोलंबो में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए मैच में पोया डे (पूर्णिमा) के कारण एक दिन का विश्राम रखा गया था। दो मैचों की यह श्रृंखला मौजूदा आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र का हिस्सा है जिसका दूसरा टेस्ट 26-30 सितंबर तक उसी स्थान पर खेला जायेगा। पिछली शताब्दी में टेस्ट क्रिकेट के बीच में एक दिन का विश्राम आम बात थी लेकिन अब यह प्रचलन लगभग खत्म हो गया है। बांग्लादेश ने दिसंबर 2008 में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला का पहला मैच संसदीय चुनाव के कारण छह दिवसीय रखा था। न्यूजीलैंड और श्रीलंका वर्तमान में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप तालिका में क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।

गुकेश और प्रज्ञानानंदा ने सिंकफील्ड कप में ड्रॉ खेला

सेंट लुइस (अमेरिका)। विश्व चैम्पियनशिप के चैलेंजर डी गुकेश यहां सिंकफील्ड कप के चौथे दौर में फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा के खिलाफ अच्छी स्थिति पर पहुंचने के बावजूद जीत दर्ज नहीं कर सके और उन्हें अंक बांटकर संतोष करना पड़ा। चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ नवंबर में विश्व चैम्पियनशिप मैच खेलने के लिए तैयार गुकेश ने फिरौजा को कड़ी चुनौती दी। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने भी हॉलैंड के अनीश गिरी के खिलाफ बाजी ड्रा करायी। अमेरिका के वेस्ले सो ने एकमात्र निर्णायक बाजी जीती। उन्होंने रूस के इयान नेपोमनियाच्ची को हराकर पूरे अंक जुटाये। इस तरह वेस्ले सो के फिरौजा की तरह 2.5 अंक हो गये हैं और दोनों चार दौर के बाद संयुक्त बढ़त बनाये हैं। उनके बाद अमेरिका के फैबियानो कारूआना, फ्रांस के मैक्सिम वाचियर लाग्रेव, नेपोमनियाच्ची, प्रज्ञानानंदा और गुकेश शामिल हैं। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव और गिरी 1.5 लेकर संयुक्त नौवें स्थान पर हैं।

शीर्ष वरीयता प्राप्त बीट्रिज हद्दाद माइया टेनिस इन द लैंड के सेमीफाइनल में

क्लीवलैंड (अमेरिका), एजेंसी। ब्राजील की शीर्ष वरीयता प्राप्त बीट्रिज हद्दाद माइया ने गुरुवार को फ्रांस की क्लारा बुरेल को 6-2, 6-2 से हराकर टेनिस इन द लैंड टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में विश्व में 23वें नंबर की खिलाड़ी हद्दाद मैया का सामना चेक गणराज्य की तीसरी वरीयता प्राप्त कतेरीना सिनियाकोवा से होगा, जिन्होंने अमेरिका की छठी वरीयता प्राप्त पेटन स्टर्न्स को 1-6, 6-3, 6-4 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिका की मेकार्टनी केसलर रूस की पांचवीं वरीयता प्राप्त अनास्तासिया पोटापोवा से भिड़ेंगी। केसलर ने नीदरलैंड की अरांटेक्सा रस को 6-4, 6-2 से और पोटापोवा ने रोमानिया की एना बोगदान को 6-2, 6-1 से हराया।

अदिति और दीक्षा की एआईजी महिला ओपन में निराशाजनक शुरूआत

सेंट एंड्रयूज (स्कॉटलैंड)। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर और अदिति अशोक ने एआईजी महिला ओपन के पहले दौर के आखिरी होल में बर्डी लगाकर कट में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को बनाये रखा। तेज हवा से प्रभावित पहले दिन के खेल के बाद अदिति चार-ओवर 76 का कार्ड खेलकर संयुक्त 79वें जबकि दीक्षा पांच ओवर 77 का कार्ड खेलकर संयुक्त 100वें स्थान पर है। दोनों खिलाड़ियों को कट में जगह बनाने के लिए दूसरे दौर अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। कट के तीन ओवर या चार ओवर रहने की संभावना है। अदिति ने पहले, दूसरे और 12वें होल में बोगी जबकि 13वें होल में डबल बोगी की। उन्होंने नौवें होल में बर्डी लगाकर चार ओवर का कार्ड बनाया। दीक्षा ने 10वें, 11वें, 13वें, 16वें और 17वें होल पर बोगी की।

टेस्ट क्रिकेट को बचाने के लिए अलग से कोष तैयार करने पर विचार कर रहा है आईसीसी

सिडनी, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टेस्ट क्रिकेट के लिए कम से कम 150 लाख अमेरिकी डॉलर का अलग से कोष तैयार करने पर विचार कर रहा है जिससे खिलाड़ियों की मैच फीस बढ़ाने में मदद मिलेगी और उन्हें केवल आकर्षक टी20 फ्रेंचाइजी लीग पर ध्यान केंद्रित करने से रोका जा सकेगा। सिडनी मार्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इस तरह का प्रस्ताव रखा है जिसे भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह और इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) का समर्थन हासिल है। शाह अभी आईसीसी अध्यक्ष बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं। इस कोष से टेस्ट क्रिकेटरों की न्यूनतम मैच फीस में बढ़ोतरी होगी और यह विदेशी दौरों पर टीमों को भेजने की लागत को कवर करेगा। इससे वेस्टइंडीज जैसे क्रिकेट बोर्ड को मदद मिलेगी जिसके खिलाड़ी के टेस्ट क्रिकेट के बजाय वैश्विक टी20 प्रतियोगिताओं में खेलने को प्राथमिकता दे रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है,इस कोष के बनने के बाद सभी खिलाड़ियों के लिए न्यूनतम भुगतान सुनिश्चित होगा जो लगभग 10000 डॉलर होगा। इसके अलावा यह उन देश के विदेशी दौरों की लागत का भी भुगतान करेगा जो टेस्ट क्रिकेट में बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस तरह का कोष गठित करने की अवधारणा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष माइक बेयर्ड ने जनवरी में रखी थी और उन्हें खुशी है कि इस पर प्रगति हो रही है। उन्होंने कहा, हमें हर बाधा को दूर करने और टेस्ट क्रिकेट को सर्वश्रेष्ठ में से सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

पहले मैं बहुत घमंडी हुआ करती थी : अनुष्का शर्मा

उनके अहंकारी स्वभाव के लिए दिया था रियलिटी चेक

मुंबई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक थ्रोबैक वीडियो में बालीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने खुलासा किया है कि अभिनेत्री बनने से पहले वह कितनी घमंडी थीं। वीडियो में अनुष्का को यह कहते हुए सुना जा सकता है, ईमानदारी से कहूं तो अभिनेता बनने से पहले मैं बहुत घमंडी हुआ करती थी। मैं स्कूलों और अन्य सभी जगहों पर बहुत अधिक लोगों से बात नहीं करती थी। मैं वास्तव में दंभी थी। अनुष्का ने कहा, एक बार जब मैं अभिनेत्री बन गई तो आदित्य चोपड़ा ने मेरा रियलिटी चेक किया। उन्होंने कहा, तुम फिल्म कर रही हो, लेकिन तुम्हें पता है क्या? तुम सबसे अच्छी दिखने वाली लड़की नहीं हो। तब तक मैं सोचती थी कि मैं सबसे बेहतर हूं। अनुष्का ने 2008 में रोमांटिक कॉमेडी फिल्म रब ने बना दी जोड़ी से बॉलीवुड में डेब्यू किया था, जो आदित्य चोपड़ा द्वारा लिखित और निर्देशित थी और उनके पिता यश चोपड़ा द्वारा यश राज फिल्म्स के प्रोडक्शन बैनर के तहत निर्मित की गई थी। फिल्म में शाहरुख खान ने सुरिंदर साहनी की भूमिका निभाई, जबकि अनुष्का ने तानी की भूमिका निभाई। इसके बाद उन्होंने बदमाश कंपनी में बुलबुल, बैंड बाजा बारात में श्रुति, पटियाला हाउस में सिमरन, लेडीज वर्सेज रिकी बहल में इशिका, जब तक है जान में अकीरा, मटरू की बिजली में बिजली का किरदार निभाया। वह फिल्म परी, फिल्लौरी और बुलबुल की प्रोड्यूसर भी हैं। अनुष्का की अगली फिल्म चकदा एक्सप्रेस है। अभिषेक बनर्जी द्वारा लिखित, प्रोसित रॉय द्वारा निर्देशित और क्लीन स्लेट फिल्म के बैनर तले कर्णेश शर्मा द्वारा निर्मित इस जीवनी पर आधारित स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म में दिब्येंदु भट्टाचार्य, रेणुका शहाणे, अंशुल चौहान, कौशिक सेन, महेश ठाकुर जैसे कलाकार हैं। यह फिल्म झूलन गोस्वामी की बायोपिक है, इसमें अनुष्का मुख्य भूमिका में हैं। उन्होंने भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली से शादी की है।

विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' का टीजर रिलीज

छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित स्वराज्य के रक्षक छावा संभाजी महाराज की बायोपिक अब सिल्वर स्क्रीन पर फिल्म 'छावा' के माध्यम से दर्शकों के सामने आ रही है। 'छावा' का रोमांचक टीजर रिलीज हो चुका है और छत्रपति संभाजी महाराज के किरदार में विक्की कौशल ने अपनी छाप छोड़ी है। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उत्तेकर ने किया है। यह फिल्म 6 सितंबर 2024 को रिलीज होगी। बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग से छाप छोड़ने वाले विक्की कौशल की आने वाली फिल्म 'छावा' पिछले कुछ दिनों से चर्चा में है। 'छावा' का ट्रेलर 'स्त्री-2' के साथ सिनेमाघरों में दिखाया गया था। सोशल मीडिया पर टीजर वायरल होने के बाद अब मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर फिल्म का टीजर सोमवार को रिलीज कर दिया है। विक्की कौशल ने फिल्म 'छावा' से अपना फर्स्ट लुक शेयर किया और फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा की। यह फिल्म 6 सितंबर 2024 को रिलीज होगी। बॉक्स ऑफिस पर 'छावा' की टक्कर 'पुष्पा 2' से होगी। 'छावा' फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के दिवंगत छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। टीजर में विक्की कौशल के लुक, एक्शन से पता चलता है कि उन्होंने इस फिल्म के लिए काफी मेहनत की है। आंखों में आग लेकर स्वराज्य की रक्षा करने का जुनून रखने वाले छत्रपति संभाजी महाराज मुगल सेना से लड़ते नजर आए। औरंगजेब के किरदार में अक्षय खन्ना का लुक बेहद शानदार है। विक्की कौशल के लुक और एक्शन की प्रशंसकों ने काफी सराहना की। विक्की कौशल ने टीज़र शेयर करते हुए कहा कि स्वराज्य के रक्षक, धर्म के रक्षक, छावा- एक साहसी योद्धा की एक महाकाव्य गाथा है!

'छावा' की स्टार कास्ट

फिल्म 'छावा' में विक्की कौशल छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका में नजर आएंगे। तो वहीं औरंगजेब का किरदार अक्षय खन्ना निभाएंगे। जनरल हंबीर राव मोहिते की भूमिका में आशुतोष राणा, सोयराबाई की भूमिका में दिव्या दत्ता नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में रश्मिका मंदाना और नील भूपलम भी हैं।

'कल्कि 2898 एडी' देखकर अरशद ने प्रभास को कहा जोकर

मुंबई। इस साल की अभी तक सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' अभिनेता अरशद वारसी को पसंद नहीं आई है। इस फिल्म में बॉलीवुड और साउथ के दिग्गज कलाकारों ने कैमियो किया है। नाग अश्विन की निर्देशित इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अब तक कई रिकॉर्ड तोड़ चुकी है और दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 1100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर चुकी है। अभिनेता अरशद वारसी ने प्रभास, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और कमल हासन अभिनीत 'कल्कि 2898 एडी' देखने के बाद निराशा व्यक्त की। अरशद ने एक साक्षात्कार में कहा कि, मैंने कल्कि देखी, मुझे फिल्म बिल्कुल पसंद नहीं आई। अमित ने अद्भुत काम किया है। कसम से जो ताकत उनमें है, अगर थोड़ी सी भी हमें मिल जाए तो हमारी लाइफ सेट हो जाए। उनका काम अद्भुत है। अरशद ने जहां अमिताभ बच्चन की तारीफ की तो वहीं दूसरी ओर उन्होंने प्रभास के रोल की आलोचना भी की। उन्होंने कहा कि प्रभास को देखकर मुझे बहुत दुख हुआ। यह क्या था वह एक जोकर की तरह लग रहा था। क्यों मैं मैड मैक्स देखना चाहता हूं। मैं वहां मेल गिब्सन को देखना चाहता हूं। तुमने उसके साथ क्या किया, ऐसा क्यों करते हो? मैं वास्तव में नहीं जानता। इस ब्लॉकबस्टर फिल्म पर अरशद की प्रतिक्रिया खूब चर्चा में है। साक्षात्कार के दौरान अरशद ने फिल्म 'श्रीकांत' और इसमें अभिनेता राजकुमार राव के अभिनय की सराहना की। उन्होंने कहा कि मैंने फिल्म श्रीकांत को देखा और मुझे वह बहुत पसंद आया। मुझे लगता है कि राजकुमार ने फिल्म में बहुत अच्छा काम किया है। अरशद ने शारवरी वाघ और नवोदित अभय वर्मा अभिनीत हॉरर कॉमेडी 'मुंज्या' की प्रशंसा की। मैंने 'मुंज्या' के बारे में बहुत अच्छी बातें सुनी हैं। यह एक नए लड़के और एक शरवारी के साथ एक लघु कॉमेडी हॉरर फिल्म है। अरशद ने कहा कि मैं भी 'किल' देखना चाहता हूं। इंडस्ट्री को अलग-अलग कंटेंट के साथ प्रयोग करना चाहिए। क्योंकि साउथ उद्योग भी अपनी फिल्मों और सामग्री के साथ प्रयोग कर रहा है।

लोकेश कनगराज की फिल्म में काम करेंगे आमिर खान!

मुंबई। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान दक्षिण भारतीय फिल्मों के जानेमाने निर्देशक लोकेश कनगराज की फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं। आमिर खान ने दक्षिण भारतीय निर्देशक एआर मुरुगादॉस की सुपरहिट फिल्म गजनी में काम किया है। आमिर खान अब माइथ्री मूवी मेकर्स और निर्देशक लोकेश के साथ पैन-इंडिया फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं। लोकेश कनगराज, जिन्होंने थलापति विजय, कमल हासन, रजनीकांत, सूर्या जैसे कई बड़े अभिनेताओं के साथ कई बेहतरीन फिल्में निर्देशित की हैं। इस पैन इंडिया फिल्म के लिए जल्द ही आमिर, लोकेश और माइथ्री मूवी मेकर्स जल्द ही फिल्म की आधिकारिक घोषणा कर सकते हैं।

कन्नड़ फिल्म में नजर आएंगे अक्षय ओबरॉय

मुंबई। अभिनेता अक्षय ओबरॉय कन्नड़ फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आएंगे। फिल्म 'केजीएफ' के अभिनेता यश इसमें मुख्य किरदार में दिखेंगे। 'फाइटर' फिल्म के अभिनेता ओबरॉय ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर फिल्म के सदस्यों से मिले तोहफे की एक तस्वीर साझा की। इस तोहफे पर लिखा था कि प्रिय अक्षय, टीम में आपका स्वागत है। इस फिल्म में आपके साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं.। फिल्म 'टॉक्सिक' का निर्देशन गीतू मोहनदास कर रहे हैं। बेंगलुरु में पिछले सप्ताह फिल्म की शूटिंग शुरू की गई। 'केवीएन प्रोडक्शंस' और 'मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस' मिलकर फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। फिल्म के 2025 में रिलीज होने की संभावना है। ओबरॉय इससे पहले 'पिज्जा', 'फितूर', गुड़गां', 'कालाकांडी', 'लव हॉस्टल', 'थार', 'गैसलाइट' और 'फाइटर' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं।

एनटीआर जूनियर ने फिल्म देवरा की शूटिंग पूरी की

मुंबई। मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर ने अपनी वाली फिल्म देवरा की शूटिंग पूरी कर ली है। एनटीआर जूनियर ने अपने एक्स अकाउंट पर एक तस्वीर साझा की और लिखा, मैंने अभी-अभी देवरा पार्ट 1 के लिए अपना आखिरी शॉट दिया है।

तलाक के बाद जैस्मीन को डेट कर रहे हैं हार्दिक पांड्या, तस्वीरें वायरल

मुंबई। स्टार क्रिकेटर हार्दिक पंड्या पिछले काफी समय से अपनी निजी जिंदगी के कारण सुर्खियों में हैं। पहले पत्नी नताशा स्टेनकोविक से तलाक, फिर अनन्या पांडे को डेट करने की खबरें आई थीं। अब ताजा खबर यह है कि हार्दिक इस समय जैस्मीन वालिया के साथ हैं। कहा जा रहा है कि हार्दिक अब जैस्मीन को डेट कर रहे हैं और दोनों साथ में छुट्टियां मनाने ग्रीस भी गए थे। जैस्मीन वालिया एक ब्रिटिश सिंगर और टीवी स्टार हैं, जिनकी चर्चा म्यूजिक इंडस्ट्री से लेकर सोशल मीडिया तक हर जगह होती है। लंदन के एसेक्स में जन्मी जैस्मीन के माता-पिता भारतीय मूल के हैं। ब्रिटिश रियलिटी टीवी सीरीज 'द ओनली वे इज एसेक्स' का हिस्सा बनने के बाद जैस्मीन ने पहली बार दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने वर्ष 2010 में शो में एक 'एक्स्ट्रा' के रूप में शुरुआत की थी, लेकिन वर्ष 2012 तक वह शो की लीड एक्ट्रेस बन गईं। इस शो के जरिए जैस्मिन को एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा पहचान मिली। शो के बाद जैस्मीन ने म्यूजिक इंडस्ट्री में कदम रखा और वर्ष 2014 में अपना यूट्यूब चैनल लॉन्च किया। जैस्मिन चैनल पर दूसरों के गाने गाकर अपना टैलेंट दिखा रही थीं। उन्होंने जैक नाइट, इंटेंस-टी और ग्रीन म्यूजिक के साथ सहयोग किया और फिर वर्ष 2017 में 'बॉड डिजी' के साथ उन्हें सबसे बड़ा ब्रेक मिला। जैस्मिन ने पहली बार जैक नाइट के साथ परफॉर्म किया और उनकी लोकप्रियता तब बढ़ गई जब वर्ष 2018 में बॉलीवुड फिल्म 'सोनू के टीटू की स्वीटी' के लिए 'बम डिगी डिगी बम' गाने का रीमेक बनाया गया। वर्ष 2022 में जैस्मिन वालिया ने 'बिग बॉस-13' के फाइनलिस्ट आसिम रियाज के साथ 'नाइट्स एन फाइट्स' नाम से एक म्यूजिक वीडियो किया था। उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री काफी मशहूर थी। वीडियो ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। उन्हें 'टाइम्स स्क्वायर' के होर्डिंग पर भी जगह मिली। जैस्मिन एक सोशल मीडिया सेंसेशन हैं, अकेले इंस्टाग्राम पर उनके 6.4 लाख फॉलोअर्स हैं। जैस्मिन के यूट्यूब पर 5.7 लाख सब्सक्राइबर्स हैं। वह अक्सर अपनी बोल्ड और सेंसेशनल तस्वीरें पोस्ट करती हैं, जो वायरल होती हैं।